@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 7 मई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 176 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अब 2027 में लॉन्च किया जाएगा गगनयान मिशन

सी.चन्द्रा

नई दिल्ली, 6 मई। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान अब 2027 की पहली तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन पहले 2022 में होना था, लेकिन अब इसमें करीब पांच साल की देरी हो गई है। इस जटिल मिशन को शुरू करने के लिए अभी कई तकनीकी चुनौतियां का सामना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि इस साल के अंत तक पहला मानव रहित मिशन लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद 2026 में दो और मानव रहित मिशन किए जाएंगे। इसरो प्रमुख ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, पहला मानव मिशन अब 2027 की पहली तिमाही में होगा। उन्होंने आगे कहा, इसरो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने से पहले मानवरहित मिशन के हिस्से के रूप में एक अर्ध-मानव रोबोट व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में गगनयान मिशन की घोषणा की थी। उन्होंने भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए 2022 का लक्ष्य तय किया था। लेकिन कोरोना महामारी ने अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण में बाधा डाली। मिशन से जुड़ी तकनीकों को तैयार करने में भी अधिक समय लग रहा है। गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर भेजा जाएगा और कुछ दिनों बाद उन्हें सुरक्षित वापस लाया जाएगा। इसके लिए इसरो ने पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस) नाम की प्रणाली तैयार की है, जो अंतरिक्ष यान के अंदर का तापमान, हवा की गुणवत्ता, दबाव और नमी नियंत्रित करेगी। अंतरिक्ष यात्रियों की साफ-सफाई और रहने के माहौल को भी संभालेगी। नारायणन ने कहा, यह बहुत जटिल प्रक्रिया है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और अब हम अंतिम परीक्षण के चरण में हैं। अगर गगनयान मिशन कामयाब रहता है, तो भारत रूस, अमेरिका और चीन के बाद अपने दम पर मानव को अंतरिक्ष में भेजने वाला चौथा देश बनेगा। नारायणन ने बताया कि दिसंबर में पीएसएलवी रॉकेट से भेजे गए दो उपग्रहों के साथ किया गया अंतरिक्ष डॉकिंग परीक्षण सफल रहा। अब इसरो इसका अगला चरण स्पैडेक्स-2 की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसका प्रस्ताव जल्द ही सरकार को भेजा जाएगा।

भारत का पानी पहले बाहर जाता था, अब वह देश के काम आएगा: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 6 मई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को खत्म कर दिया है। वहीं इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार सार्वजनिक तौर बयान दिया है। पीएम मोदी ने कहा- भारत का पानी पहले बाहर जाता था, अब वह भारत के हितों के लिए रुकेगा और देश के काम आएगा। यानि जो पानी पहले भारत की सीमा से बाहर जा रहा था (खासकर पाकिस्तान या बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में बहने वाले नदी जल के संदर्भ में), अब भारत सरकार उस पानी को देश के हित में रोकने और उपयोग में लाने की योजना बना रही है। पीएम मोदी ने आगे कहा, एक समय था जब कोई भी जरूरी कदम उठाने से पहले लोग सोचते थे कि दुनिया क्या सोचेगी... वे सोचते थे कि उन्हें वोट मिलेगा या नहीं, उनकी सीट सुरक्षित रहेगी या नहीं। इन कारणों से बड़े सुधारों में देरी हुई। कोई भी देश इस तरह आगे नहीं बढ़ सकता। देश तभी आगे बढ़ता है जब हम राष्ट्र को सबसे पहले रखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब लोग अब देश को देखते हैं, तो वे गर्व से कह सकते हैं कि लोकतंत्र काम कर सकता है और इस बात पर जोर दिया कि सरकार जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से सकल जन सशक्तिकरण (जीईपी) पर आधारित प्रगति की ओर बढ़ रही है। सिंधु जल संधि को रोकने का फैसला कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) ने लिया, जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। भारत ने स्पष्ट किया है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक यह निलंबन प्रभावी रहेगा। ये इस संधि की शुरुआत के बाद से यह पहली बार है कि भारत ने आधिकारिक तौर पर इस पर रोक लगाई है - यह उसके कूटनीतिक रुख में एक महत्वपूर्ण

बदलाव है। लगातार तनाव के कारण वर्षों से समीक्षा के लिए समय-समय पर आह्वान के बावजूद, संधि अब तक अछूती रही है। सिंधु जल संधि के तहत भारत 1960 से पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों के पानी का बड़ा हिस्सा देता रहा है, जबकि सतलुज, रावी और ब्यास नदियों का जल भारत इस्तेमाल करता है। लेकिन हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि भारत को अपने हिस्से के पानी का पूरा उपयोग करना चाहिए ताकि खेती, पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए देश में जल उपलब्धता बढ़ सके। वहीं पीएम मोदी ने नए वक्फ कानून का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि कानून में सुधार की जरूरत दशकों से महसूस की जा रही थी, लेकिन वोट बैंक को संतुष्ट करने के लिए इस नेक काम को भी बदनाम किया गया। उन्होंने कहा, अब संशोधन किए गए हैं जो वास्तविक अर्थों में गरीब मुस्लिम माताओं और बहनों और गरीब पसमांदा मुसलमानों की मदद करेंगे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस बदलते भारत का सबसे बड़ा सपना 2047 तक विकसित भारत बनना है। उन्होंने कहा, देश में इसके लिए क्षमताएं, संसाधन और इच्छाशक्ति है।

कर्नाटक के पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी समेत तीन को सात साल की सजा

संजय अरोड़ा

बंगलूरू, 6 मई। कर्नाटक के पूर्व मंत्री गली जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य लोगों को एक विशेष अदालत ने सात साल की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें ओबुलापुरम अवैध खनन केस में दी गई है। वहीं कोर्ट का फैसला आते ही सीबीआई की टीम ने जनार्दन रेड्डी और बाकी दोषियों को अपनी हिरासत में ले लिया। यह मामला सालों पुराना है, जिसमें जनार्दन रेड्डी और उनके साथियों पर आरोप था कि उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर के गैरकानूनी तरीके से खनन किया और करोड़ों रुपये का नुकसान सरकार को पहुंचाया। इस केस में जांच एजेंसियों ने बताया कि जनार्दन रेड्डी की कंपनी ने सीमा के बाहर जाकर भी खनन किया और इसके लिए जरूरी अनुमति नहीं ली थी। इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान हुआ। अब कोर्ट ने माना कि पूर्व मंत्री और उनके साथियों ने कानून तोड़ा और इसलिए उन्हें सात साल की कैद और जुर्माना भी भरना होगा। पूर्व मंत्री रेड्डी पर भारत में घोटाला कर उन पैसों का कई देशों में निवेश करने का आरोप है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच सितंबर 2011 को रेड्डी और उनके रिश्तेदार बी.वी श्रीनिवास रेड्डी को बेल्लारी से गिरफ्तार किया था। श्रीनिवास रेड्डी ओबलापुरम माइनिंग कंपनी (ओएमसी) के प्रबंध निदेशक थे। इस कंपनी पर खनन पट्टे के सीमांकन को बदलने और बेल्लारी आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध खनन करने का आरोप है। बता दें कि, मामले में बी.वी. श्रीनिवास रेड्डी, गली जनार्दन रेड्डी, ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी, पूर्व मंत्री के निजी सहायक मेफाज अली खान, खान विभाग के तत्कालीन निदेशक वी.डी. राजगोपाल, पूर्व आईएएस कृपानंदम और तत्कालीन मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत और कुछ अन्य पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। वहीं इस मामले में 2022 में उच्च न्यायालय ने आईएएस अधिकारी श्रीलक्ष्मी को मामले से मुक्त कर दिया।

वक्फ धोखाधड़ी मामले में ईडी ने दर्ज किया मामला

अहमदाबाद, 6 मई। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को गुजरात में कई स्थानों पर छापे मारे। छापेमारी राज्य में कुछ वक्फ संपत्तियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी ने सलीम खान जुम्मा खान पठान, मोहम्मद यासर अब्दुलहमिया शेख, महमूद खान जुम्मा खान पठान, फेजमोहम्मद पीर मोहम्मद चोबदार और साहिद अहमद याकूभाई शेख के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस की एफआईआर का संज्ञान लिया और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने घोटाले के सिलसिले में 20 अप्रैल को पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। सहायक पुलिस आयुक्त वाणी दुधात ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने मामले का संज्ञान लिया और मुख्य आरोपी सलीम जुम्माखान पठान और अन्य से जुड़ी नौ संपत्तियों पर छापेमारी की। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि ईडी के अनुरोध के अनुसार हमने तलाशी लेने के लिए 78 पुलिसकर्मी उपलब्ध कराए हैं। गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार, आरोपियों ने कांच नी मस्जिद ट्रस्ट और शाह बड़ा कसम ट्रस्ट की जमीन पर लगभग 100 घरों और दुकानों से किराया वसूला। दोनों ट्रस्ट गुजरात वक्फ बोर्ड में पंजीकृत हैं। 2008 से 2025 के बीच पठान और अन्य ने कथित तौर पर दोनों ट्रस्टों से संबंधित 5,000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध निर्माण किया। लगभग 100 संपत्तियां (घर और दुकानें) बनाईं और किराया वसूला।

माकपा नेता ए. राजा को वापस मिली विधायकी

नई दिल्ली, 6 मई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें इडुक्की जिले की देवीकुलम विधानसभा सीट से माकपा नेता का चुनाव रद्द कर दिया गया था। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने हाईकोर्ट के 23 मार्च, 2023 के आदेश के खिलाफ राजा की ओर से दायर अपील को स्वीकार कर लिया। पीठ ने कहा, हाईकोर्ट के फैसले को खारिज किया जाता है। चुनाव याचिका भी खारिज की जाती है। अपीलकर्ता पूरी अवधि के लिए विधानसभा के सदस्य के रूप में सभी परिणामी लाभों का हकदार है। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 26 सितंबर को राजा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कांग्रेस नेता डी कुमार 2021 के विधानसभा चुनावों में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजा अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के लिए आरक्षित देवीकुलम सीट से चुनाव लड़ने के योग्य नहीं थे। राजा से 2021 के चुनावों में 7,848 मतों के अंतर से पराजित हुए कुमार ने यह भी दावा किया था कि माकपा नेता की पत्नी भी ईसाई हैं। उनका विवाह ईसाई धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। कांग्रेस नेता की दलीलों से सहमत होते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि राजा की ओर से अपनी शादी और समारोह के बारे में दिए गए टालमटोल वाले जवाबों से यह स्पष्ट है कि उनकी ओर से सच्चाई को छिपाने का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा था कि उनके और उनकी पत्नी द्वारा पहने गए कपड़े ईसाई विवाह के संकेत हैं।

जाति जनगणना को लेकर खरगे का पीएम मोदी को पत्र

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 6 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर पत्र लिखा है। पत्र में जाति जनगणना के लिए तेलंगाना मॉडल को अपनाने, आरक्षण के लिए 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और निजी शिक्षण संस्थानों में एससी-एसटी-ओबीसी के लिए आरक्षण प्रदान करने वाले अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू करने का आग्रह किया गया है। पत्र में खरगे ने प्रधानमंत्री से जाति जनगणना के मुद्दे पर जल्द ही सभी राजनीतिक दलों से बातचीत करने का भी आह्वान किया है। खरगे ने लिखा कि मैंने 16 अप्रैल 2023 को आपको पत्र लिखकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना कराने की मांग आपके समक्ष रखी थी। अफसोस की बात है कि मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से उसके बाद आपके पार्टी के नेताओं और स्वयं आपने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व पर इस जायज मांग को उठाने के लिए लगातार हमले किए। आज आप स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग गहन सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तिकरण के हित में है। आपने बिना किसी स्पष्ट विवरण के यह घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो वास्तव में 2021 में होनी थी) में जाति को भी एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा। इस संबंध में मेरे तीन सुझाव हैं, जिन पर आप कृपया

विचार करें। उन्होंने लिखा, जनगणना से सम्बंधित प्रश्नावली का डिजाइन बहुत महत्वपूर्ण है। जाति संबंधी जानकारी केवल गिनती के लिए नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकत्र की जानी चाहिए। हाल ही में संपन्न तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण को इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन और कार्यान्वित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय को जनगणना में इस्तेमाल किए जानेवाले प्रश्नावली और पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए तेलंगाना मॉडल का उपयोग करना चाहिए। प्रक्रिया के अंत में प्रकाशित होने वाली रिपोर्ट में कुछ भी छिपाया नहीं जाना चाहिए, ताकि प्रत्येक जाति के पूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकडे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों, जिससे एक जनगणना से दूसरी जनगणना तक उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को मापा जा सके और उन्हें संवैधानिक अधिकार दिए जा सकें। आगे खरगे ने लिखा, अगस्त 1994 में तमिलनाडु का आरक्षण कानून अधिनियम हमारे संविधान की नवीं सूची में शामिल किया गया था। इसी तरह सभी राज्यों द्वारा पारित आरक्षण संबंधी अधिनियमों को संविधान की नवीं सूची में शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा जाति जनगणना के जो भी नतीजे आएं, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण पर मनमाने ढंग से लगाई गई 50त्न की अधिकतम सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाया जाना होगा।

आरक्षण अब रेलवे के डिब्बे जैसा बन गया है: सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 6 मई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को देश में आरक्षण व्यवस्था की तुलना रेलवे के डिब्बे से की और कहा कि जो लोग एक बार इसमें दाखिल हो जाते हैं, वे दूसरों को अंदर नहीं आने देना चाहते। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण देने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। वहीं इस मामले में याचिकाकर्ता मंगेश शंकर ससाने की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि महाराष्ट्र सरकार की जयंत कुमार बंथिया आयोग ने बिना यह साबित किए कि ओबीसी वर्ग राजनीतिक रूप से पिछड़ा है, उन्हें 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने वकील से कहा, हमारे देश में आरक्षण का खेल अब रेलवे जैसा हो गया है। जो लोग डिब्बे में चढ़ गए, वे नहीं चाहते कि कोई और चढ़े। यही खेल यहां भी चल रहा है। याचिकाकर्ता भी इसी खेल का हिस्सा है। वकील शंकरनारायणन ने जवाब में कहा कि डिब्बों में पीछे-पीछे और भी डिब्बे जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक पिछड़ापन, सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन से अलग है और ओबीसी वर्ग को अपने आप राजनीतिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा

सकता। उन्होंने कहा, ओबीसी के भीतर भी यह तय किया जाना चाहिए कि कौन राजनीतिक रूप से पिछड़ा है और कौन सामाजिक रूप से, तभी आरक्षण मिलना चाहिए। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब समावेशिता के सिद्धांत का पालन किया जाता है, तो राज्यों को और वर्गों की पहचान करनी ही पड़ेगी। उन्होंने कहा, सामाजिक पिछड़े वर्ग होंगे, राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्ग होंगे और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग भी होंगे। फिर उन्हें लाभ से क्यों वंचित रखा जाए? यह लाभ किसी एक ही परिवार या समूह तक क्यों सीमित रहना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा है और इसे पहले से लंबित मामलों के साथ जोड़ दिया है। इसी बीच, एक अन्य मामले में कोर्ट ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर आदेश दिया कि राज्य चुनाव आयोग चार हफ्ते में चुनाव की अधिसूचना जारी करे। ये चुनाव उसी व्यवस्था के मुताबिक कराए जाएं जो 2022 में बंथिया आयोग की रिपोर्ट से पहले लागू थी। बेंच ने आदेश दिया कि चुनाव आयोग चार महीने के भीतर चुनाव संपन्न करे और जरूरत पड़ने पर समय बढ़ाने के लिए कोर्ट से अनुमति ले सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों का नतीजा सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं के फैसले के अधीन रहेगा। बता दें कि, 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि चुनावी प्रक्रिया में यथास्थिति बनाए रखें।

पाकिस्तान सीमा के पास हवाई अभ्यास करेगी भारतीय वायु सेना

नई दिल्ली, 6 मई। भारतीय वायु सेना कल 7 मई से भारत-पाकिस्तान सीमा पर रेगिस्तानी क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में अभ्यास करेगी। इस अभ्यास में राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 सहित सभी अग्रणी विमान भाग लेंगे। इसको लेकर भारत की ओर नोटम जारी किया गया है। केंद्र के गृह मंत्रालय ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पत्र भेजा। जिसमें कहा गया कि वे 7 मई को मॉक ड्रिल (अभ्यास) करें, ताकि किसी भी दुश्मन देश के हमले की स्थिति में तैयारी पूरी रहे। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को देखते हुए उठाया गया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देश के 244 सिविल डिफेंस जिलों में यह अभ्यास किया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि यह अभ्यास गांव स्तर तक किया जाएगा। इसका उद्देश्य सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सिविल डिफेंस (नागरिक सुरक्षा) व्यवस्था की तैयारी की जांच करना और उसे बेहतर बनाना है। पत्र में यह भी कहा गया है कि इस अभ्यास में जिला अधिकारी, सिविल डिफेंस वॉर्डन और स्वयंसेवक, होम गार्ड (सक्रिय और आरक्षित), एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस के सदस्य और स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

गौरव गोगोई की पत्नी के पाकिस्तानी सेना से अच्छे संबंध: सीएम सरमा

नरेश मल्होत्रा

गुवाहाटी, 6 मई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी सेना के साथ अच्छे संबंध हैं। कोलबर्न ने 19 बार पाकिस्तान यात्रा की थी और पड़ोसी देश में पाकिस्तानी सेना के अधिकारी उनके साथ थे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गोगोई की पत्नी ने पाकिस्तान में काम किया और फिर एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने के लिए दिल्ली आईं, लेकिन उन्हें पाकिस्तान से वेतन मिलता रहा। गोगोई भी व्यक्तिगत रूप से पाकिस्तान गए थे और वहां 15 दिन तक रहे थे। उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न भी गोगोई के साथ गई थीं, लेकिन वह सात दिन बाद वापस लौट आईं, जबकि गोगोई सात दिन और रुके। सीएम ने कहा कि गौरव गोगोई को बताना चाहिए कि उन्होंने 15 दिनों तक पाकिस्तान में क्या किया? क्या उन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उनकी सेना की मदद की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाकिस्तान जाने पर सवाल उठाए जा रहे हैं, लेकिन पीएम वहां आधिकारिक हैसियत से गए थे। अगर गोगोई आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में वहां गए होते, तो हम सवाल नहीं उठाते, लेकिन वह वहां व्यक्तिगत हैसियत से गए थे और हम जानना चाहते हैं कि उस देश में उनका स्वागत किसने किया? सीएम सरमा ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और भारत में उसके सहयोगियों के बीच संबंधों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जांच पूरी कर ली है और हमारे पास सबूत हैं कि वह गोगोई वाघा-अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान गए थे। हालांकि हमें डाटा को प्रमाणित करने के लिए वैधानिक प्रावधानों को पूरा करने की आवश्यकता है और इसके लिए समय की आवश्यकता है। हमने पहले ही प्रक्रिया शुरू कर दी है और 10 सितंबर तक हम इसे पूरा कर लेंगे। एसआईटी आवश्यक स्थानों पर गई थी, लेकिन साक्ष्य एकत्र करने की एक प्रक्रिया होती है। सीएम सरमा ने कहा कि कांग्रेस सांसद ने इस्राइल की यात्रा के दौरान बताया था कि उनका पासपोर्ट खो गया है और इससे डाटा का नुकसान हो गया। पाकिस्तान से लौटने के बाद गोगोई 90 युवाओं को पाकिस्तानी दूतावास भी ले गए थे और उनमें से कई ने बाद में दावा किया कि

उन्हें पहले नहीं बताया गया था कि उन्हें वहां ले जाया जा रहा है। सरमा ने आरोप लगाया कि वे युवाओं को कट्टरपंथी बनाना चाहते थे। सीएम ने कहा कि उनके परिवार में केवल गोगोई ही भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने अपने दो बच्चों की भारतीय नागरिकता छोड़ दी है। जब हमें दस्तावेजी साक्ष्य मिल जाएंगे तो हम उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे और जब मामला केंद्रीय एजेंसी को सौंप दिया जाएगा तो जांच के लिए अधिक गुंजाइश होगी। असम सरकार के पास इस मामले पर सीमित अधिकार है और वह एक निश्चित बिंदु तक ही जांच कर सकती है। सीएम सरमा के आरोपों पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिर्फ राजनीति कर रहे हैं और उनका परिवार को घसीटना गलत है। उन्होंने कहा कि हम बेरोजगारी, स्कूलों में किताबों की कमी और बच्चों की तस्करी जैसे असली मुद्दों पर काम कर रहे हैं। साथ ही गोगोई ने मुख्यमंत्री से यह भी पूछा कि उनकी पत्नी और खुद पर बने एसआईटी (विशेष जांच दल) की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अगर आरोपों में दम है, तो सरकार को जांच की रिपोर्ट जनता के सामने रखनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने जब असम की महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया, तब ध्यान भटकाने के लिए उन्होंने फिर से गोगोई परिवार का मुद्दा उठाया।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले पर ओआईसी के बयान को बताया बेतुका

नसीरउद्दीन

नई दिल्ली, 6 मई। भारत ने मंगलवार को इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) पर जमकर निशाना साधा। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि ओआईसी का बयान, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले में सीमा पार की भूमिका को नकारा गया है, बेतुका और तथ्यहीन है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ओआईसी का यह बयान पाकिस्तान के कहने पर जारी किया गया है और यह बेतुका है। इसमें पहलगाम के आतंकी हमले के पीछे की सच्चाई और सीमा पार की संलिप्तता को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद में शामिल रहा है और अब वह ओआईसी के मंच का इस्तेमाल कर रहा है ताकि वह गुमराह करने वाला और अपने हित में बयान दिलवा सके। भारत ने साफ शब्दों में कहा कि ओआईसी को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। रणधीर जायसवाल ने कहा, हम ओआईसी के इस हस्तक्षेप को पूरी तरह खारिज करते हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा हैं और इस पर बाहरी बयानबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। भारत ने पाकिस्तान पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि आतंकवाद फैलाने वाला देश अब अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सहारा लेकर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बायसरन घाटी में मौजूद घास के मैदान में छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे 26 पर्यटकों की आतंकियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद से पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपना हाथ होने की बात को अस्वीकार कर रहा है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकंप से कांपी धरती, तीव्रता 4.2

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सोमवार शाम भूकंप के झटकों से धरती कांप उठी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, शाम को 4 बजे के करीब आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में स्थित था और इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। झटके पाकिस्तान के कई हिस्सों में महसूस किए गए, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। अफगानिस्तान में भी शाम के समय ही 4.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। दोनों देशों में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और कई स्थानों पर लोग घरों और इमारतों से बाहर निकलकर खुले स्थानों पर आ गए। उल्लेखनीय है कि एक हफ्ते से भी कम समय में इस क्षेत्र में आया भूकम्प का दूसरा झटका है। इससे पहले पिछले सप्ताह बुधवार को पाकिस्तान में और व अफगानिस्तान में भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे। इस लगातार कंपन ने क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी है।

इजराइल ने गाजा पर पूर्ण नियंत्रण की बनाई योजना, सुरक्षा कैबिनेट से मिली मंजूरी

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा पट्टी के पूरे क्षेत्र पर कब्जा करने और वहां अनिश्चितकाल तक मौजूद रहने की योजना को मंजूरी दे दी। दो शीर्ष इजराइली अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय कैबिनेट मंत्रियों की सोमवार सुबह हुई सुरक्षा बैठक में लिया गया, जिसमें सेना प्रमुख द्वारा हजारों रिजर्व सैनिकों को बुलाए जाने की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद यह मंजूरी दी गई। यह योजना इजराइल के युद्ध लक्ष्यों, हमास को पराजित करने और गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने, को हासिल करने के उद्देश्य से बनाई गई है। योजना के तहत लाखों फिलिस्तीनियों को गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थानांतरित किया जाएगा, जो जबरन विस्थापन की श्रेणी में आता है और पहले से ही बिगड़े मानवीय हालात को और गंभीर बना सकता है। एक तीसरे रक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि यह योजना तब तक लागू नहीं होगी जब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस माह के अंत में अपनी मध्य पूर्व यात्रा पूरी नहीं कर लेते। इस दौरान अस्थायी युद्धविराम की संभावना बनी रह सकती है। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने 2005 में गाजा से अपनी सेना वापस बुला ली थी और तब से इजिप्ट के साथ मिलकर इस पर नाकाबंदी लगा रखी है। अब एक बार फिर से गाजा पर कब्जा करने की योजना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा कर सकती है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की सीआईडी से शिकायत

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बारे में कथित रूप से अपमानजनक और झूठी टिप्पणी की शिकायत आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) में दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोपित राष्ट्रीय लॉटरी बोर्ड के पूर्व कार्यकारी निदेशक तुसिथा हालोलुवा के खिलाफ के कार्रवाई की मांग की गई है। डेली मिरर अखबार के अनुसार हालोलुवा पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कार्यकाल में जनसंपर्क महानिदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। शिकायत में कहा गया है कि हालोलुवा ने कथित तौर पर राष्ट्रपति दिसानायके के नाम का उपयोग करते हुए एक सार्वजनिक बयान दिया। इससे राष्ट्रपति की प्रतिष्ठा पर आंच आई। राष्ट्रपति के निर्देश पर अटॉर्नी-एट-लॉ अकालंका उक्काटा ने राष्ट्रपति के वकील उपुल कुमारप्पेरुमा के साथ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में हालोलुवा और बयान को सोशल मीडिया में वायरल करने वालों के खिलाफ तत्काल जांच की मांग की गई है।

पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने आईएसपीआर प्रमुख से सैन्य तैयारियों पर की बंद कमरे में चर्चा

इस्लामाबाद/लाहौर। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले से पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व और सैन्य अफसरों की नींद उड़ी हुई है। सबके सब बंद कमरों में युद्ध तैयारियों की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। शीर्ष नेतृत्व ने सशस्त्र बलों की मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी को तलब कर उनसे बंद कमरे में सैन्य तैयारियों की जानकारी ली। द नेशन अखबार की खबर के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने स्पष्ट किया है कि यदि पाकिस्तान पर कोई आक्रमण किया जाता है तो सशस्त्र बल उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने पहलगाम हमले के संदर्भ में विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार को बंद कमरे में सैन्य तैयारियों पर ब्रीफिंग दी। द नेशन के सूत्रों के अनुसार, बंद कमरे में वर्तमान स्थिति के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर चर्चा की गई। इस सत्र में जेयूआई-एफ के नूर आलम खान, सीनेटर अब्दुल शकूर और बीएपी सीनेटर अब्दुल कादिर, सिंध के मंत्री नासिर हुसैन शाह, शारजील मेमन, सईद गनी और पीएमएल-एन के मोहसिन शाहनवाज रांझा सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश, यूएनसी ने की गुप्त बैठक

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पर एक गुप्त बैठक की, जिसे परिषद के अध्यक्ष इवेंजेलोस सेकेरिस ने उपयोगी बताया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सेकेरिस ने कहा कि सुरक्षा परिषद ऐसी स्थिति में तनाव कम करने में हमेशा मददगार होती है और यह परिषद की जिम्मेदारी है। चूंकि यह एक गुप्त बैठक थी, इसलिए इसके विवरण गोपनीय हैं और कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। बैठक को जानकारी देने वाले सहायक महासचिव मोहम्मद खालिद खैरी ने बाहर निकलते हुए कहा कि सभी तनाव कम करना चाहते हैं। स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'स्थिति अस्थिर है,' और उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। बैठक में शामिल रूस की उप स्थायी प्रतिनिधि अन्ना

इवेस्टिग्नेवा ने कहा, हमें तनाव कम होने की उम्मीद है। बता दें कि सेकेरिस ने पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद के अनुरोध पर बैठक बुलाई। अहमद ने गुप्त बैठक की मांग की थी, क्योंकि परिषद के नियमों के अनुसार गैर-सदस्य देश इसमें भाग नहीं ले सकते। इस गुप्त बैठक में भारत को शामिल होने से रोक दिया गया, क्योंकि यह केवल सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के लिए थी और पाकिस्तान, जो वर्तमान में निर्वाचित सदस्य है, उसी ने इसमें हिस्सा लिया था। बैठक से पहले, महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि स्थिति गंभीर है और दोनों देशों से खतरनाक स्थिति से पीछे हटने की अपील की। उन्होंने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में सैन्य टकराव से बचना जरूरी है, जो आसानी से नियंत्रण से बाहर जा सकता है।पिछले महीने पहलगाम में 26 लोगों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए उन्होंने कहा, ÷मैं इस भयानक आतंकी हमले के बाद लोगों की गहरी भावनाओं को समझता हूं। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने भारत के इस आरोप को सिरे से खारिज किया कि पाकिस्तान का हमले में कोई हाथ था। उन्होंने कहा कि कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है, जहां व्यापक असंतोष है, जो भारत के साथ समस्या की जड़ है, न कि आतंकवाद। साथ ही, उन्होंने भारत के साथ सहयोग की पेशकश भी की। उन्होंने कहा, हम अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण सहयोगात्मक संबंधों के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और हम बातचीत के लिए तैयार हैं।अहमद ने कहा, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, बातचीत और तनाव कम करने तथा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की अपील, जैसा कि हमने आज परिषद के सदस्यों से भी सुना, सबसे प्रासंगिक है।

सैन डिएगो के तट पर नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, नौ लापता

एजेंसी

सैन डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो तट के पास एक छोटी नाव के पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए और नौ अन्य अब भी लापता हैं। घटना की पुष्टि स्थानीय शेरिफ विभाग और अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने की है। शेरिफ विभाग के अनुसार, यह हादसा सोमवार सुबह करीब 6:30 (स्थानीय समयानुसार) बजे टॉरी पाइंस स्टेट बीच के पास हुआ। गश्ती दल को एक पंगा-शैली की नाव के पलटने की सूचना मिली, जिसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया।कोस्ट गार्ड ने बताया कि हादसे के समय नाव पर सवार लोगों की तलाश के लिए व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है। खोज क्षेत्र सान डिएगो शहर से लगभग 24 किलोमीटर उत्तर में है। हेलीकॉप्टर, गश्ती नौकाएं और अन्य बचाव एजेंसियां सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। घायलों को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया

गया है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। शेरिफ विभाग और कोस्ट गार्ड ने अभी तक पीड़ितों की राष्ट्रीयता या पहचान उजागर नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि लापता लोगों की तलाश जारी है और दुर्घटना की जांच भी शुरू कर दी गई है। तटीय सुरक्षा एजेंसियों ने स्थानीय नागरिकों से समुद्र किनारे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत देने की अपील की है।

न्यूजीलैंड में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन की उठी मांग, सांसद कैथरीन वेड ने रखा प्रस्ताव

एजेंसी

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड की सांसद कैथरीन वेड ने एक कानून का प्रस्ताव रखा है, ये 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया इस्तेमाल करने से रोकेगा। यह प्रस्ताव ऑस्ट्रेलिया के सख्त डिजिटल प्लेटफॉर्म नियमों का अनुसरण करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, न्यूजीलैंड नेशनल पार्टी की सांसद कैथरीन वेड ने सदस्य विधेयक पेश किया है, जिसके तहत सोशल मीडिया कंपनियों पर उपयोगकर्ताओं की उम्र सत्यापित करने और नाबालिगों को अकाउंट बनाने से रोकने की जिम्मेदारी होगी। रेडियो न्यूजीलैंड के अनुसार, नियम न मानने वाली कंपनियों पर जुर्माना लग सकता है और उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता कम से कम 16 साल के हों। वेड ने कहा, मेरा सोशल मीडिया आयु-उपयुक्त उपयोगकर्ता बिल 16 साल से कम उम्र के बच्चों को साइबर बुलिंग, अनुचित सामग्री और सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए है। इस विधेयक का समर्थन प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने किया है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड का प्रस्तावित कानून ऑस्ट्रेलिया में लागू कानून पर आधारित है। अगर यह पास होता है, तो कुछ प्लेटफॉर्म्स को आयु-प्रतिबंधित घोषित किया जा सकेगा

वे इसे सरकारी बिल के रूप में अपनाने के लिए तैयार हैं, यह एक ऐसा कदम है जो संसद के माध्यम से इसकी प्रगति को तेज करेगा। लक्सन ने कहा, ÷यह राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि न्यूजीलैंड का मुद्दा है और वे सभी दलों का समर्थन चाहते हैं। और कानून लागू होने के तीन साल बाद इसके प्रभाव की समीक्षा होगी। ऑस्ट्रेलिया का 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध बिल दुनिया में पहला है, जिसे नवंबर 2024 में सीनेट में पास किया था।

हवाई यातायात नियंत्रकों के छुट्टी पर जाने से नेवार्क एयरपोर्ट पर उड़ानों पर संकट

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क महानगर के तीन प्रमुख हवाई अड्डों में शुमार नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अभूतपूर्व संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवाई यातायात नियंत्रकों के आकस्मिक छुट्टी पर चले जाने से उड़ानों पर संकट मंडराने लगा है। न्यूज वेबसाइट न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, नेवार्क एयरपोर्ट की अव्यवस्था को हवाई यातायात नियंत्रकों ने और बदतर बना दिया। वह अपनी विफलता को स्वीकार करने के बजाय आपातकालीन छुट्टी पर चले गए हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन ने माना है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अव्यवस्था इस वजह से और चौपट हो गई है। सीएनएन के अनुसार, कम से कम पांच हवाई यातायात नियंत्रकों ने संघीय कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के तहत अवकाश लिया है। यह कानून संघीय कर्मचारियों को कामकाज के दौरान मानसिक अवसाद होने पर अवकाश लेने के लिए बनाया गया था। इस नियम के तहत छुट्टी लेने पर वेतन कटौती भी नहीं होती। संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा, उपकरण और दूरसंचार में बार-बार व्यवधान नियंत्रकों के लिए तनावपूर्ण हो सकता है। फिलाडेल्फिया ट्राकॉन नेटवर्क के कुछ नियंत्रक नेवार्क में आगमन और प्रस्थान पर काम करते हैं। यह हाल ही में हुई रुकावटों के तनाव से उबरने के लिए अवकाश पर गए हैं। नेवार्क एयरपोर्ट में कर्मचारियों की कमी के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाल के दिनों में न्यू जर्सी ट्रांजिट हब पर विमानों के देरी और उड़ानों को रद्द करने की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यूनाइटेड एयरलाइंस के सीईओ पहले ही एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को आउटेज के बाद नौकरी छोड़ने के लिए फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नेवार्क में उड़ानों की देखरेख करने वाले 20 प्रतिशत कर्मचारियों ने उपकरणों की विफलता के कारण छुट्टी ले ली थी। पिछले सप्ताह रडार और संचार में 90 सेकंड की रुकावट के लिए जले हुए तांबे के तार को जिम्मेदार ठहराया गया है।

उल्लेखनीय है कि नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हर दिन 24 घंटे खुला रहता है। यह एयरपोर्ट मैनहट्टन में टाइम्स स्क्वायर से लगभग 15 मील (24 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में थ्री ब्रूस्टर रोड, नेवार्क, न्यू जर्सी 07114 पर स्थित है। यह अमेरिका का सबसे पुराना एयरपोर्ट है। यह देश के पहले वाणिज्यिक एयरलाइन टर्मिनल का केंद्र है। 2022 में इस एयरपोर्ट से 43.4 मिलियन यात्री जुड़े। इस वजह से यह देश का 13वां सबसे व्यस्त और दुनिया का 23वां सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बना।

ट्रंप प्रशासन अपनी मर्जी से अमेरिका छोड़ने वाले 'अवैध अप्रवासियों' को देगी 1,000 डॉलर का 'स्टाइपेंड'

एजेंसी

वाशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की है कि स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने वाले अवैध प्रवासियों को 1,000 डॉलर और उनके यात्रा व्यय का भुगतान करेगा। ऐसा इसलिए ताकि सामूहिक निर्वासन को बढ़ावा दिया जा सके। होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने एक बयान के जरिए इसकी जानकारी दी। कहा, ÷डीएचएस ने अवैध विदेशियों के लिए सीबीपी (सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा) होम ऐप के माध्यम से अपने देश वापस यात्रा करने के लिए वित्तीय और यात्रा सहायता प्राप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान करने का ऐलान किया है। कोई भी अवैध विदेशी जो स्व-निर्वासन के लिए सीबीपी होम ऐप का उपयोग करता है, उसे 1,000 डॉलर का स्टाइपेंड (वजीफा) भी मिलेगा, जिसका भुगतान उनके स्वदेश लौटने

की पुष्टि (ऐप के जरिए) होने के बाद किया जाएगा। समाचार एजेंसी ने विभाग के हवाले से बताया कि 'स्टाइपेंड' की लागत के बावजूद, यह अनुमान लगाया गया है कि ऐप का उपयोग करके स्व-निर्वासन से निर्वासन की लागत में लगभग 70 प्रतिशत की कमी आएगी। वर्तमान में एक अवैध विदेशी को गिरफ्तार करने, हिरासत में लेने और निकालने की औसत लागत 17,121 डॉलर है। होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा, यदि आप अवैध रूप से यहां हैं, तो स्व-निर्वासन गिरफ्तारी से बचने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ने का सबसे अच्छा, सबसे सुरक्षित और सबसे किफायती तरीका है। मिशिगन में हाल ही में एक रैली में भाषण देते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के पहले 100 दिन इतिहास में किसी भी अमेरिकी प्रशासन के सबसे सफल दिन थे। ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों के निर्वासन में वृद्धि जैसी नीतियों को अपनी प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया था। ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन द्वारा प्रकाशित एक हालिया विश्लेषण के अनुसार, एक क्षेत्र जहां प्रशासन अपने प्रवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने में विफल होता दिख रहा है, वह निर्वासन की संख्या है। विश्लेषण में कहा गया है, निर्वासन की संख्या मामूली बनी हुई है, लेकिन इसके भयावह प्रभाव संभावित रूप से गंभीर हैं।

वेटिकन में हलचल तेज, नए पोप के चयन की प्रक्रिया आज से

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चयन के लिए यहां हलचल बढ़ गई है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया कल शुरू होगी। इस कान्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए 132 कार्डिनल इलेक्टर्स सहित 170 कार्डिनल्स पहुंच चुके हैं। दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से इस बार ऐतिहासिक होगा। वेटिकन न्यूज के अनुसार, नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। हालांकि ऐसा कोई बाध्यता नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता अथवा क्षेत्र के लिहाज से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं। इनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के से मतदान में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 मत की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं। इसके बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं। वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के 53 कार्डिनल हैं और एक के बीमार होने से मतदान में 52 हिस्सा लेंगे। इसके बाद एशिया से 23, अफ्रीका के 18 में एक की खराब तबीयत के बाद 17, दक्षिण अमेरिका के 17, उत्तरी अमेरिका के 16, मध्य अमेरिका के चार और ओसियनिया के चार कार्डिनल हैं। इस चुनाव की खासियत यह है कि वह गुप्त होगा। कान्क्लेव से पूर्व कार्डिनल के सहायक कर्मचारियों ने पौलीन चैपल में गोपनीयता की शपथ ली है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के डग मिल्स की फोटो को पुलित्जर पुरस्कार

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय ने पुलित्जर पुरस्कार विजेताओं की घोषणा कर दी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की झोली में चार पुरस्कार आए । इनमें डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की तस्वीरें भी शामिल हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूडान के गृहयुद्ध, अफगानिस्तान में अमेरिकी विफलताओं और शहर के घातक ओपियोइड संकट की बाल्टीमोर बैनर के साथ जांच पर रिपोर्टिंग के लिए भी पुरस्कार जीता। प्रोपब्लिका को सार्वजनिक सेवा पुरस्कार दिया गया। पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता के लिए 15 और कला क्षेत्र में आठ श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। पुरस्कार विजेता को प्रमाण पत्र और 15,000 डॉलर की राशि प्रदान की जाती है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने घातक ओपियोइड संकट की जांच के लिए गैर-लाभकारी समाचार आउटलेट द बाल्टीमोर बैनर के साथ मिलकर भी पुरस्कार जीता। द न्यू यॉर्कर ने कमेंट्री और फीचर फोटोग्राफी के साथ-साथ अपने खोजी पॉडकास्ट इन द डार्क के लिए तीन पुरस्कार जीते। प्रोपब्लिका ने देश भर में राज्य गर्भपात प्रतिबंधों के प्रभाव की कवरेज के लिए सार्वजनिक सेवा के लिए पुरस्कार जीता। इसे पुलित्जर में सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है। रिपोर्टर कविता सुराना, लिजी प्रेसर, कैसंड्रा जारामिलो और

फोटोग्राफर स्टेसी क्रैनिट्ज ने मृत्यु प्रमाणपत्रों और अस्पताल के रिकॉर्ड का उपयोग करके यह पता लगाया कि कैसे प्रतिबंधों ने माताओं की रोकी जा सकने वाली मौतों को सीधे तौर पर जन्म दिया। द वाशिंगटन पोस्ट के कर्मचारियों ने जुलाई में बटलर, पेनसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली में उनकी हत्या के प्रयास की कवरेज के लिए ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग का पुरस्कार जीता। वाशिंगटन पोस्ट की एन टेलनेस को सचित्र रिपोर्टिंग और टिप्पणी के लिए पुरस्कार दिया गया। कार्टूनिस्ट टेलनेस ने जनवरी में इस्तीफा दे दिया था। रॉयटर्स को फेंटेनल एक्सप्रेस के लिए खोजी रिपोर्टिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक श्रृंखला अमेरिका के ओपियोइड संकट के पीछे नशीली दवाओं के व्यापार की जांच करती है। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क की कवरेज के लिए द वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकारों को राष्ट्रीय रिपोर्टिंग पुरस्कार मिला। कवरेज ने रूढ़िवादी राजनीति में मस्क के प्रभाव, अवैध दवाओं के उपयोग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के बारे में विवरण प्रकट किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के आजम अहमद, क्रिस्टीना गोल्डबाम और मैथ्यू ऐकिंस ने अफगानिस्तान में युद्ध के परिणामों की जांच के लिए रिपोर्टिंग पुरस्कार जीता। डेक्लेन वाल्श और द न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों ने सूडान में चल रहे गृहयुद्ध की कवरेज के लिए अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुरस्कार जीता।

इजराइल की वायुसेना का यमन एवं लेबनान में हमला, हूती और हिजबुल्लाह की तोड़ी कमर

एजेंसी

साना (यमन)/बेरूत (लेबनान)। इजराइल ने अपने हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले का तगड़ा जवाब दिया है। इजराइल की वायुसेना ने यमन के होदेदा शहर पर हवाई हमले किए। इसके अलावा लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के सैन्य हथियार उत्पादन और भंडारण सुविधा केंद्र पर हमला किया।इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर यह जानकारी दी। आईडीएफ के अनुसार, इजराइल की वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने यमन के तट पर हूती आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह हमला हूती के हमलों के जवाब में किया गया। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने हुदैदाह बंदरगाह को निशाना बनाया। हूती इसका

इस्तेमाल सैन्य रणनीति के रूप में काम करता है। यहां से ईरानी हथियार प्राप्त होते हैं। आईडीएफ के अनुसार, इसके अलावा अल-हुदैदाह शहर के पूर्व में स्थित बाजिल कंक्रीट प्लांट पर भी हमला किया गया। यहां से हूती को भूमिगत सुरंगों का जाल बिछाने में मदद मिलती है। आईडीएफ के अनुसार, इससे पहले लेबनान के बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के हथियार उत्पादन और भंडारण सुविधा के भीतर सटीक हमला किया गया इसके अतिरिक्त श्रीफा के क्षेत्र में उसके बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया गया।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर ब्रिटेन ने भारतीय योगदान को किया याद

लंदन। ब्रिटेन में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ विक्ट्री इन यूरोप (वीई) डे के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर किंग चार्ल्स तृतीय के नेतृत्व में आयोजित समारोहों में ब्रिटिश भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों के अमूल्य योगदान को विशेष रूप से याद किया गया। यह समारोह 08 मई तक जारी रहेगा,

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय ब्रह्मचारी के जेल से रिहा होने की राह पर बड़ा रोड़ा, अब वकील हत्याकांड में की गई गिरफ्तारी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादश के प्रतिष्ठित हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी के जेल से रिहा होने की राह पर पुलिस ने बड़ा रोड़ा अटका दिया है। देश की एक अदालत ने राजद्रोह के आरोप में 26 नवंबर, 2024 से जेल में बंद ब्रह्मचारी को एक वकील की हत्या के आरोप में आज गिरफ्तार करने की अनुमति प्रदान कर दी। द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, एडवोकेट सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या पिछले साल सात नवंबर को अदालत परिसर के बाहर की गई थी। अतिरिक्त उपायुक्त (अभियोजन) माफिजुद्दीन ने बताया कि चटगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एसएम अलाउद्दीन ने इस केस जांच अधिकारी के आवेदन को मंजूर करते हुए चिन्मय ब्रह्मचारी को गिरफ्तार करने को मंजूरी दी। सुरक्षा कारणों से पुलिस के आवेदन पर अदालत ने सुबह लगभग 9ः30 बजे वर्चुअली सुनवाई की। सहायक लोक अभियोजक एडवोकेट रेहानुल वाजेद चौधरी ने कहा कि वकील अलिफ हत्याकांड की जांच में चिन्मय का नाम सामने आया है। चिन्मय फिलहाल एक राजनीतिक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर कोतवाली पुलिस

स्टेशन में दर्ज राजद्रोह के मामले में जेल में हैं। इस केस में 26 नवंबर को चटगांव की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया था। आदेश के बाद, उनके समर्थकों ने पुलिस जेल वैन को रोककर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इससे अदालत परिसर में हिंसक झड़प हुई। इस अशांति के दौरान चिन्मय के समर्थकों, पुलिस और वकीलों के बीच हुए त्रिकोणीय संघर्ष में अधिवक्ता अलिफ की जान चली गई। वकील हत्याकांड में पुलिस ने तीन मामले दर्ज किए। इनमें 79 व्यक्तियों को नामजद और लगभग 1,400 अज्ञात लोगों को आरोपित बनाया गया। इसके अलावा वकील अलिफ के पिता ने 31 व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया, जबकि उनके भाई खान-ए-आलम ने 70 वकीलों सहित 115 आरोपितों के खिलाफ तोड़फोड़ का मामला दर्ज कराते हुए कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक और मामला दर्ज कराया। एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद उल्लाह चौधरी ने अदालत भवन के बाहर झड़पों के दौरान 69 व्यक्तियों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए एक अलग मामला दर्ज कराया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आज तक, पुलिस ने इन मामलों के संबंध में 40 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी के असल नाम चंदन कुमार धर है। वह इस्कॉन से भी जुड़े रहे हैं। बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता के रूप में उन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली। चटगांव के छठे मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एसएम अलाउद्दीन ने वर्चुअल सुनवाई के दौरान पुलिस की वकील हत्याकांड में उन्हें गिरफ्तार करने की अर्जी मंजूर की। पुलिस ने रविवार को चार आवेदन प्रस्तुत कर उन्हें गिरफ्तार करने की अनुमति मांगी थी। पुलिस के तीन आवेदनों पर अदालत मंगलवार को वर्चुअली सुनवाई कर सकती है। चिनम्य ब्रह्मचारी के वकील उनकी जमानत के लिए निचली अदालत से लेकर हाई कोर्ट तक का दरवाजा खटखटा चुके हैं। पिछले दिनों जमानत मंजूर होने की भी खबर आई थी। ब्रह्मचारी की ताजा गिरफ्तारी से फिलहाल उनके जेल से रिहा होने की संभावना कम हो गई है।

विदेश राज्यमंत्री पबित्रा 08-12 मई तक न्यूजीलैंड और फिजी के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा 8 से 12 मई तक न्यूजीलैंड और फिजी का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय ने आज यह जानकारी दी। कार्यक्रम के अनुसार, न्यूजीलैंड में पबित्रा मार्गेरिटा 08 और 09 मई को राजनीतिक नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इन बैठकों में व्यापारिक समुदाय के प्रमुख नेताओं और ऑकलैंड में भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ संवाद भी शामिल होगा। यह बातचीत भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को और गहरा करने में सहायक होगी। फिजी में वह तीसरे गिरमिट दिवस (भारतीय आगमन दिवस) समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। यह समारोह भारतीय संस्कृति और धरोहर का प्रतीक है। इसके अलावा वह फिजी के राजनीतिक नेताओं के साथ भी बैठकें करेंगे। यह फिजी के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर और जापान की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर नुकागा के बीच अहम चर्चा

नई दिल्ली। जापान की प्रतिनिधि सभा के स्पीकर फुकुशिरो नुकागा अपने संसदीय सहयोगियों और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भारत-जापान

संबंधों को और मजबूत बनाने के एजेंडे पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में बताया कि भेंट के दौरान भारत में हुए पहलगाम आतंकी हमले पर उन्होंने एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। भारत ने उनके इस संवेदनशीलता भरे रुख के लिए धन्यवाद प्रकट किया। दोनों पक्षों ने भारत और जापान के बीच स्वभाविक सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। विशेष रूप से प्रतिभा विनिमय बढ़ाने, व्यापारिक संपर्क सुदृढ़ करने और तकनीकी साझेदारी के क्षेत्रों में सहयोग को गति देने पर सहमति बनी। नुकागा की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए विदेश मंत्री ने आशा जताई कि यह साझेदारी दोनों देशों के भविष्य को और उज्ज्वल बनाएगी।

एलओसी पर तनाव के बीच रक्षा सचिव ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री पूरे मामले पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक भी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि रक्षा सचिव ने हुई इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री को ताजा हालात और सैन्य तैयारियों की जानकारी दी। वहीं, ही नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री से मुलाकात की। इससे पहले रविवार को भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को मौजूदा स्थिति और एयरफोर्स की तैयारियों से अवगत कराया। यह मुलाकात करीब 40 मिनट तक चली। वहीं, शनिवार को नौसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इस बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान जापानी रक्षा मंत्री ने भारत को अपना समर्थन दिया।

दिल्ली के महापौर ने मयूर विहार में वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मयूर विहार फेज एक में वरिष्ठ नागरिकों के मनोरंजन केंद्र का शिलान्यास किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, वीरेंद्र सचदेवा, केंद्रीय मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली सांसद हर्ष मल्होत्रा, शाहदरा दक्षिणी जोन अध्यक्ष संदीप कपूर उपस्थित थे।

मुर्शिदाबाद दंगा पीड़ित महिलाओं ने राष्ट्रीय महिला आयोग से लगाई मदद की गुहार

आयोग ने किया अधिकारियों को तलब

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगों के पीड़ितों ने राष्ट्रीय महिला आयोग से न्याय की गुहार लगाई है। दंगों में मारे गए हरगोविंदो दास और चंदन दास की पत्नी ने एक दर्दनाक घटना को बताते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर को पत्र लिखा। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर घटना पर तत्काल रिपोर्ट मांगी है। साथ ही इस मामले में पुलिस की भूमिका के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने शिकायत में नामित संबंधित अधिकारियों को 9 मई 2025 को सुबह 11:00 बजे व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित होने के लिए भी तलब किया है। आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पत्र में पीड़ितों ने राज्य सरकार द्वारा किए गए अत्याचार का विवरण दिया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि राज्य की पुलिस ने उन्हें न्याय देने के बजाय उन्हीं का उत्पीड़न किया। उन्हें सुरक्षा देने के बजाय, एक राजनीतिक कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धमकियां और जबरदस्ती की गई। पत्र में एक भयावह घटना का जिक्र किया गया है, जिसमें कोलकाता में उनके अस्थायी आश्रय पर पुरुष पुलिस अधिकारियों के एक बड़े दल ने हमला किया था, जिन्होंने कथित तौर पर दरवाजे तोड़ दिए, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और उन्हें हिरासत में लेने का प्रयास किया। राज्य की पुलिस ने बिना किसी कानूनी दस्तावेज के, बिना महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के और उनकी गरिमा की परवाह किए बिना उन्हें परेशान किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों की अपनी यात्रा के दौरान इन महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वे दंगा पीड़ित बहादुर महिलाओं के साथ मजबूती से खड़ा है, जिन्होंने नुकसान के बावजूद भी न्याय के लिए आवाज उठाई। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि उनकी आवाज़ सुनी जाए, उनकी सुरक्षा की गारंटी दी जाए और न्याय से वंचित न किया जाए।

डीआरडीओ और नौसेना ने एमआईजीएम का किया सफल परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने संयुक्त रूप से स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित की गई मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम) का सीमित विस्फोटक के साथ सफलतापूर्वक युद्ध अभ्यास परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली भारतीय नौसेना की जलपोत-रोधी युद्ध क्षमता को और अधिक मजबूत बनाएगी। उल्लेखनीय है कि मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (एमआईजीएम) को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) ने भारतीय नौसेना के लिए आधुनिक स्टेल्थ युद्धपोतों के विरुद्ध बढ़त दिलाने के उद्देश्य से डिजाइन और विकसित किया है। एमआईजीएम युद्धपोतों, तैरते प्लेटफार्म (सीओओपी) और

पनडुब्बियों से तैनात की जा सकती है। इसमें एफआरपी कंपोजिट, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, उच्च घनत्व ऊर्जा स्रोत, सॉफ्टवेयर और सेंसर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। एमआईजीएम दो संस्करणों–प्रशिक्षण और युद्ध–में उपलब्ध है और यह केवल नियंत्रित तथा स्वायत्त दोनों मोड में कार्य करती है।

केंद्र सरकार की नोटिस के बाद सोथबी ने पिपरहवा स्तूप के अवशेषों की नीलामी को रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की नोटिस के बाद हांगकांग में होने वाली कपिलवस्तु पिपरहवा के बुद्ध कालीन पुरावशेषों की नीलामी को सोथबी ने रोकने का भरोसा दिया है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने सोथबी हांगकांग और क्रिस पेप्पे, विलियम क्लैक्सटन पेप्पे के उत्तराधिकारियों को एक कानूनी नोटिस जारी किया जिसमें ऐतिहासिक बुद्ध के पिपराहवा रत्न, मौर्य साम्राज्य, अशोक युग, लगभग 240-200 ईसा पूर्व शीर्षक वाली नीलामी को तत्काल रोकने की मांग की गई है, जो 7 मई 2025 के लिए निर्धारित थी। संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि नोटिस के जवाब में नीलामी करने वाली संस्था ने आश्वासन दिया है कि वह सात मई को हांगकांग में पिपरहवा स्तूप के अवशेषों की बिक्री को लेकर चिंताओं का समाधान करेगा। उल्लेखनीय है कि यह अवशेष औपनिवेशिक काल में भारत से बाहर ले जाया गया था। इन अवशेषों को पिपरहवा रत्न के नाम से जाना जाता 1898 में अंग्रेज अफसर विलियम क्लैक्सटन पेपे द्वारा कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश) में खोदाई के दौरान अन्य कलाकृतियों के 331 पवित्र रत्न प्राप्त हुए थे, उन्हें है, और वे भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात उनके धातु अवशेषों का वह भाग हैं, जिन्हें शाक्य वंशजों ने कपिलवस्तु में संरक्षित किया था।

डीएसटी की व्यापक समीक्षा बैठक, स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए डीप टेक पर दिया गया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की व्यापक समीक्षा बैठक की। मंत्रालय में आयोजित इस बैठक में विज्ञान-संचालित विकास में साहसिक नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसके साथ एआई-आधारित नवाचार, डीप टेक स्टार्टअप और उन्नत बुनियादी ढांचे की साझेदारी पर भी विचार विमर्श किया गया। नवगठित अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) की उभरती भूमिका के साथ-साथ भू-स्थानिक पहल, राष्ट्रीय मिशनों पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने एएनआरएफ के नवनियुक्त सीईओ प्रोफेसर अभय करंदीकर, डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में समीक्षा के बाद डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि डीप टेक का उद्देश्य नवाचार को व्यावसायिक प्रौद्योगिकियों में बदलने पर जोर दिया। उन्होंने उद्योग

और अनुसंधान में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देकर डीप टेक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण एएनआरएफ से अकादमिक शोध - जैसे प्रकाशन और पेटेंट - जगत के साथ साझेदारी और उद्यम-निर्माता मॉडल के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि खोजें प्रयोगशालाओं तक ही सीमित न रहें।

सार्वजनिक सूचना

मैं, वंदना वर्मा, पुत्री स्वर्गीय सत्यपाल बब्बर एवं पत्नी स्वर्गीय मनीष, निवासी 12/1878, गली अहिरान, मलका गंज, दिल्ली – 110007, यह घोषणा करती हूँ कि मेरी माता को उनके जीवनकाल में स्वर्गीय संतोष कुमारी तथा संतोष बब्बर के नाम से जाना जाता था, जो अब स्वर्गवासी हो चुकी हैं। इसी प्रकार, मेरे पिता को उनके जीवनकाल में स्वर्गीय सत्यपाल बब्बर, सतपाल बब्बर तथा सत्य पाल के नाम से जाना जाता था, जो अब स्वर्गवासी हो चुके हैं। उपरोक्त सभी नाम मेरी माता एवं पिता के ही हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice to public at large that my client Sh. Gopal S/o Sh. Kanha Ram Rio H.No. 95, Prayog Vihar, Hari Nagar, New Delhi and his family members ie, his sons namely Rahul and Akash and their wives have severed their relations with daughter/sister/sister in law namely Sadhna and debarred her from all their movable/immovable properties. If anybody deals with her which is at his-ther/their own risk & responsibility.

AMIT GABA ADVOCATE
Ch.No. T-7, Tis Hazari Courts, Delhi

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान रामनरेश एवं उनकी पत्नी रेखा दोनों निवासी मकान नम्बर 497, जालम मोहल्ला, तुगलकाबाद गाँव, जैतपुर नई दिल्ली–110044 ने अपने पुत्र आकाश (उम 22 वर्ष) को उसके गलत आचरण, दुर्व्यवहार करने और नियंत्रण से बाहर होने कारण अपने सभी पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद करते हुए उसे अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उसके किसी भी अच्छे बुरे कार्यों और लेन–देन के लिए मेरे मुवक्किलान और उसके अन्य परिवार (जैसे गौरव–भाई, जुली–भाभी एवं अन्य सदस्य) वालों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अगर कोई व्यक्ति इनसे किसी भी प्रकार का लेन देन आदि करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा

Gaurav Sharma Advocate

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **पवन, पुत्रः रमेश, निवासीः ग्राम बगराह मुस्तफाबाद, लोनी देहात, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.00215/2019 U/S 379/411 IPC** के तहत एक मामला **थाना शाहदरा, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **पवन** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **पवन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.00215/2019 U/S 379/411 IPC, थाना शाहदरा, दिल्ली** के अभियुक्त **पवन** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **19.07.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार सुश्री स्वाति शर्मा
एल.डी. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
कमरा नंबर 59, तीसरी मंजिल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/5520/SHD/2025
(अदालती मामला)

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Smt. Manju** is the owner of Land area measuring 15 Marla 04 Sarsai out of Khewat/Khata No. 253/261, Khasra No. 290 (0-18) Situated at Waka Nurgad Tehsil- Pataudi Distt- Gurugram Haryana through Transfer Deed in Blood relation Dated 03.02.2021 as doc. No. 1390 executed by Sh. Kushal Pal in favour of Smt. Manju in respect od said property.
The above-said owner has misplaced the **Original** Transfer Deed in Blood relation dated 04.06.2020 as Doc No. 138 executed by Sh. Dharam Chand in favour of Sh. Kushal Pal in respect the Land area measuring 03 Marla 8 Sarsai Out of Khewat/Khata No. 224/1, 233/1, Khasra No. 290 (0-18) Out of 18 Marla. Application No.- **132270812101398,** registered at P.S. Pataudi, Gurgaon, Delhi on 15.12.2021. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of **Tata Capital Ltd., F12 1st Floor| Dasmesh Niwas| Preet Vihar Vikas Marg| New Delhi| 110092.**
Smt. Manju is in the process of mortgaging the said property with **Tata Capital Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Pinki D/O: Deepak Kumar, R/O A-1/24 Sharma colony ,budh vihar, phase-2, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi-110086,declare that name of my mother has been wrongly written as Vimla Devi in my 10th class educational document .The actual name of my mother is Gudia. which may be amended accordingly .

NAME CHANGE

I, SHAHLA W/O TANZEEL AHMED residing at A-9/71-C DDA FLAT INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SHAHLA ANSARI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Kaushal Arora S/O Ashok Arora R/O A-7/208-209, Sector-17 Rohini, Rohini Sector-15,Delhi-110089, have changed the name of my Minor Son Paavan Arora alias Sohaan Arora aged 15 Years and he shall hereafter be known as Paavan Arora.

NAME CHANGE

I, NILAM DEVI Wife of JC-472569L Rank-SUB Name-BHANU PRATAP SINGH residing at VPO-KALU-ATILPUR, TEHSIL-ALIGANJ, DIST-ETAH, UTTAR PRADESH-207250, have changed my name from NILAM DEVI to NEELAM DEVI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 07/07/1981 instead of my correct date of birth as 06/01/1982 vide Affidavit dated 06/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA DEVI W/O RAMESHWAR RAO R/O H.NO-16/1, HARI NAGAR, GURUGRAM, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO ANITA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

It is for general information that I, PARUL D/o NAND RAM, R/o T 12B, Railway Colony, Sarai Rohilla, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi – 110005 declare that name of my father has been wrongly written as PRAKASH CHAND in my 10th and 12th Class Educational Documents . The actual name of my Father is NAND RAM, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SURAJ S/o RADHEY SHYAM residing at Khasra No. 273 / 228/ 173 , Ground Floor, Gali No. -5, Village Wazirabad Extn., Delhi, Jagatpur, ilaqa, North Delhi, Delhi -110084 have changed the name of my minor Son MOKASH BHOAT aged 11years and he shall hereafter be known as MOKSH BHOAT.

NAME CHANGE

I, KEHENA MONDAL Mother of No. 17040014F Rank-CFN Name-TARIF AHAMED MONDAL residing at VILL-JANAKI NAGAR, POST-PLASSEY SUGARMILL, TESHIL-KRISHNAGAR, WEST BENGAL-741157, have changed my name from KEHENA MONDAL to REHENA MONDAL for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/04/1974 instead of my correct date of birth as 02/05/1974 vide Affidavit dated 06/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MANPREET SINGH DHANJAL S/O AVNINDER SINGH DHANJAL R/O 184,3RD FLOOR,BLOCK AG,SHALIMAR BAGH NEW DELHI-110088, HAVE CHANGED MY NAME TO MANPREET SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, Ashima Verma W/o Smarth Kakkar R/o 1003 10th Floor, Tower-C6 Cleo County, Sector-121 Noida, Gautam Buddh Nagar Uttar Pradesh 201301 have changed my name to Ashima Mehta for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as VIJAY SINGH S/O MAHENDRA SINGH R/O H.NO-C-2/221, STREET NO-3, 2nd PUSTA, SONIA VIHAR, SABA PUR DELHI, NORTH EAST DELHI-110094 have changed my name and shall hereafter be known as CHANDRAPAL SINGH.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Nikhil Giri S/O Akshay Lal,R/O WZ-120 ?. NARAINA VILLAGE, PO:, DIST:South West Delhi, Delhi-110028,declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Akshay and Sangeetadevi in my 10thclasseducationaldocument.The actual name of my father and my mother are AKSHAY LAL AND SANGEETA.which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, JC-472569L Rank-SUB Name-BHANU PRATAP SINGH residing at VPO-KALUATILPUR, TEHSIL-ALIGANJ, DIST-ETAH, UTTAR PRADESH-207250, have changed my minor daughter's name from KUMARI NAINSI to NAINSI for all future purposes vide Affidavit dated 06/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA RAWAT W/O RAJNISH SINGH residing at H NO-370, G F ASHOKA ENCLAVE, SECTOR-35, PART-3, FARIDABAD, HARYANA-121003. have change my name to PRIYANKA for all future purpose

NAME CHANGE

I, JC-332266Y Rank-SUBEDAR MAJOR Name-RAKESH KUMAR SHARMA R/o VILL-GANGAURA, PO-FATEHABAD, TEHSIL-FATEHABAD, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283111, have changed my mother's name from OIMWATTI DEVI to OMVATI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/01/1949 instead of her correct date of birth as 01/01/1952 vide Affidavit dated 06/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SIDDARTH GOUR S/o SURESH CHANDRA SHARMA, R/o 630, UPPER GROUND FLOOR, STREET NO-7, GURU RAM DAS NAGAR, NEAR BY SHIV DAIRY, LAXMI NAGAR, DELHI-110092, have changed the name of my minor son TARUSH GOUR aged 14 years and he shall hereafter be known as TAARUSH GAUR.

NAME CHANGE

I, SADHANA SHARMA spouse of No.GO-005031K Rank-AEE (E&M) , Name- JAI NARAYAN KAUSHIK UNIT- HQ DGBR SEEMA SADAK BHAWAN, RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, R/o 57, SECTOR-3, RADHA CITY, GOVERDHAN ROAD SADOLA, SATOHA ASGARPUR, MATHURA, UTTAR PRADESH-281004 have changed my name from SADHANA SHARMA to SADHANA KAUSHIK for all future purposes. Vide affidavit dated 06.05.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, M ASAD ANSARI S/O ATAUR REHMAN residing at 313/103-C AND 313/103-D FIRST FLOOR PLOT NO-17 GALI NO-17 TULSI NAGAR INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD ASAD ANSARI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as Shatrupa Soni alias Shatrupa Udayraj Soni D/O Udayraj Bhishendas Soni R/O Permanent Address-Shri Prayagdham, Uruli Kanchan, PO: Urulikanchan, DIST: Pune, Maharashtra - 412202, Present address-Hno -241,Pocket -2,Sector-23 Rohini Delhi110085,have changed my name and shall hereafter be known as SHATRUPA UDAYRAJ SONI.

NAME CHANGE

BE IT KNOWN THAT MY CLIENTS MR. RAJESH S/O MOTI RAM, AGED ABOUT 45 YEARS&REENA W/0 RAJESH BOTHR/O VILLAGE BHAWA BAJAR POST BHAWA BAZAR DISTRICT BAREILY UTTAR PRADESH-262406 HAS DEBARRED AND DISOWNED THEIR DAUGHTER SAMMEDNA FROM THEIR ALL MOVABLE PROPERTIES AND ONE IMMOVABLE SELF ACQUIRED PROPERTY DUE TO HER ILL-BEHAVIOUR/DISOBEDIANCE TOWARDS MY CLIENTSS. MY CLIENTS HAS NO CONNECTION IN ANY MANNER WITH THEIR DAUGHTER NAMELY SAMMEDNA. IF ANYBODY DEALS WITH MY DISOWNED LEGAL HEIR, HE/SHE WILL DO SO WITH HIS/HER OWN RISK, COST AND RESPONSIBILITY. MY CLIENT SHALL NOT RESPONSIBLE IN ANY MANNER FOR THEIR ACTS AND DEEDS.

BABLU KUMAR Advocate
309, Lawyer's Chamber Block,
Dwarka Court Complex,
New Delhi-110075

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82CrPC / 84BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आशु, पुत्र अलीमुद्दीन निवासी आई/3867, भगवानपुर खेरा, लोनी रोड, शाहदरा, दिल्ली** और **नाली हुसैनपुर थाना हापुड़, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 606/2023 U/S 379/411 IPC, अन्तर्गत थाना जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशु** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आशु** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 606/2023 U/S 379/411 IPC, अन्तर्गत थाना जाफराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आशु** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.06.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री आयुषी सक्सेना
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–05,
कमरा नंबर 7, द्वितीय तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/5253/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू** पुत्रः **फरीद खान** निवासी **हाजी काले का मकान दरगाह वाली मस्जिद के पास, हाजी कॉलोनी, लोनी, गाजीयाबाद, यू.पी.** ने case **FIR No. 18764/2019 U/s 379/411/482 IPC, थाना शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 18764/2019 U/s 379/411/482 IPC, थाना शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **23.07.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाती शर्मा
एलडी. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कमरा नं. 59, तृतीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/5519/SHD/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरिफ पुत्र याकूब निवासी बुद्ध नगर, लाल मंदिर के पास, ईदगाह, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र. ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 149/2016 भा.द.सं. की धारा 392/411/34 के तहत, थाना करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **आरिफ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **आरिफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 149/2016 भा.द.सं. की धारा 392/411/34 के तहत, थाना करावल नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आरिफ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.06.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा जैदी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04, कमरा नं. 64, चौथा तल
उत्तर पूर्वी जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/4303/NE/2025

सार्वजनिक सूचना

नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड
(CIN नं.: U55101DL1999PTC098037)
पंजीकृत कार्यालय: एम -18 (एम ब्लॉक मार्केट), ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, दिल्ली, भारत - 110048
कॉर्पोरेट कार्यालय: बिल्डिंग नंबर 80, प्रथम तल, सेक्टर-44, गुरुग्राम, हरियाणा – 122003
ईमेल: Compliance@rof.co.in | फोन नं.: 0124-4399399

जहां नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड एक स्वतंत्र आवासीय फ्लोर परियोजना **"ROF Pravasa"** का विकास कर रही है, जो कि गांव हरसारू, सेक्टर **88**ए, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। उक्त परियोजना को रेरा पंजीकरण संख्या **21** वर्ष **2025** दिनांक **04.03.2025** प्राप्त है। यह परियोजना **11.21875** एकड़ भूमि क्षेत्र में है, जो कि लाइसेंस संख्या **70** वर्ष **2023** दिनांक **04.04.2023** को निदेशक, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा द्वारा प्रदत्त की गई है।
और जबकि कंपनी द्वारा परियोजना से संबंधित बैंक खाता **SBI** बैंक से इंडियन बैंक में परिवर्तन हेतु आवेदन किया गया था, जिसके लिए हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी, गुरुग्राम से अनुप्रारंभिक स्वीकृति (**In-principal approval**) प्राप्त कर ली गई है।
अतः इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित बैंक खातों में परिवर्तन किया गया है:

विवरण	पूर्व बैंक खाता (SBI)	नया बैंक खाता (Indian Bank)
बैंक का नाम	एसबीआई बैंक	इंडियन बैंक
आईएफएससी कोड	SBIN0050933	IDIB000S208
मास्टर कलेक्शन खाता संख्या (100%)	43637057308	7558456809
रेरा खाता संख्या (70%)	43469977608	7558457451
प्रमोटर फ्री कैश फ्लो खाता (30%)	43637058255	7558457371

इसलिए सभी हितधारकों, ग्राहकों तथा आमजन से अनुरोध है कि उपरोक्त जानकारी को ध्यानपूर्वक नोट करें।
नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड
दिनांक: 06/05/2025
स्थान: गुरुग्राम

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Rajesh Kumar Sonkar & Mrs. Rozy Sonkar are purchasing the Third Floor, with Roof Terrace Rights build on property No. A-99 & A-100, (Part of MCD No. 762), Situated at Sukhdev Nagar. Kotla Mubarakpur, New Delhi from Mr. Noel McPereira, Mr. Alan H. Pereira & Mr. Dennis P. Pereira who are owner of the property vide Relinquishment Deed dated 06.02.2017 registered as Doc No. 618. That Mr. Rajesh Kumar Sonkar & Mrs. Rozy Sonkar are taking the financial assistance from Piramal Capital & Housing Finance Limited If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, NAGA BHASKARA RAO KANCHARLA S/o SIVA BRAHMAM KANCHARLA R/o F2, Plot No.119, Sector-4, Vaishali Ghaziabad-201010 Uttar Pradesh India declare that the name of mine and my father has been wrongly written as K.N BHASKAR RAO and Sh. SIVA BRAHMAM in my service records. The actual name of mine and my father are NAGA BHASKARA RAO KANCHARLA and SIVA BRAHMAM KANCHARLA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, TANZEEL AHMAD S/OJAMEEL AHMED residing at A-9/71-C DDA FLAT INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to TANZEEL AHMED for all future purpose.

ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में हुई शिकायत पर मुंढेता गांव में हटाया गया पंचायत जमीन से अवैध कब्जा

नूंह। ड्यूटी मजिस्ट्रेट विजय सिंह तहसीलदार की मौजूदगी में भारी पुलिस बल के साथ मुंढेता गांव की पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा को लेकर पीला पंजा चलाया गया और पंचायत की जमीन को खाली कराया गया। जिसको लेकर वहां पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और भारी पुलिस पर तैनात रहा। आपको बता दें कि ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में गांव के ही शिकायतकर्ता मुमताज की शिकायत पर गांव में पंचायत जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान बनाने की शिकायत लगाई गई थी। जिस पर ग्रीवेंस कमेटी के अध्यक्ष हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने पंचायत विभाग को पंचायत जमीन से अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए थे। बीडीपीओ सुरजीत सिंह और गांव के सरपंच मौके पर मौजूद रहे। इतना ही नहीं ड्यूटी मजिस्ट्रेट पुनहाना के तहसीलदार विजय सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पीला पंजा चला कर गांव में पंचायत की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया। गांव के सरपंच सद्दाम हुसैन ने बताया कि कुछ लोगों ने पंचायत की जमीन पर मकान और चारदीवारी कर कब्जा किया हुआ था। जिसकी शिकायत गांव के ही मुमताज द्वारा ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में की गई थी।

पुलिस व मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए पुलिस उपायुक्त यातायात ने पत्रकारों के साथ की बैठक

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश चौहान द्वारा अपने कार्यालय ट्रैफिक टॉवर, सुशांत लोक सैक्टर-28 में मीडिया कर्मियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। पुलिस उपायुक्त द्वारा पत्रकारों से यातायात पुलिस की कार्य प्रणाली के संबंध में सुझाव मांगे तथा उन सुझावों पर चर्चा की गई। इस दौरान पुलिस उपायुक्त ने पत्रकारों से कहा कि यातायात पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों को सकारात्मक रूप से आमजन के सामने रखें ताकि पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों का आमजन को पता चल सके। इस दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात ने पत्रकारों से कहा कि यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए किया जा रहे प्रयासों/कार्यक्रमों को सकारात्मक रूप से आमजन के सामने पेश करें। इस दौरान पत्रकारों ने पुलिस उपायुक्त को गुरुग्राम में कहीं पर भी सडक़ पर जाम लगने की स्थिति में जाम की सूचना सोशल मीडिया व अन्य किसी भी माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराने का सुझाव दिया।

जनगणना में पंजाबी पहचान-अब नहीं कोई चूक : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। भारत में जनगणना एक अहम राष्ट्रीय प्रक्रिया है, लेकिन यह सिर्फ आँकड़ों तक सीमित नहीं है, यह पहचान, हक़ और हिस्सेदारी का भी सवाल है। पंजाबी बिरादरी महा संगठन और विभाजन विभीषिका कल्याण समूह हरियाणा इस जनगणना को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं, जिससे पंजाबी खत्री समाज अपनी सही संख्या और सामाजिक भूमिका को दर्ज करा सके। महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि एक अनुमान के अनुसार भारत में 12 करोड़ से अधिक पंजाबी खत्री देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। यदि हम सभी जनगणना के दौरान सही जानकारी दर्ज करें, तो यह संख्या औपचारिक रूप से सामने आ सकती है। यह सिर्फ आँकड़ों की बात नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक उपस्थिति को मजबूती देने का सवाल है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि आज पंजाबी समाज एकजुटता की ओर बढ़ रहा है। गुरुग्राम में मेरे नेतृत्व में पंजाबी बिरादरी महा संगठन का गठन हुआ, जिसमें 16,000 से अधिक सदस्य हैं। इस संगठन के अंतर्गत अनेक सामाजिक योजनाएं बिना किसी भेदभाव के चलाई जा रही हैं। वहीं पूरे हरियाणा में फैली 65 पंजाबी बिरादरियों को विभाजन विभीषिका कल्याण समूह के माध्यम से एक मंच पर लाया गया है, जिसका अध्यक्ष बनने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। सीकरी ने कहा कि इस एकता के पीछे कई समर्पित लोगों का योगदान है।

एमजी रोड अतिक्रमण मुक्त बनने की ओर अग्रसर, नगर निगम की लगातार कार्रवाई जारी

गुरुग्राम। गुरुग्राम नगर निगम द्वारा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की गई। एनफोर्समेंट टीमों ने इफको चौक, एमजी रोड, सिकंदरपुर और महरौली-गुरुग्राम रोड के दोनों ओर से अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान रेहड़ी-पटरी, खोखे, टपरी नुमा ढाबों और अन्य प्रकार के अस्थायी ढांचों को हटाया गया। साथ ही अतिक्रमणकारियों का सामान जब्त करते हुए उन्हें कड़ी चेतावनी भी दी गई। नगर निगम ने साफ कर दिया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग के दिशा-निर्देशों व अतिरिक्त निगमायुक्त महावीर प्रसाद के मार्गदर्शन में यह अभियान लगातार जारी है। निगम का लक्ष्य सभी सडक़, फुटपाथ और ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त बनाना है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर पंचकूला में लगाया रक्तदान शिविर

रक्त दान से बड़ी मानवता की कोई सेवा नहीं - रक्त दान-महा दान

● सैकड़ों की संख्या में युवा-युवतियों ने किया रक्तदान

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के जन्मदिन पर पंचकूला के सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकडों की संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया।

शिविर के दौरान 250 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, शहरी एवं स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल, सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी,

खेल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजेश नागर, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, राजनैतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, पंचकूला के महापौर श्री कुलभूषण गोयल व हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने रक्तदान करने वाले युवाओं का हौसला बढ़ाया एवं उन्हें बैज लगाकर सम्मानित किया। रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। शिविर का आयोजन सुदेश भंडारी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया। रक्तदान करने वाले युवाओं का उत्साह इस अवसर पर देखते ही बनता था। रक्तदान करने वालों में सेना के जवान, होमगार्ड के जवान और स्थानीय युवक युवतियां शामिल रहे। इस दौरान ब्लड बैंक कमांड हॉस्पिटल, सेक्टर-6 सिविल अस्पताल की टीम और रेडक्रॉस की मेडिकल टीमें तैनात रही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अजय मित्तल, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री अजय शर्मा व दीपक शर्मा आदि भी मौजूद रहे।

करनाल से 10 हजार की रिश्वत लेता एएसआई गिरफ्तार: कोर्ट पार्किंग में ले रहा था पैसे, एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगेहाथ दबोचा

एजेंसी

करनाल। एसीबी करनाल की टीम ने आज दिनांक 05.05.2025 को आरोपी ए.एस.आई. कुलबीर सिंह, 1058/करनाल तफ्तीश अधिकारी पुलिस चौंकी मॉडल टाउन, करनाल को शिकायतकर्ता से 10,000/- नकद रिश्वत मांगने पर जिला न्यायालय परिसर, करनाल से रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 13 दिनांक 05.05.2025 धारा 7, 7ए पी.सी. एक्ट 1988 व 308(2), 61 बी.एन.एस. के तहत थाना भ्रष्टचार निरोधक ब्यूरो, करनाल में दर्ज किया गया है। यह पूरी कार्यवाही गवाहों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ की गई तथा इस कार्यवाही में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 105 का भी पालन किया गया है। शिकायतकर्ता ने एसीबी करनाल को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मुकदमा न. 127 दिनांक 27.03.2025 धारा 351(2), 191(3), 190, 129, 115 व 110 बी.एन.एस. थाना सिविल लाइन, करनाल मे उसके भतीजे यश को बिना किसी परेशानी के उपरोक्त अभियोग की तफ्तीश में शामिल करने व रिश्वत न देने पर उसके परिवार के अन्य सदस्यों को झूठे मामले में फसाने की एवज में आरोपी ए.एस.आई. कुलबीर सिंह तफ्तीश अधिकारी न. 1058/करनाल पुलिस चौंकी मॉडल टाउन, करनाल ने उससे 20,000/- रू. की रिश्वत की मांग की गई है। इस मांगी गई रिश्वत राशि में से आरोपी पहले ही उससे 10,000/- नकद बतौर रुपए ले चुका है। अब आरोपी द्वारा उससे बकाया 10,000/- नकद रिश्वत राशि की मांग की जा रही है।

हरियाणा में व्यवस्था परिवर्तन में मनोहर लाल की अहम भूमिका : मनीष ग्रोवर

कहा, सुशासन और पारदर्शिता की पेश की मिसाल, गरीब परिवारों के युवाओं का सरकारी नौकरी का सपना हुआ साकार

एजेंसी

रोहतक । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि साढ़े 9 साल बतौर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल पेश की है, जिसके बूते पर भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सत्ता में आई है। मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां और अंत्योदय उत्थान के माध्यम से श्री मनोहर लाल ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बिना पर्ची-बिना खर्ची के न केवल गरीब वर्ग के युवाओं का नौकरी लगने का सपना साकार हुआ, बल्कि पोर्टल के जरिये उन लोगों के घर द्वार योजनाएं पहुंची, जोकि दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक चुके थे। श्री मनोहर लाल वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की टीम में ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय संभाल रहे हैं। मंत्रालय के प्रभार का जिम्मा संभाले तकरीबन एक वर्ष होने वाला है। श्री मनोहर

लाल ने हरियाणा के बाद देश को बिजली में आत्मनिर्भर बनाने और हर घर को जगमग करने का रोडमैप तैयार किया है। मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि जनसेवक श्री मनोहर लाल के 71वें जन्मदिन पर रक्तदान व पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि पहलगाव की घटना को लेकर श्री मनोहर लाल के जन्म दिवस पर न तो केक काटा गया है और न ही कोई मिठाई का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों खासकर अंत्योदय परिवारों में श्री मनोहर लाल के जन्मदिन को लेकर खासा उत्साह नजर आया। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन करने में श्री मनोहर लाल की अहम भूमिका रही है। उनकी कार्यशैली और विजन काबिले तारीफ और सराहनीय है। कार्यक्रम के तहत स्थानीय अशोका सिनेमा से लेकर बजरंग भवन तक डिवाइडर पर विभिन्न अधिकारियों, रक्तदाताओं तथा गणमान्य लोगों के नाम से पौधारोपण किया गया। रक्तदान शिविर में 209 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

हरियाणा सरकार की सराहनीय पहल

समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का त्वरित हो रहा हल

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार द्वारा समाधान शिविर की पहल के बाद आम जनता को अब बार-बार दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। जिला महेंद्रगढ़ में चल रहे समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का तुरंत निपटारा किया जा रहा है। लघु सचिवालय में लगे समाधान शिविर में उपायुक्त डा. विवेक भारती ने 58 नागरिकों की समस्याएं सुनीं। डीसी ने बताया कि हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लघु सचिवालय के कक्ष नंबर 118 में जिला स्तर पर आयोजित इस शिविर में अलग-अलग विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इसी प्रकार उपमंडल स्तर पर भी

सभी एसडीएम लोगों की शिकायतें सुनते हैं। लोग अपनी शिकायतें सीधे अधिकारियों को बताते हैं और उन्हें मौके पर ही समाधान मिलने लगता है। शिविर में अब तक बिजली, पानी, पेंशन, भूमि रिकार्ड, सामाजिक सुरक्षा और अन्य विभागों से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। कई बुजुर्ग, महिलाएं और ग्रामीण इस सुविधा से लाभ उठा चुके हैं और प्रशासन की इस व्यवस्था से संतुष्ट नजर आए। एक ही छत के नीचे इतने विभागों के अफसरों की मौजूदगी आम जनता के लिए बड़ी राहत बन रही है। इससे न सिर्फ समय की बचत हो रही है, बल्कि लोगों का प्रशासन पर विश्वास और भी मजबूत हुआ है। डीसी ने कहा कि ये समाधान शिविर जनता की सेवा और सुनवाई के लिए हैं ज्यादा से ज्यादा लोग को इसका लाभ लेना चाहिए। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सीएम ने जिला महेंद्रगढ़ के 783 लाभार्थियों के खाते में डाली ऑटो मोड पर बनी पेंशन

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से वित्तीय सहायता जारी की। इस दौरान जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से उपायुक्त डा. विवेक भारती मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने दयालु स्कीम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा आगजनी से फसल नुकसान की मुआवजा राशि डीबीटी के जरिए सीधे लाभार्थियों के खाते में जारी की। सीएम ने अप्रैल माह में ऑटो मोड पर बनी जिला महेंद्रगढ़ के 783 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन उनके खाते में डाली। इसके अलावा सीएम ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 0.2 के लिए आवंटन प्रक्रिया की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के संबंध में जानकारी के लिए 0172-3520001 पर कॉल किया जा सकता है तथा गांव की सूची देखने

के लिए हाउसिंग फॉर ऑल विभाग की वेबसाइट पर लॉगिन किया जा सकता है। इस मौके पर उपायुक्त ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में पिछले एक माह में प्रोएक्टिव मोड के बनी सामाजिक सुरक्षा की पेंशन लाभार्थियों के खाते में डाल दी गई है। डीसी ने बताया कि सरकार के निर्देश अनुसार इन योजनाओं में पात्र नागरिकों तक लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना - जी 2.0 सर्वे की आखिरी तारीख 15 मई तक बढ़ी : प्रदीप अहलावत

एजेंसी

नूंह। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) 2.0 के तहत जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान का लाभ दिलाने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण जारी है। अब इस योजना के तहत आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गई है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवार इसका लाभ उठा सकें। सीईओ जिला परिषद प्रदीप अहलावत ने बताया कि यह योजना उन ग्रामीण परिवारों के लिए वरदान साबित होगी, जिनके पास स्वयं का पक्का मकान नहीं है या जो जर्जर एवं कच्चे मकानों में

रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी पात्र परिवार इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। सीईओ जिला परिषद प्रदीप अहलावत ने बताया कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निर्देशानुसार योजना के तहत सर्वे का कार्य मिशन मोड में चल रहा है। गांव-गांव जाकर ग्राम सचिवों की टीम पात्र परिवारों की पहचान कर रही है और उनका आवेदन कर रही है। जिनके पक्के मकान नहीं हैं या मकान अत्यधिक जर्जर स्थिति में हैं, ऐसे परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकारी सर्वेयर इन परिवारों के घरों का निरीक्षण कर पात्रता तय करेंगे।

नूंह लघु सचिवालय में डीसी और एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

बोले- समाधान शिविर में आई शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर निवारण करवाएं अधिकारी

● आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त हुई 24 शिकायतें

एजेंसी

नूंह। प्रदेश सरकार की नागरिक केंद्रित प्रशासन की दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार महत्वपूर्ण पहल 'होगा हर शिकायत का निदान' के तहत व उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में सप्ताह में दो दिन सोमवार व गुरुवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला व उपमंडल में नियमित रूप से समाधान शिविर का आयोजित किये जा रहे है । जिला लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए

संबंधित विभागीय अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के निवारण के त्वरित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है और सरकार लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान एक ही स्थान पर सुनिश्चित करना है। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संविधान शिविर में प्राप्त हुई शिकायतों का जल्द समाधान करें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि नागरिकों को शिकायतों के निवारण के लिए आयोजित समाधान शिविरों का लाभ मिल रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखकर उनका निदान करवाएं।

साथ ही उपायुक्त ने समाधान शिविर में उपस्थित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की देरी न करें और हर समस्या का समाधान शीघ्रता से सुनिश्चित करें। आयोजित समाधान शिविर में बिजली बिल, फैमिली आईडी, पेंशन, अवैध अतिक्रमण व पुलिस विभाग से संबंधित 24 शिकायतें आईं, शिकायतों के जल्द समाधान के आदेश दिए गए।

डीसी ने सुनी जन समस्याएं, कई मामलों का मौके पर हुआ समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला प्रशासन द्वारा आज लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त (डीसी) अजय कुमार ने आम नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। डीसी ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ सीटीएम रविन्द्र कुमार, एसीपी सुशीला सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी आईडी), वृद्धावस्था पेंशन, तथा राजस्व विभाग से संबंधित अनेक समस्याएं रखीं। कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति हेतु समय-सीमा तय की गई। डीसी अजय कुमार ने कहा कि जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी समाधान हेतु ऐसे शिविर बेहद प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। प्रशासन का प्रयास है कि हर नागरिक को सुनवाई और समाधान का अवसर मिले ताकि जनता का भरोसा बना रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए तथा प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी समय पर दी जाए। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक उपमंडल स्तर पर नियमित रूप से समाधान शिविर

आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को इन शिविरों का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी समस्याएं सीधे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। इससे संवाद की प्रक्रिया सशक्त हो रही है और शिकायतों का समाधान भी तेजी से हो रहा है।

सभी भवन एवं भू-संपत्ति स्वामी जल्द करें अपनी प्रॉपर्टी आईडी का स्वयं सत्यापन

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने एमसीजी क्षेत्र के सभी रिहायशी, वाणिज्यिक, औद्योगिक और मिश्रित प्रयोग के भवन एवं भू-संपत्ति स्वामियों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति की प्रॉपर्टी आईडी का स्वयं सत्यापन शीघ्र करें। सरकार द्वारा इसे अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि स्वामित्व की पारदर्शिता और डिजिटल रिकॉर्ड की सटीकता सुनिश्चित की जा सके। निगमायुक्त ने बताया कि एक सरल 6-स्टेप प्रक्रिया के माध्यम से संपत्ति का सत्यापन किया जा सकता है। इसमें सबसे पहले यूएसबी की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करें

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, YOGESH KUMAR S/o Jai Singh, R/o Kherki (114) Mahendragarh Haryana-123028 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as YOGESH, PINKI, and PAYAL in my minor daughter PAYAL YADAV aged 15 years in her school records. The actual name of mine my wife and my minor daughter are YOGESH KUMAR, PINKI KUMARI, and PAYAL YADAV respecially which my be amended accordinly.

सिरसा में बार-बार सड़क धंसने को लेकर सांसद सैलजा ने सीएम को लिखा पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़।सिरसा नगर में बार-बार सड़क धंसने को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, उनका कहना है कि अमृत योजना में घटिया निर्माण कार्य के चलते ऐसा हो रहा है, ऐसे में निर्माण कार्यों की तकनीकी गुणवत्ता का ध्यान रखने के लिए संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में कहा है कि उनके संसदीय क्षेत्र में सिरसा नगर में कई सालों से अलग-अलग जगहों पर 20-30 फुट तक सड़क धंसने की अनेक घटनाएं हो चुकी है, ज्यादातर घटनाएं रानियां रोड पर हुई हैं। इसके नजदीक ही एक और गड्ढा हो गया। यह स्थिति न केवल वाहनों के आवागमन में बाधा बन रही है, बल्कि नागरिकों के जीवन के लिए भी एक बड़ा खतरा उत्पन्न कर रही है। प्रशासन ने आवागमन बंद कर दिया है, परंतु स्थानीय जनता भय और असुविधा में जी रही है। इस घटना का मूल कारण साफ तौर पर निर्माण कार्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार प्रतीत होता है। पहले जो भी लाइन डाली गई थी उसमें भी धांधली की गई थी, पाइस डालने से पहल कंक्रीट के बैड बनाए जाते है जिस पर पाइप रखी जाती है जिसके लिए सरकार की ओर से मापदंड निर्धारित किए गए है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि चिंता की बात यह भी है कि सिरसा में चल रही अमृत योजना के अंतर्गत पाइपलाइन डालने का कार्य भी इसी प्रकार की घटिया गुणवत्ता से किया जा रहा है। पाइपलाइन के नीचे मजदूत बेडिंग (बेस लेयर) नहीं डाली जा रही, जिससे भविष्य में और भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती है।

सीतारमण ने की जापन के वित्त मंत्री से मुलाकात

मिलान । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां एशियाई विकास बैंक की वार्षिक बैठक के अवसर पर जापान के वित्त मंत्री कात्सुनोब काटो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच चर्चा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित रही। श्रीमती सीतारमण ने इस बात

पर जोर दिया कि लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।श्रीमती सीतारमण और श्री काटो ने सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को गहरा करने, चल रहे प्रयासों को आगे बढ़ाने और अभिनव पहलों को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की।

एडीबी अध्यक्ष का जटिल चुनौतियों को एक साथ हल करने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान

मिलान। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा ने एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 58वीं वार्षिक बैठक के कहा कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सामने आने वाली अनिश्चितताएं एक अधिक लचीला और टिकाऊ भविष्य बनाने का अवसर भी हैं। श्री कांडा ने बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि बाहरी झटके, कर्ज का बोझ और जलवायु परिवर्तन इस क्षेत्र के लोगों और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी पड़ रहे हैं। लेकिन हम शून्य से शुरू नहीं कर रहे हैं। विकास ठोस बना हुआ है, व्यापार और आर्थिक एकीकरण गहरा रहा है, आपूर्ति श्रृंखलाएं विविध हो रही हैं और डिजिटल कनेक्टिविटी तथा नवाचार में तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता पीछे हटने का कारण नहीं है। यह पहले से कहीं अधिक साहसी होने, तेजी से आगे बढ़ने और अधिक निकटता से काम करने का कारक है।इटली के मिलान में आयोजित वार्षिक बैठक में 5,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सहित सरकारों के प्रतिनिधि, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि शामिल थे। इटली के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी और बैंक ऑफ इटली के गवर्नर तथा एडीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष फैबियो पैनेटा ने भी उद्घाटन सत्र में बात की और एडीबी के साथ इटली की साझेदारी पर जोर दिया।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का एकल लाभ 22 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । वाहन निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले महिंद्रा एंड्र महिंद्रा लिमिटेड ने वितत वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 2437 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 2000 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बीएसई का बताया कि मार्च 2025 को समाप्त इस तिमाही में उसकी एकल बिक्री 31609 करोड़ रुपये रही है जो मार्च 2024 में समाप्त चौथी तिमाही के 25434 करोड़ रुपये के विक्रय की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 11855 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 19642 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 118625 करोड़ रुपये रही है जो वित्त वर्ष 2023-24 के 101336 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 25.30 रुपये का लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

कंपनियों के लिए एयरटेल बिजनेस की 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले सेवा शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। एयरटेल बिज़नेस ने आज 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' (बीएनडी) सेवा के लॉन्च की घोषणा की। यह सेवा उद्योग में अपनी तरह की पहली, नई तकनीक पर आधारित सुविधा है, जिसका उद्देश्य कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच होने वाले संवाद को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाना है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इसके ज़रिए कंपनियां, अपनी आउटगोइंग कॉल के दौरान ग्राहकों के मोबाइल स्क्रीन पर अपना ब्रांड नाम प्रदर्शित कर सकेंगी, जिससे ग्राहकों को भरोसेमंद बिज़नेस कॉल्स और स्पैम कॉल्स के बीच आसानी से अंतर करने में मदद मिलेगी। एयरटेल ने अपने ग्राहकों को स्पैम कॉल से राहत दिलाने के लिए भारत का पहला स्पैम-रोधी नेटवर्क शुरू किया है। इस पहल को देशभर में चलाए गए एक बड़े जनजागरूकता अभियान के ज़रिए ग्राहकों तक पहुंचाया गया, ताकि वे इस समस्या को बेहतर तरीके से समझ सकें और सतर्क रह सकें। इस पहल के चलते एक ओर जहां स्पैम कॉल्स को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने अनजान या स्पैम के रूप में चिन्हित कॉल्स को अनदेखा करना शुरू किया, वहीं दूसरी ओर इसका एक अनचाहा असर यह हुआ कि कई ब्रांड्स की कॉल भी स्पैम के तौर पर टैग हो गईं। इस वजह से ग्राहक कई बार बैंकों, फ़ूड डिलीवरी, कूरियर सेवा या डॉक्टर की ज़रूरी अपॉइंटमेंट जैसी अहम कॉल मिस कर देते थे।

भारत 2025 में बनेगा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, 2028 में जर्मनी से भी होगा आगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की जीडीपी 2025 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से जारी किए गए वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में बताया कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। भारत मौजूदा समय में दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जीडीपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान, भारत से आगे हैं। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार

कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों में कहा गया कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका और चीन 2025 के साथ आने वाले करीब एक दशक तक अपनी रैंकिंग बरकरार रख सकते हैं। आईएमएफ ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर को घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले जनवरी आउटलुक रिपोर्ट में यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत पर था रिपोर्ट में बताया गया कि विकास दर में कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ की अनिश्चितताओं के कारण है।

आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। अगले दो वर्षों में दुनिया की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, जो कि 6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा, हमारे अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में 2.8 प्रतिशत की कमजोर वैश्विक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 127 देशों की वृद्धि दर में गिरावट शामिल है, जो विश्व जीडीपी का 86 प्रतिशत है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को गिफ्ट सिटी गांधीनगर में नए परिसर खोलने की स्वीकृति

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राजधानी स्थित भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) को गांधीनगर, गुजरात में एक नया शैक्षणिक परिसर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। मंत्रालय की जारी एक अधिसूचना के अनुसार आईआईएफटी के इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की शर्तों को पूरा करने के आधार पर मुख्य परिसर से दूर गुजरात के गिफ्ट सिटी में नया परिसर स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है। आईआईएफटी को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। प्रस्ताव के अनुसार आईआईएफटी गिफ्ट सिटी गांधीनगर में 3 साल में 1000 विद्यार्थियों के अध्ययन अध्यापन की सुविधा का विकास करेगा। वहां संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आईआईएफटी को यह मंजूरी हासिल करने में मिली सफलता के लिए बधाई दी है। श्री गोयल ने कहा है कि नए परिसर के खुलने से संस्थान को अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अपना मुख्य एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ-साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यक्रम चलाने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत को निर्यात का एक बड़ा केंद्र बनाने में बड़ी मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय कर सम्मेलन में सरल कर कानूनों की मांग, आयकर विधेयक 2025 पर हुई चर्चा

एजेंसी

कोलकाता। पुणे में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कर कानूनों को सरल और आम जनता के लिए सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) समेत कई कर (टैक्स) संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एआईएफटीपी के पूर्व अध्यक्ष नारायण जैन ने सम्मेलन के दौरान कहा कि करदाताओं के बेहतर अनुपालन के लिए मौजूदा कानूनों को सरल बनाना आवश्यक है। उन्होंने डॉ. गिरीश आहूजा के साथ आयकर विधेयक 2025 पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस दौरान बताया गया कि नया विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की मूल भावना को बनाए रखते हुए अनावश्यक प्रावधानों को हटाकर, धाराओं को फिर से क्रमबद्ध करता है। इससे करदाताओं के लिए समझना आसान होगा। उद्घाटन सत्र में एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर पेशेवरों का स्वागत करते हुए संगठन की उपलब्धियों और कार्यक्षेत्र

की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन के 11 हजार से अधिक सदस्य हैं और यह देशभर में कर (टैक्स) शिक्षा और जागरूकता के लिए लगातार काम कर रहा है। सम्मेलन में जीएसटी, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था, भारतीय न्याय संहिता से जुड़े प्रावधानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। तकनीकी सत्रों में वक्ताओं ने इन विषयों पर गहराई से विचार रखे और प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। सम्मेलन में देशभर से आए विशेषज्ञों, करते सलाहकारों और अकादमिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और सफल रहा।

2,730 रुपये तक महंगा हुआ सोना, चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 2,500 रुपये से लेकर 2,730 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये से लेकर 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,250 रुपये से लेकर 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एडीबी की बैठक में भारत-इटली ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर किया विचार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इटली के शहर मिलान में 58वीं एडीबी वार्षिक बैठक के मौके पर इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी से मुलाकात की। उन्होंने भारत-इटली आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और आपसी हितों के मुद्दों पर वैश्विक और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी द्वारा नवंबर 2024 में घोषित संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला गया, जो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को गहराई और गति प्रदान करेगा। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24

में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 14.56 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अक्षय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण और उच्च-स्तरीय विनिर्माण में अपार संभावनाओं पर जोर दिया और इटली की कंपनियों को भारत सरकार की पीएलआई (प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन) योजनाओं के माध्यम से 'मेक इन इंडिया' के लिए आमंत्रित किया।' वित्त मंत्री ने आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) प्लेटफॉर्म के साथ देश की सफलता को साझा किया और अभिनव फिनटेक समाधानों पर सहयोग का प्रस्ताव दिया। दोनों वित्त मंत्रियों ने बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) में सुधार के महत्व पर चर्चा की ताकि उन्हें विकासशील देशों की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाया जा सके, पर्याप्त रूप से पूंजीकृत किया जा सके और एसडीजी के साथ बेहतर ढंग से अलाइन किया जा सके। वित्त मंत्री सीतारमण ने ग्रीन हाइड्रोजन, कार्बन कैप्चर, ऊर्जा दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था में सह-वित्तपोषण मॉडल और सहयोग को रेखांकित किया और कहा कि दोनों देश वैश्विक बाजारों के लिए समाधान विकसित करने के लिए अपनी ताकत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे हमारी जलवायु प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाया जा सके। भारतीय वित्त मंत्री ने जापान के वित्त मंत्री काट्सुनोबु काटो से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पर चर्चा की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

सीतारमण ने विकसित भारत 2027 के लिए मोदी के विजन पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। मिलान (वार्ता) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में गवर्नर्स के बिजनेस सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास गाथा और विकसित भारत 2047 के लिए उनके विजन पर जोर दिया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि एडीबी भारत की विकास यात्रा में एक मूल्यवान भागीदार है। उन्होंने एडीबी के अधिक सक्रिय, चुस्त, साहसी और ग्राहक-केंद्रित विजन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ये विशेषताएं समृद्ध, समावेशी, लचीले और टिकाऊ एशिया और प्रशांत की ओर हमारी सामूहिक यात्रा में महत्वपूर्ण हैं।

जीएसटी अधिनियम की धारा 112 के तहत अपीलीय न्यायाधिकारणों का जल्द हो गठन: कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अपीलीय ट्रिब्यूनलों के गठन की दिशा में तत्काल प्रभाव से कदम उठाए जाने की मांग करते हुए कहा है कि इस तरह के फोरम का न होना जीएसटी कानून के प्रावधानों के विरुद्ध है। कैट ने दिल्ली जीएसटी प्रोफेशनल्स ग्रुप (डीजीपीजी) के साथ मिलकर नई दिल्ली में एक 'छद्म जीएसटी ट्रिब्यूनल' का आयोजन किया। कार्यक्रम में जीएसटी कानून के अनुपालन में ट्रिब्यूनलों के महत्व को रेखांकित किया गया। कैट ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि जीएसटी कानून की धारा 112 के अनुसार करदाताओं को जीएसटी अधिकारियों के आदेशों के विरुद्ध अपील करने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों का प्रावधान है। करदाताओं के वैधानिक अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए अपीलीय फोरम का होना जरूरी है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों के बावजूद उच्चतम न्यायालय में लंबित मामलों के कारण राज्यों में अब तक जीएसटी ट्रिब्यूनलों का गठन नहीं हो पाया है। इस देरी के चलते देशभर में दो लाख से अधिक मामलों का लंबित रहना बताया गया है, जिससे करदाताओं को उच्च न्यायालयों में महंगे और समय लेने वाले रिट याचिकाओं के माध्यम से न्याय पाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी अधिनियम की धारा 112, नियम 10 के साथ पढ़ने पर दो स्तरीय अपीलीय ट्रिब्यूनल प्रणाली (राष्ट्रीय/क्षेत्रीय पीठें एवं राज्य/क्षेत्रीय पीठें) के गठन का स्पष्ट प्रावधान किया गया है जो ऑर्डर-इन-अपील या रिवीजनल अथॉरिटी के आदेशों के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते है। उन्होंने कहा कि ट्रिब्यूनल के अभाव में करदाता संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों में दीवानी रिट याचिकाएं लगानी पड़ रही है पर धारा 117 के प्रावधनों के तहत अपील तभी संभव है जब ट्रिब्यूनल का आदेश मौजूद हो। 'छद्म जीएसटी ट्रिब्यूनल' में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही का मंचन किया गया हो एक वास्तविक ट्रिब्यूनल की प्रक्रिया का सटीक चित्रण था। नौ वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपीलकर्ताओं की ओर से पैरवी की, जबकि सरकार की ओर से अधिवक्ता सुशील वर्मा ने पक्ष रखा। इस कार्यक्रम में सरकार के वकील ने बड़े पैमाने पर कर चोरी और धोखाधड़ी के मामलों का हवाला देते हुए अधिकारियों की कार्रवाई को उचित ठहराया, जबकि अपीलकर्ताओं ने अधिकारियों की मनमानी, प्रक्रियात्मक उल्लंघन और अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों के हनन की बात रखी। बयान में कैट ने केंद्र सरकार से जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल के गठन की प्रक्रिया को शीघ्र गति देने का आग्रह किया है। श्री खंडेलवान ने कहा कि कैट राज्य सरकारों और जीएसटी आयुक्तों को पत्र लिखकर आग्रह करेगा कि वे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाएं और व्यापार के लिए अनुकूल और न्यायपूर्ण कर प्रणाली सुनिश्चित करें, जिससे राज्य और देश दोनों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

सीतारमण ने एडीबी से की पाकिस्तान की फंडिंग में कमी लाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा से यहां मुलाकात कर पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड में कमी करने की मांग की। एडीबी की 58वीं वार्षिक बैठक के दौरान हुयी यह मुलाकात 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच हुई है। श्रीमती सीतारमण ने इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी के समक्ष भी यही मांग उठाई। श्री कांडा के साथ बैठक के दौरान श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भारत निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), कॉर्पोरेट कर दर में कमी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यान्वयन, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और स्टार्टअप इंडिया जैसी साहसिक पहलों के माध्यम से लगातार अनुकूल नीति और नियामक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है, ताकि व्यापार करने में अधिक आसानी हो। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एडीबी को नए, अभिनव वित्तपोषण उत्पादों और मॉडलों को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करता है। श्री कांडा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से निर्देशित भारत की विकास प्राथमिकताओं के लिए एडीबी के पूर्ण समर्थन का अश्वासन दिया।

डिलीवरी कुशल नहीं होने से कई सरकारें दशकों तक कुछ हासिल नहीं कर सकीं: सीतारमण

एजेंसी

मिलान। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि कई सरकारें कई दशकों तक कुछ हासिल नहीं कर सकीं, क्योंकि उनकी डिलीवरी कुशल नहीं थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के लिए जो मुख्य रूप से दिया जाना था, वह दिया गया है। श्रीमती सीतारमण ने यहां आयोजित एक संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान वित्त मंत्री ने भारत में समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रमुख पहलों और उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था और समाज में प्रवासी भारतीयों के सकारात्मक योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्रवासी भारतीयों का बहुत सम्मान किया जाता है। प्रवासी भारतीयों को संबंधित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत रचनात्मक, सकारात्मक योगदानकर्ता के रूप में देखा जाता है और परिणामस्वरूप आप (भारतीय प्रवासी) भारत के लिए बहुत गर्व की बात है, क्योंकि प्रवासी भारतीय कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में उस अर्थव्यवस्था की परवाह करने वाले और उससे जुड़े हुए नागरिक के रूप में काम करने के साथ ही अपनी मातृभूमि से भी जुड़े हुए हैं।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 4.78 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की खरीदारी और क्रूड ऑयल के दाम में आई गिरावट के कारण आज घरेलू शेयर बाजार का सेंटीमेंट हाई बना रहा। हालांकि मुनाफा वसूली के कारण होने वाली बिकवाली से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति भी बनी रही। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.37 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, मेटल और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स आज करीब 200 अंक की बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.59 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.78 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,202 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,563 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,460 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,588 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,848 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 740 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 159.63 अंक उछल कर 80,661.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 बजे के करीब यह सूचकांक 547.04 अंक की मजबूती के साथ 81,049.03 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में यह सूचकांक गिर कर 80,657.71 अंक तक पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 294.85 अंक की बढ़त के साथ 80,796.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 72.80 अंक की तेजी के साथ 24,419.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 179.70 अंक की छलांग लगा कर 24,526.40 अंक तक पहुंचा। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने पर इसने 24,400.65 अंक तक गोता भी लगा दिया।

आम को खाते समय न करें ये गलतियां, पहुंच सकता है सेहत को नुकसान

फलों का राजा आम गर्मियों में मिलने वाला ऐसा फल है जिसके कारण लोगों को ये मौसम पसंद आने लगता है. बच्चें हो या बूढ़े सभी को आम बहुत पसंद होता है. ये मीठा, रसीला फल जितना स्वाद में बढ़िया होता है उतना सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. पर इसे खाते समय कुछ गलतियां करने से इसका नुकसान हो सकता है. इस आर्टिकल में जानेंगे आम खाते समय क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए.

गर्मियों के मौसम में वैसे तो कई फल मिलते हैं जैसे तरबूज, खरबूजा, बेल पर बात करें फलों के राजा आम की तो उसकी वजह से लोग गर्मी के मौसम का आने का इंतजार करते हैं. मीठे, रसीले और खुशबूदारआम देखते ही मन कर जाता है इन्हें खाने का. आम में कई पोषक तत्व होते हैं जैसे विटामिन ए, बी6, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी और फाइबर जो सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद होता है. हर उम्र के लोगों को आम खाना बहुत पसंद होता है. पर क्या आप जानते हैं आम खाते समय कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए वरना हेल्थ पर इसका बुरा असर पड़ सकता है.

भले ही आम गर्मी के मौसम में मिलता है पर इसकी तासीर गर्म होती है. अब ऐसे में अगर आप सीधे खरीदकर या पेड़ से तोड़कर आम को खा लेंगे तो आपको पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज और अपच हो सकती है. आम को खाने से पहले उसे 3-4 घंटे पानी में भिगोकर रखना चाहिए.

आम खाते समय क्या सावधानी बरतें

आम को हमेशा पानी में भिगोकर खाएं

आम की गर्म तासीर के कारण अगर आप इसे धोने के बाद तुरंत खा लेते हैं तो इससे आपकी सेहत पर नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए आम को हमेशा 3-4 घंटे पानी में भिगोने के बाद ही खाना चाहिए.

ज्यादा न खाएं आम

आम को लिमिटेड मात्रा में ही खाना चाहिए वरना फायदे की जगह इससे नुकसान भी हो सकता है. आप दिन में 2 से 3 आम से ज्यादा न खाएं क्योंकि ये गर्म तासीर का फल है जो आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा को भी नुकसान पहुंचा सकता है. ज्यादा आम खाने से चेहरे पर मुंहासेहो सकते हैं.

पाचन तंत्र को करता है कमजोर

ज्यादा आम खाने से स्किन के साथ-साथ आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ सकता है. इससे आपको पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे दस्त यानीलूज मोशन हो सकते हैं.

खाली पेट आम को खाना

आम को कभी भी खाली पेट नहीं खाना चाहिए. क्योंकि आम में फाइबर और शुगर की मात्रा अधिक होती है जो पाचन तंत्र को कमजोर बना सकता है. एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

डायबिटीज वालों के लिए नुकसानदायक है आम

आम में भरपूर मात्रा में नेचुरल शुगर होती है जिस वजह से ये ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देता है इसलिए डायबिटीज के मरीजों को आम खाने से परहेज करना चाहिए. क्योंकि इसे खाने से आपको हाई शुगर का रिस्क बढ़ सकता है.

इस बार टोपी में से जाति गणना निकाली

जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

लड़ाई तो अब शुरु होगी। जाति गणना की राहुल गांधी की मांग को मोदी सरकार को मानना पड़ा। आम जनगणना में इस बार जातिवार गणना भी होगी। मगर गिनती हो जाना ही अपने आप में कुछ नहीं है। दलितों की आदिवासियों की गिनती है। दस साल बाद होने वाली हर जनगणना में होती है। हालांकि मोदी सरकार ने अभी तक जनगणना ही नहीं करवाई। 2021 में होना थी। मगर कोविड के बहाने उसे टाल दिया गया। जबकि 2021 में ही 5 राज्यों बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुदुचेरी के विधानसभा चुनाव करवाए। इससे पहले 2020 में बिहार, दिल्ली के। और 2022 में उत्तर प्रदेश के चुनाव भी हुए। चुनाव कभी नहीं टाले। मगर पांच साल लेट हो गई जनगणना।

जनगणना में सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या यही थी कि वह जाति गणना से कैसे बचे। मोदी सरकार ने उस समय संसद में कहा था कि वह अनुसूचित जाति और जनजाति के अलावा किसी और समुदाय की गणना नहीं करवाएगी। ऐसा ही जवाब उसने एक हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट को दिया था। 2021 के बजट में जनगणना के लिए जो पैसा रखा था उसे केंसिल किया (विलंबित) अगले साल 2022 तक के लिए। अगले साल फिर 2023 तक के लिए। सरकार जाति गणना से बचने के लिए जनगणना को भी अभी तक टालती रही।

मगर अब उसने अचानक यह फैसला ले लिया। इस पर बहुत सारी बातें हैं। सवाल हैं। कि अचानक क्यों?देश जब पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा था। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा था तब अचानक प्रधानमंत्री मोदी फैसला करते हैं कि हम तो जातिवार गणना कराएंगे।11 साल से लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। जनता जब जो चाहती है उसे वह न देकर दूसरे मामले में उलझा दिया जाता है। बेरोजगार नौकरी मांगते हैं उनसे कहा जाता है कि वह तुम्हारी भैंस खोल ले जाएंगे। महिलाएं कहती हैं कि आपने तो कहा था- %बहुत हुआ नारी पर वार अबकी बार मोदी सरकार!% तो कहते हैं कि अब तुम्हारा मंगल सूत्र ले जाएंगे! कुछ भी कह देते हैं। और कुछ नहीं मिला तो कह दिया कि मैं बायलॉजिकल (मां की कोख से जनमा) नहीं हूं।जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।जाति गणना तो बहुत पुरानी मांग है। होना चाहिए थी। मगर इस समय घोषणा कुछ और चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ। और घोषणा नहीं कार्रवाई। मगर मोदी जी को आदत पड़ गई है बातों से लोगों को बहलाने की। आखिर 11 साल से यही कर रहे हैं। मगर इस बार संभव नहीं लगता।दो बड़ी बातें हैं। पहली, बार-बार सीमा पार से आकर यहां लोगों को मारे जाने की घटनाएं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होना। पुलवामा में चालीस जवान शहीद, गलवान में बीस जवान और अब पहलगाम में 26 पर्यटक। दूसरी बात, इनके जवाब में जो मोदीजी जो जाति गणना लाए हैं वह उन्हें उलटी पड़ रही है। आरएसएस और भाजपा के मूल विचार यथास्थितिवाद के खिलाफ है। यह दक्षिणपंथी संगठन सामाजिक ढांचे में बदलाव के सख्त खिलाफ हैं।

लेकिन समय की ऐसी बलिहारी है कि देश में सामाजिक ढांचे के बदलाव के आज तक के सबसे बड़े काम की घोषणा मोदी जी के हाथों होना थी। हो गई।बहुत अच्छा हुआ। सोचिए अगर यह घोषणा राहुल गांधी करते तो क्या होता? 1990 याद कर लीजिए। उसी तरह देश भर में बीजेपी इसके विरोध में हिंसक आंदोलन शुरू कर देती। युवाओं का आत्मदाह याद है!

क्या भयावह समय था। वीपी सिंह को आज तक गालियां देते हैं।मोदी जी की घोषणा से एक लाभ यह जरूर हुआ कि प्रतिक्रियावादी ताकतें मुख्यत~ ओबीसी और दलित आदिवासी के खिलाफ खुल कर नहीं आ पा रही हैं। केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत गंदगी फैलाई जा रही है। मगर वहां कब नहीं फैला रहे थे ये लोग? फर्क बस इतना था कि पहले मुस्लिम के खिलाफ फैला रहे थे और अब पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, आदिवासी के खिलाफ।मामला पूरा यू टर्न ले गया। अभी तक इस वर्ग को समझा रहे थे कि मुस्लिम तुम्हारे खिलाफ है। झारखंड के चुनाव में तो इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने बोल ही दिया था कि बेटी ले जाएंगे। मगर मजबूरी में जैसे ही जाति गणना की घोषणा की तो सारा नजला पिछड़ा अति पिछड़ा दलित आदिवासी पर गिरने लगा।

उसकी सारी सेवाएं भूल गए कि उनको ही आगे ले जाकर मस्जिदों के बाहर नाचते और नारे लगाते थे। 11 साल में देश में हिन्दू-मुसलमान हवा बनाने के लिए सबसे ज्यादा उपयोग समाज के इस वंचित समाज का ही किया। और अब उसे ही गालियां दी जा रही हैं।दूसरा बड़ा सेटबैक समाज की उच्च जातियों को भी लगा। आज तक का सबसे बड़ा धक्का। हमला। दिखाते तो इसे भी मुसलमान मुसलमान ही रहे। मगर छीन इसका सारा प्रिवलेज (विशेषाधिकार) लिया। जाति भारत में एक प्रिवलेज की तरह थी। और उसकी सबसे बड़ी रक्षक होने का दावा भाजपा आरएसएस करती थी। मगर पैनिक रिएक्शन (घबराहट) में वह जाति गणना ले आई। इसका कोई फायदा उसे नहीं मिलेगा। दोई दीन से गए ...! इसके आगे नहीं लिख रहे। लोग इस पर भी ऐतराज करने लगे हैं। यह वाला लिख देते हैं कि न खुदा ही मिला न विसाले सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए! यह भी हलवा मिला न मांडे के मुकाबले का है।सवर्ण समझ गया कि वह भी बीजेपी आरएसएस के लिए उपयोग की चीज है। अब पिछड़ा ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगा तो उस पर ही चोट कर दी। और ऐसी चोट की अब वह कभी वर्चस्व की लड़ाई में संख्या बल के सामने टिक ही नहीं पाएगा। मोदी को जो वह आंख बंद करके समर्थन दे रहा था वह उसे उलटा पड़ गया। सोशल मीडिया ही आज समाज का आईना बना हुआ है। उस पर तमाम मोदी के समर्थक लिख रहे हैं कि अब उनका समर्थन बंद। बड़ा धोखा हो गया। सही बात है। राहुल करते, अखिलेश करते, तेजस्वी करते तो यह स्वाभाविक माना जाता। वे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे थे। मगर इसे देश को तोड़ने वाला अरबन नक्सल का विचार बताने वाले जब खुद इसको ले आए तो साफ हो गया कि वे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

उनकी किसी विचार से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। अगर है तो केवल वोट से अपनी सत्ता से।और अब आखिरी बात। कहानी शुरू वहीं से की थी कि अभी सिर्फ घोषणा हुई है। इसे लागू करवाना और फिर जाति की संख्या के आधार पर हिस्सेदारी के लिए पिछड़े, अति पिछड़े दलित आदिवासी को निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। मोदीजी ने तो आज मुद्दा बदलने के लिए इसकी घोषणा कर दी। महिला आरक्षण की भी की थी। नौकरियों की भी, महंगाई कम करने के भी, 15 लाख की भी सबकी। लेकिन लागू क्या हुआ, मिला क्या?अब सोचना पिछड़े दलित आदिवासी को है कि कौन उसे संख्या के हिसाब से हिस्सेदारी दिला सकता है? किसके विचारों में वास्तव में सामाजिक न्याय है ? और कौन सामाजिक न्याय, समानता को समरसता कहकर कमजोर को बलवान के साथ समरस करके मिलाकर रखना चाहता है। समरसता मतलब जो समर्थ कहे उसे मानना। समानता मतलब समर्थ के बराबर सामाजिक रूप से कमजोर का भी अधिकार।

संपादकीय

नफ़रत के खिलाफ़ खड़ी महिलाएं

ऐसे वक्त में जब देश का वातावरण एक सम्प्रदाय, कुछ समुदायों तथा कतिपय विचारों के लिये पल रही नफ़रत के कारण विषाक्त हो चला है, कुछ महिलाएं खुद को बड़े खतरे में डालती हुई इसके विरूद्ध उठ खड़ी हुई हैं। बेशक, उनके जैसे हजारों लोगों की तरह वे भी अलग-थलग पड़ती हुई दिख रही हैं लेकिन उम्मीद है कि उनसे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिये कोशिशें करेंगे।

लोक गायिका नेहा सिंह राठौर लम्बे समय से कट्टरपंथियों के रडार पर हैं। अपने ठेठ देसी अंदाज में लिखे और गाये गीतों से वे सत्ता से कंटीले सवाल करती हैं। देश-प्रदेश की समस्याओं को वे अपने ढंग से उठाती हैं और सत्ता पर चोट करने से कतई नहीं चूकतीं। यूपी में का बा? तथा बिहार में का बा? वाले गीतों की उनकी श्रृंखला खासी लोकप्रिय हुई थी। बदहाली, गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, कोरोना के कुप्रबंधन आदि पर उन्होंने सरकार पर तीखे हमले किये हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर उन्होंने केन्द्र सरकार से अपने गीतों के जरिये सवाल किये जो पार्टी समर्थकों को नागवार नहीं गुज़रे। उनके खिलाफ लखनऊ तथा अयोध्या में एफआरआई दर्ज करा दी गयी है। यह भाजपा तथा उनसे जुड़े संगठनों का वही पैंतरा है जिसके अंतर्गत समाज सेवकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ मामले दर्ज़ होते हैं।नेहा के खिलाफ़ राजद्रोह की शिकायत दर्ज की गयी है। हालांकि वे इस बात से घबराई हुई नहीं है और वे लगातार अपने वीडियो प्रसारित कर बतला रही हैं कि वे सत्ता से सवाल करना छोड़ेंगी नहीं। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो. माद्री काकोटी भी लम्बे समय से वीडियो डालकर शासकीय कार्य प्रणाली की खामियां उजागर करती रही हैं। उनके खिलाफ भी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कर दी गयी है। नेहा तथा माद्री से भाजपा सरकारों की खुन्नस पुरानी है, वैसी ही जिस प्रकार स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा आदि से है जिसके खिलाफ़ पिछले दिनों उनके कार्यक्रम को लेकर नाराज़ महाराष्ट्र सरकार ने मामला दर्ज़ कर लिया था।

ये दोनों मामले उनकी अभिव्यक्ति को लेकर रहे हैं, पर इसके विपरीत जो अन्य महिलाएं नफ़रतियों के कोप का शिकार हो रही हैं, वे हाल के घटनाक्रमों के चलते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम (कश्मीर) के बैसरन घाटी में आतंकियों की फायरिंग से जो 26 पर्यटक मारे गये, उनमें से एक हिमांशी के पति लेफ्टिनेंट जनरल विनय नरवाल भी थे। 16 अप्रैल को दोनों की शादी हुई थी। इस घटना के बाद हिमांशी ने बेहद संयम व विवेक का परिचय देते हुए लोगों से अपील की कि चाहे आतंकियों ने उनके पति को कथित रूप से उनका धर्म पूछकर गोली मारी हो, फिर भी देश के मुसलमानों और कश्मीरियों को टारगेट न किया जाये।ऐशान्या के पति शुभम द्विवेदी की भी आतंकियों ने हत्या की। उन्होंने इस घटना का ब्यौरा देते हुए कहा कि दो हजार पर्यटकों के वहां होने के बावजूद एक भी पुलिस वाला या सुरक्षाकर्मी नहीं था। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि जिस सरकार के भरोसे वे वहां गये थे, उसने हम पर्यटकों को अनाथ छोड़ दिया।% भाजपा समर्थक इसलिये कुपित हैं कि उन्होंने व्यवस्था में खामी क्यों निकाली। उधर उत्तराखंड प्रसिद्ध पर्यटक स्थल नैनीताल की शैला नेगी भी नफ़ ब्रिगेड के निशाने पर आ गयी हैं। यहां एक उम्रद मुस्लिम ने एक नाबालिग लड़की के साथ बलात किया। पुलिस वे आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है लेकिन इसे लेकर वहां जमकर बवाल हो रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ मारपीट हो है,

उनकी सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रह शैला ने उपद्रव कर रहे हिन्दुओं को समझाने की को की कि किसी एक व्यक्ति की गलती के लिये पूरे समु को दोषी ठहराना उचित नहीं है। निश्चित ही यह समझदारी से भरी और विवेकपूर्ण बात थी लेकिन का गुस्सा शैला पर भड़क उठा है।वैसे तो ये महिलाएं अपने विचारों पर अडिग हैं लेकिन खिलाफ जिस तरह से घृणा का सैलाब उमड़ आय वह बेहद दुखद और बहुत हद तक इनकी सुरक्षा की से चिंताजनक है।

भारत-पाकिस्तान सैन्य गतिरोध में कहां खड़ा है भारत

भारतीय टीवी चैनलों और राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने दोहराया कि मोदी का पाकिस्तान के खिलाफ हमला निश्चित रूप से होने वाला है। बुधवार, 30 अप्रैल को स्थिति पूरी तरह बदल गयी, जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोनों को फोन करके दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाये रखने का आह्वान किया।

22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की नृशंस हत्या को दस दिन बीत चुके हैं। अगले दिनों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई उपायों की घोषणा कर के देश के उबलते मूड को बढ़ावा दिया, जिसमें 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल है। उसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी कदम उठाये, जिनमें 1972 के शिमला समझौते से बाहर आना भी शामिल रहा।29 अप्रैल को, प्रधानमंत्री ने अपने सैन्य प्रमुखों के साथ बैठक की और कथित तौर पर उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के समय और प्रकृति पर निर्णय लेने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता दी। उसी रात, पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि-पाकिस्तान को अपनी खुफिया रिपोर्टों के आधार पर आशंका है कि भारत 2-3 दिनों के भीतर सैन्य हमला करेगा, और उस स्थिति में उनका देश पूरी तरह से तैयार है।भारतीय टीवी चैनलों और राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने दोहराया कि मोदी का पाकिस्तान के खिलाफ हमला निश्चित रूप से होने वाला है। बुधवार, 30 अप्रैल को स्थिति पूरी तरह बदल गयी, जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोनों को फोन करके दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाये रखने का आह्वान किया। स्वर काफी केंद्रित था और इसमें ट्रंप जैसा स्वर नहीं था, जिन्होंने शुरू में यह आभास दिया था कि अमेरिका उनके प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिशोध के रूप में की जाने वाली हर चीज के साथ जायेगा।

यदि रुबियो की टिप्पणियों का विश्लेषण किया जाये, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग करने की संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हालांकि, साथ ही, हमले में शहबाज शरीफ सरकार की किसी भी संलिप्तता का उल्लेख किये बिना, रुबियो ने विनम्रतापूर्वक तनाव कम करने की मांग करते हुए औपचारिक रुख अपनाया। गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में यह उल्लेख किया गया था कि रुबियो और शरीफ दोनों ने हिंसा के जघन्य कृत्यों के लिए आतंकवादियों को जवाबदेह

ठहराने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की।पाकिस्तान पर किसी भी संभावित भारतीय सैन्य हमले के लिए अमेरिका के नवीनतम रुख का क्या मतलब है, जिसमें दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच पूर्ण युद्ध में वृद्धि की संभावना है? सबसे पहले, रुबियो भारत द्वारा अपराधियों का पता लगाने की अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं, और वह चाहते हैं कि पाकिस्तान अपनी ओर से इस कार्य में पूरा सहयोग करे। रुबियो ने पहलगाम नरसंहार पर राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं को दृढ़ता से व्यक्त किया होगा। लेकिन साथ ही, रुबियो ने कोई संकेत नहीं दिया है कि शहबाज शरीफ सरकार का पहलगाम नरसंहार में शामिल आतंकवादियों के साथ सीधा संबंध है।रुबियो की शरीफ के साथ बातचीत के बारे में, अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्होंने आतंकी हमले की निंदा करने की आवश्यकता के बारे में बात की। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने आतंकवादियों को उनकी जघन्य हिंसा के लिए जवाबदेह ठहराने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि सचिव ने इस अमानवीय हमले की जांच में पाकिस्तानी अधिकारियों से सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने पाकिस्तान को तनाव कम करने और दोनों देशों के बीच सीधे संचार को फिर से स्थापित करने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।22 अप्रैल के पहलगाम नरसंहार के दस दिन बाद का यह परिदृश्य जून 2002 में भारत-पाकिस्तान सैन्य गतिरोध से कई समानताएं रखता है, जब पश्चिमी देशों को जानकारी मिली कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पाकिस्तान पर हमला करने का फैसला किया है। दिसंबर 2001 में दिल्ली में भारतीय संसद पर पाक-प्रेरित आतंकवादी हमले और उसके बाद मई 2002 में जम्मू के कालूचक में एक और नरसंहार के बाद वाजपेयी ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की सभी उम्मीदें खो दी थीं। भारतीय अभियान को ऑपरेशन पराक्रम नाम दिया गया था। भारत और पाकिस्तान दोनों ने नियंत्रण रेखा पर भारी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और नौसेना तथा सेना की टुकड़ियाँ पूरी तरह से तैयार थीं।लेकिन फिर, अमेरिका ने जोरदार हस्तक्षेप किया। दक्षिण एशिया की देखरेख करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी रॉबर्ट आर्मिटेज ने दिल्ली में घंटों बिताकर भारतीय पक्ष को युद्ध टालने के लिए मनाया और वायदा किया कि विदेश मंत्री कॉलिनपॉवेल पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से पाकिस्तान के अंदर आतंकी शिविरों को हटाने और पाकिस्तानी धरती से सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बारे में बात कर रहे हैं। पॉवेल आखिरकार सफल हुए और युद्ध टल गया, हालांकि प्रधानमंत्री वाजपेयी खुश नहीं थे। लेकिन साथ ही, उन्हें पता था कि अमेरिका को नाराज़ करके भारत के लिए पाकिस्तान के साथ युद्ध करना संभव नहीं था।

दिलचस्प बात यह है कि मैं जून 2002में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच एक अलग असाइनमेंट पर मास्को में था। जिस दिन मैं मास्को से दिल्ली लौट रहा था, मैंने हवाई अड्डे पर पाया कि प्रधानमंत्री के तत्कालीन प्रधान सचिव ब्रजेश मिश्रा भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के लिए एक ही उड़ान में सवार थे। मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री के पास कोई कार्यक्रम नहीं था।

मॉस्को में मिश्रा और वाजपेयी मध्य एशियाई राज्य के दौरे पर थे। मुझे एक अधिकारी ने बताया कि मिश्रा को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी अधिकारियों से भारत-पाक गतिरोध पर नवीनतम स्थिति के बारे में बात करने के लिए भेजा था, जो पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित करने वाले किसी भी भारतीय भू-राजनीतिक शतरंज चाल पर रूसी रुख के महत्व को दर्शाता है।2002 जून की घटना ने प्रदर्शित किया है कि प्रधानमंत्री मोदी को भी पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले कई कारकों को ध्यान में रखना होगा। टीवी चैनल दावा कर सकते हैं कि हमला आसन्न था। भाजपा समर्थक पाकिस्तान के आने वाले अपमान का इंतजार कर रहे हो सकते हैं। कुछ स्वघोषित विशेषज्ञ आक्रामक टीवी मीडिया पर कह सकते हैं कि पाकिस्तान चार भागों में विभाजित होगा। लेकिन जमीन पर भू-राजनीतिक वास्तविकता काफी अलग है। प्रधानमंत्री मोदी भी इसे जानते हैं।

सैन्य प्रमुखों को कार्रवाई की प्रकृति पर निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता देने के बाद, प्रधानमंत्री को किसी भी मजबूत कार्रवाई का संकेत देने से पहले यह देखना होगा कि अमेरिका सीमा पार आतंकवाद को रोकने और आतंकी शिविरों को खत्म करने के लिए भारत को क्या आश्वासन दे सकता है।

कोलाहल से शांति की ओर...

उठती-गिरती लहरों का भयाक्रांत कर देने वाला शोर समंदर को नहीं डराता। यह उसका गुण नहीं है। कई बहुमूल्य रत्नों को समेटे हुए समुद्र हर परिस्थिति में शांत और तटस्थ रहता है। हम भी बाहरी दुनिया के कोलाहल और शोर से न डरें। समंदर से सीखें। अपने मूलभूत गुणों को पहचानें और भीतर की गहराइयों में प्रवेश कर ढूंढ़ निकालें शांति का अनमोल रत्न...।

लय में बंधा जीवन

प्रकृति की ओर नजर डालिए। यहां हर चीज एक लय में चल रही है। अपनी सांस पर ध्यान दें। एक लयबद्ध तरीके से हमारी सांस-प्रक्रिया काम कर रही है। यह लय भंग हो जाए तो हम बीमार हो जाते हैं। जो कुछ हम बोल रहे हैं, जिस भाषा में बात कर रहे हैं, वहां भी एक लय है। वह जैसे ही भंग होती है, हमारी बोल में कटुता आ जाती है। वहां संवाद बिगड़ता है। हर स्पंदन निगेटिव हो जाता है। आपका प्रभामंडल (औरा) इससे प्रभावित होता है। नृत्य के दौरान तय नियमों से ज्यों ही इतर जाते हैं, दर्शक से तालमेल टूट जाता है। एक कलाकार के लिए यह सबसे पीड़ादायक पल होता है। इसी प्रकार, जीवन में लय को टूटने नहीं देंगे, यह प्रतिबद्धता पैदा करें। बाहर कितना भी शोर हो, वह प्रभावित नहीं कर पाएगा।

तपेंगे तो निखर जाएंगे

सुख की तलाश में भटक रहे हैं लोग। तमाम सुख-सुविधाओं के बीच रहकर भी छोटी-छोटी परेशानियों से डर जाना आम प्रवृत्ति बन चुकी है।

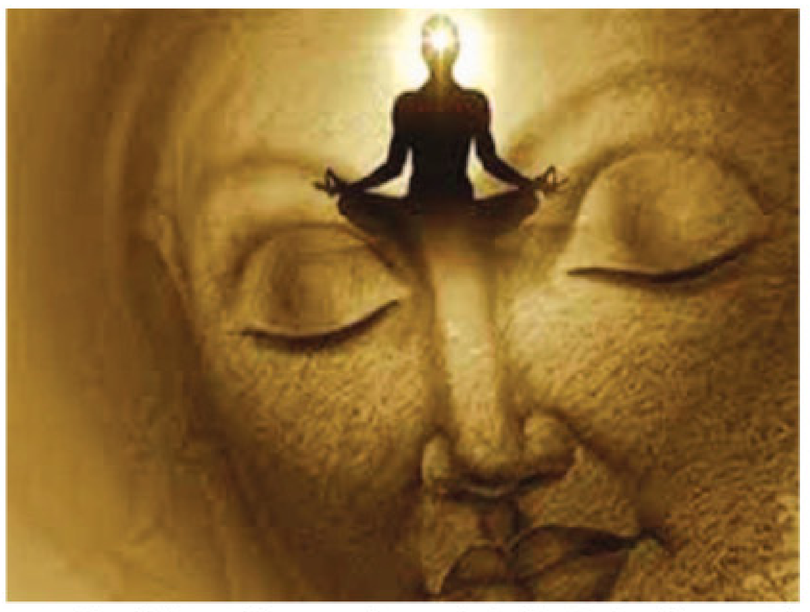

हम संघर्ष से भागते हैं। उलझनों से बचना चाहते हैं। पलायन कर जाने की यह सोच आसान मार्ग की तरफ धकेलती है। पर यह न भूलें कि जो खरा सोना है, वह तपने से नहीं घबराता और जो कच्चा है, वह आग में डालने के बाद पिघल जाता है। सच्चा यानी खरा सोना बनें। तभी सच्चा सुख पाएंगे और निखर भी जाएंगे।

बचें बेचैनी से

सूचनाओं का आक्रमण हो रहा है। हर पल एक नई चौंकाने वाली खबर आ जाती है। साधनों की कोई कमी नहीं। इसके बावजूद जिसे देखो, वह बेचैन है। राह चलते नजरें टिकी हैं मोबाइल पर। होश नहीं कि जिस राह पर चल रहे हैं, वह कहां ले जाएगी। वह पथरीली है। गिर सकते हैं, लेकिन सब अंधाधुंध भाग रहे हैं। गुस्सा है, जल्दबाजी है, पहले पहुंचने-पाने की अजीब-सी होड़ है। बेचैनी है। इससे कैसे बचें? इसका बहुत आसान उपाय है। अपनी जरूरतों को समझें और उसके मुताबिक जीना सीख जाएं। साधन से परहेज करने की जरूरत नहीं, लेकिन इससे पहले अपनी जरूरत की सीमा-रेखा का आभास होना चाहिए।

न भूलें भक्ति को

बाहरी वातावरण हावी होगा तो खुद से रिश्ता कमजोर होता जाएगा। यही वजह है कि अब बोलचाल की भाषा बड़ी निष्क्रिय-सी है। इंसान-इंसान में स्वाभाविक जुड़ाव जल्दी नहीं बन पाता। बात तो कर रहे हैं पर शब्द की समझ गुम है। शब्द जैसे अपना अर्थ खो रहे हैं। ऐसा ही एक शब्द है भक्ति। भक्ति का सीधा-सा अर्थ है - आपका अपने काम से जुड़ाव। उसमें आपकी आस्था। भक्ति वह चीज है, जो आपको जिंदगी में कुछ अच्छा करने को उकसाती है। यह एक उदात्त चीज है, जो निर्माण की तरफ अग्रसर करती है। इसे अपनी जिंदगी में शामिल करें तो आपको कर्म की ओर ले जाएगी। भक्ति मौजूद है तो आप कभी खालीपन का अनुभव नहीं करेंगे।

समाधान कला में

ऐसा नहीं है कि अतीत में समस्याएं नहीं थीं। कोलाहल पहले भी था। यही तो जीवन है। यहां शोर भी है, भटकाव भी है और निर्माण भी साथ-साथ चलता रहता है। बाहर के शोर से भयाक्रांत मन को उबारने में कला बहुत मदद कर सकती है। ऐसे वातावरण में जब कुछ न सूझे, वहां कला और कलाकार की अहमियत उभर कर सामने आती है। हमें खुश होना चाहिए कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा के रूप में कला रूपी समाधान पहले से मौजूद है। कीचड़ में कमल खिलाने जैसी शक्ति होती है कला के अंदर।

हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा

लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है, क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। सभी इंसान जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये मानव के अस्तित्व का अभिन्न अंग है और इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर, अस्थिर बनना चाहेंगे? अगर हम अपने आपको, जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हमें लगेगा कि जैसे हम हर समय एकत्व की सवारी कर रहे हैं। हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे और फिर अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है, क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। क्योंकि जीवन के उतार-चढ़ावों पर हमारा कोई खास नियंत्रण नहीं होता है तो हम शांति और तनावरहित जीवन कैसे जीएं? एक कहानी हमें कुछ इशारा देती है एक राजा ने अपने सभी चतुर मंत्रियों और सलाहकारों को एक साथ बुलाया और उनके सामने एक प्रश्न रखा, दोस्तों! मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर रहूं। मैं देखता हूं कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव हर समय मेरा संतुलन बिगाड़ते रहते हैं। क्या तुम कोई ऐसी चीज बता सकते हो जिससे, जब मैं दुःख की अवस्था से गुजर रहा हूं तो खुशी पा सकूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं तो वह चीज मुझे दुःखों की याद दिलाती रहे? ऐसी चीज खोजों, जो मैं अपने पास रख सकूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत, स्थिर रह सकूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने राजा की प्रार्थना पर लंबे समय तक विचार-विमर्श किया। अंत में उन्हें एक उपाय सूझा। वे वापस राजा के पास गए। राजा ने देखा कि वे एक छोटा-सा बक्सा लेकर उसकी तरफ आ रहे हैं। सलाहकारों ने कहा, महाराज! हमने आपके लिए एक हल ढूंढ़ लिया है। कृपया आप इस बक्से को खोलें। जब राजा ने उसे खोला, तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा कि इस पर जो लिखा हुआ है,

श्री कृष्ण ने महज 64 दिनों में ही ज्ञान अर्जित कर लिया

मथुरा में जब श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर दिया तब कंस के भाई ने कृष्ण और बलराम पर आक्रमण कर दिया। लेकिन बलराम ने उसे मार दिया। इसके बाद कृष्ण ने अपने माता-पित यानी देवकी और वासुदेव को कंस के कारागार से छुड़ाया। इस घटना के कुछ समय बाद श्रीकृष्ण और बलराम उज्जैन सांदीपनी आश्रम में विद्याअध्ययन करने के लिए आ गए। यहां उन्होंने महज 64 दिनों में ही ज्ञान अर्जित कर लिया। विद्याअध्ययन करने के बाद जब गुरु को गुरु दक्षिणा देने का समय था। तब उनके गुरु ने अपने मरे पुत्र को जीवित लाने का वर मांगा। कृष्ण जब गुरु पुत्र को खोजने निकले तो पता चला की गुरु के पुत्र को पंचजन्य नाम के दैत्य ने अपहरण करके रख लिया है। वह समुद्र के भीतर रहता था। श्रीकृष्ण और बलराम समुद्र के भीतर पहुंचे। वहां उन्होंने पंचजन्य दैत्य से युद्ध किया। उसे मारकर उसकी अस्थियों से बने शंख को बजाते हुए जब वह दोनों यमपुरी पहुंचे तो वहां गुरु सांदीपनी का पुत्र मौजूद था। उन्होंने वहां से उसे मुक्त करवाया और उसे लेकर उज्जैन पहुंचे। गुरु ने जब यह दृश्य देखा तो वह बहुत प्रसन्न हुए। और उन्होंने उन्हें आशीष दिया। इस पूरी कथा का विस्तार से उल्लेख विष्णु पुराण और श्रीमद् भागवद में मिलता है।

महाभारत का युद्ध संसार का सबसे बड़ा युद्ध माना जाता

महाभारत में चक्रव्यूह का जिक्र है। दरअसल चक्रव्यूह बहु स्तरीय रक्षात्मक सैन्य संचालन विधि है। जिसका उपयोग अमूमन प्राचीन काल में युद्ध के दौरान होता था। आज भी हम कई हॉलीवुड और बॉलीवुड, टॉलीवुड की प्रसिद्ध फिल्म बाहुबली में देख सकते हैं। महाभारत का युद्ध उस काल में संसार का सबसे बड़ा युद्ध माना जाता था। इस युद्ध में तरह-तरह के चक्रव्यूह बनाकर युद्ध किया गया। चक्रव्यूह एक तरह से सैनिकों के लिए रक्षाकवच की तरह कार्य करते थे। जिनकी योजना राजा, सेनापति और मंत्री तय करते थे। और सैनिक इसे साक्षात् रूप में बनाते थे। ये चक्रव्यूह ऊंचाई से देखने पर चक्र या पद्म की भांति होते थे। पौराणिक अभिलेखों में इन चक्रव्यूह का चित्रण किया गया है। महाभारत में अभिमन्यू द्वारा बनाया गया चक्रव्यूह काफी मजबूत था, लेकिन अभिमन्यु को चक्रव्यूह में जाने की कला आती थी लेकिन वह उससे बाहर नहीं निकल सकता था। उसे चक्रव्यूह का अधूरा ज्ञान था। यदि वह चक्रव्यूह का विस्तारित ज्ञान जानता तो महाभारत युद्ध का इतिहास थोड़ा अलग होता। अभिमन्यु ने जिस चक्रव्यूह का उपयोग महाभारत युद्ध में किया था, उसका ज्ञान कृष्ण, अर्जुन, प्रद्युम्न व अभिमन्यु को ही था। महाभारत एक धर्मयुद्ध था, जिसमें युद्ध के लिए नियम तय थे। जब अभिमन्यु ने चक्रव्यूह के युद्ध करते 6 द्वार तोड़ दिए और 7वें द्वार पर पहुंचे तो कौरवों के महारथियों ने नियमों को ताक पर रखते हुए। अभिमन्यु का वध कर दिया।

जीवन इच्छाओं से कहीं ज्यादा है और श्रद्धा जीवन से भी बढ़ कर है

श्रद्धा भी एक उपहार है। आप अपने दिल और दिमाग में श्रद्धा थोपने का प्रयास नहीं कर सकते। कभी-कभी, जब आपका दिमाग अपनी बक-बक और नकारात्मकता से श्रद्धा को नकार भी देता है, तब भी आपके अंदर कुछ होता है, जो आपको उस दिशा में धकेलता है।

यदि आप विश्वास को लाने का प्रयास कर रहे हैं, तो कुछ नहीं होगा। अगर आप कहना चाहते हैं कि मैं अपनी श्रद्धा बनाए रखना चाहता हूं। कौन सी श्रद्धा आप बनाए रखना चाहते हैं? फेंक दीजिए श्रद्धा को! आप अपनी श्रद्धा को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। ये कितना बड़ा बोझ है! उल्टा कहिए, मुझे कोई परवाह नहीं है! यदि श्रद्धा है, तो है। यदि श्रद्धा नहीं है, तो नहीं है, आप कर भी क्या सकते हैं? यह सीधी-सी बात है। श्रद्धा भी एक उपहार है। आप अपने दिल और दिमाग में श्रद्धा थोपने का प्रयास नहीं कर सकते। कभी-कभी, जब आपका दिमाग अपनी बक-बक और नकारात्मकता से श्रद्धा को नकार भी देता है, तब भी आपके अंदर कुछ होता है, जो आपको उस दिशा में धकेलता है। जब ऐसा होता है, तो उसे पहचानिए। और यकीन मानिए ऐसा

होता है। आपको उस क्षण में अपनी श्रद्धा के होने का अहसास होता है। आप यह जान पाते हैं कि किसी के प्रति आपके मन में आदर और सम्मान का भाव है। लेकिन अगर कोई कहता है, मैं किसी में विश्वास नहीं करता÷, लेकिन फिर भी वह बैठकर ध्यान करता है और यदि आप उससे पूछेंगे, कि आप ध्यान क्यों कर रहे हैं?, तो वह कहेंगे, मेरे अंदर कुछ है, जो मुझे ध्यान करने के लिए कहता है।÷ एक व्यक्ति कहता है, मैं गुरु में विश्वास नहीं रखता!, लेकिन फिर भी जब गुरुदेव आते हैं, वह कहता है, क्योंकि अब मेरे पास कुछ और करने के लिए नहीं है, तो चलो मैं वहीं चलता हूं।, और वह वहां पहुंच जाता है। कुछ है, जो उस व्यक्ति को उस ओर खींचता है, उसे गुरु की तरफ ले जाता है, या सत्संग में आने पर विवश कर देता है। वह क्या है? आपने यह निर्णय ले लिया, कि आपको श्रद्धा नहीं है, और आपने अपनी श्रद्धा को मिटाने के लिए बहुत जतन कर लिए, या मना करते गए कि आपमें कोई श्रद्धा है, लेकिन फिर भी कुछ ऐसा हुआ, जिसने आपको बांधे रखा। वहीं, आपको सजग हो जाना चाहिए। कि हां, श्रद्धा तो है! इसलिए, श्रद्धा थोपी नहीं जा सकती, वह तो है ही। एक बार जब वह आ जाती है, तो हमेशा रहती है। अगर वह चली जाती है, तो वह आपको दुखी कर देती है। जब आप दुखी हों, तो इतना याद रखिए, श्रद्धा चली गई है, इसीलिए मैं दुःख में हूं और आप दुखी नहीं रहना चाहते। तो इसीलिए, जिस क्षण आप यह ठान लेते हैं, कि मुझे दुखी नहीं रहना÷, तब श्रद्धा वापस आ जाती है। श्रद्धा तो हमेशा से ही थी, बस वह दोबारा प्रकट हो जाती है। यदि आप श्रद्धा को रखने का भरपूर प्रयास करते हैं, तब वह एक बहुत ही मुश्किल काम है। कभी-कभी लोगों को ऐसा लगता है कि वे सिर्फ गुरु या भगवान की वजह से अपनी श्रद्धा बरकरार रखे हुए हैं। भगवान के लिए, इतना याद रखिए, कि वह आप÷ हैं, जो श्रद्धा रखते हैं। याद रखिए, कि यदि आप श्रद्धा नहीं रखते, तो उससे भगवान को कोई फर्क नहीं पड़ता। वह कहता है, ठीक है, विश्वास मत रखो, तो क्या हुआ? मैं तो यहीं हूं! अगर तुम्हें लगता है कि मैं यहां नहीं हूं, तो ठीक है, तुम्हें कुछ भी सोचने की आजादी है।

बहुत से लोग कहते हैं, ओह! मैं भगवान में इतना विश्वास करता हूं। तो क्या हो गया यदि आप इतना विश्वास करते हैं? जो होना है, वो तो होगा ही। हमारी श्रद्धा इतनी खोखली होती है। हमारी श्रद्धा केवल हमारी सुविधा के हिसाब से है, जिससे छोटी-छोटी चीजें हो जाएं। हमारी श्रद्धा, खास तौर से हमारी खुद की इच्छाएं पूरी करने के लिए होती हैं। यदि हमारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं, तब हम कहते हैं, ओह, मुझे श्रद्धा है। यदि वे पूरी नहीं होती, तब हम कहते हैं, मेरी श्रद्धा हिल गई है, मुझे श्रद्धा नहीं है। मैं आपसे कहता हूं, जीवन इच्छाओं से कहीं यादा है और श्रद्धा जीवन से भी बढ़ कर है। श्रद्धा रहती है, और वह तब प्रकट होती है जब आपके अंदर सत्व और सामंजस्य बना होता है। आप सिर्फ इतना कर सकते हैं कि सामंजस्य बनाए रखें, और उचित व्यायाम से, भोजन और ज्ञान से अपने मन को स्वच्छ रखें। ये सब उस दिशा में बढ़ने के लिए आपकी सहायता करेंगे।

परमात्मा भीतर निहित है और हम उसे बाहर खोजते हैं

मनीषियों और संतों ने प्रभु के सुमिरन पर विशेष बल दिया है। इसका अर्थ प्राय: हम परमात्मा के नाम को बार-बार दोहराने से लगाते हैं। परिणामस्वरूप कोई राम-राम दोहराता है, कोई कुछ और। आशय यह कि हम इस पुनरुक्ति को कंठ तक सीमित करके सोचते हैं कि हमें परमात्मा की प्राप्ति हो जाएगी। ऐसी सोच भ्रम के सिवा कुछ भी साबित नहीं होगी। कारण ये कि तब हममें और तोते में कोई फर्क नहीं रह जाएगा। इस संदर्भ में प्रश्न उठता है कि कबीर और नानक जैसे मनीषी भी सुमिरन पर विशेष बल क्यों देते हैं? दरअसल सुमिरन शब्द की उत्पत्ति स्मरण शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है - याद करना। आशय यह है कि जो हमारे पास है ही, किंतु परिस्थितिवश हमें उसकी स्मृति नहीं रही, उसके प्रति हमें बोध हो जाए, उसकी याद आ जाए, तो समझो स्मरण पूरा हुआ। किसकी याद हमें आ जाए? किसको हम भूले हुए हैं? सीधी बात है कि परमात्मा को, स्वयं को ही हम भूले हुए हैं। परमात्मा भीतर निहित है और हम उसे बाहर खोजते हैं, जबकि बाहरी दुनिया में उसकी अनुभूति हो ही नहीं सकती। सच यह है कि परमात्मा की अनुभूति ध्यान के जरिए हो सकती है। उस परमशक्ति को अंतर्मन में तलाशें। परमात्मा को पाना कदाचित इसीलिए कठिन है कि उसे हमने खोया ही नहीं। खोया होता तो पा भी लेते। जो चीज जितने अधिक समय से हमें मिली हुई होती है, उसके प्रति हम उतने ही ज्यादा विस्मरण से भर जाते हैं। हमारी दृष्टि उसी पर अटकी हुई होती है जो हमें नहीं मिली होती। यही कारण है कि सदा-सदा से प्राप्त परमात्मा की ओर हम ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। राम-राम की रट यूं भीतर उतर जाए कि हमें परमात्मा का स्मरण आ जाए। यानी हम स्वयं की स्वयं से पहचान कराने में सफल हो जाएं तो समझें कि सुमिरन पूरा हुआ। इसके सिवा सुमिरन का कोई अर्थ नहीं। सुमिरन पर बल देने का यही अर्थ स्वाभाविक व सार्थक भी है। सभी नाम परमात्मा के ही हैं। किसी एक का नाम रहते, स्मरण करते हुए स्मरण रूपी लौ अंतर्मन में उतर जाए तो हमें परमात्मा की प्राप्ति यानी अमृत उपलब्ध हो जाए। इसी बोध को जगाने में जो हमारी मदद करे, वही सच्चा गुरु या सद्गुरु है।

हेल्थ प्लस

डिप्रेशन भगाएँ प्राणायाम से

'डिप्रेशन' यानी नैराश्य, यानी मन और मानस का असहयोग, यानी प्रकृति से तादात्म्य न हो पाना या जीवन से आस्था उठ जाना। डिप्रेशन यानी जीने का नकारात्मक रवैया, स्वयं से अनुकूलन में असमर्थता आदि। जब ऐसा हो जाए तो उस व्यक्ति विशेष के लिए सुख, शांति, सफलता, खुशी यहाँ तक कि संबंध तक बेमानी हो जाते हैं। उसे सर्वत्र निराशा, तनाव, अशांति, अरुचि का ही आभास होता है।

यदि ऐसा क्षणिक हो तो उसे स्वाभाविक या व्यावहारिक मानना होगा, किंतु यह मनःस्थिति और मानसिकता अगर सतत बनी रहे तो परिणाम निश्चित तौर पर घातक होंगे। यह प्रतिकूलता व्याधि और विकृति को जन्म देगी। जीवन तक को नकार सकता है ऐसा व्यक्ति। पहले समाज, फिर परिवार और अंत में स्वयं से कटने लगता है वह।

'डिप्रेशन' का कारण वातावरण परिस्थिति, स्वास्थ्य, सामर्थ्य, संबंध या किसी घटनाक्रम से जुड़ा हो सकता है। शुरुआत में व्यक्ति को खुद नहीं मालूम होता, किंतु उसके व्यवहार और स्वभाव में धीरे-धीरे परिवर्तन आने लगता है। कई बार अतिरिक्त चिड़चिड़ापन, अहंकार, कटुता या आक्रामकता अथवा नास्तिकता, अनास्था और अपराध अथवा एकांत की प्रवृत्ति पनपने लगती है या फिर व्यक्ति नशे की ओर उन्मुख होने लगता है।

ऐसे में जरूरी है कि हम किसी मनोचिकित्सक से संपर्क करें। व्यक्ति को खुशहाल वातावरण दें। उसे अकेला न छोड़ें तथा छिद्रान्वेषणकर्ता न करें। उसकी रुचियों को प्रोत्साहित कर, उसमें आत्मविश्वास जगाएँ और कारण जानने का प्रयत्न करें।

मैत्रीपूर्ण वातावरण में प्रभावोत्पादक तरीके से जीवन की सच्चाई उसके सामने रखें और आत्मीयता से उसे 'प्राणायाम' के लिए राजी करें। सर्वप्रथम पदमासन करवाएँ। फिर प्राणायाम के छोटे-छोटे आवर्तन करवाएँ। बीच में गहरी श्वास लेने दें। आप देखेंगे 'डिप्रेशन' घटता जा रहा है। चित्त शांत हो रहा है। नाड़ीशोधन प्रा णायाम के पश्चात ग्रीष्मकाल में 'शीतली' और शीतकाल में सावधानी से 'भस्त्रिका' प्राणायाम करवाएँ।

प्राणायाम के दो आवर्तनों के पश्चात नाद करवा दें। प्रथम स्तर पर 'ओ' दीर्घ करवाएँ, जिससे ग्रीवा के अंदरूनी स्नायु कंपन, लय और बल पाकर सहज हों। तत्पश्चात 'ओ' लघु से दीर्घनाद करवाएँ। इसके कंपन मस्तिष्क, अधर-ओष्ठ और तालू को प्रभावित करेंगे। अनुभूत आनंद से चेहरे के खिंचाव और तनाव की स्थिति स्वतः जाती रहेगी। यदि ऐसा होने लगे तो समझिए आप कामयाब हो रहे हैं अपने 'मिशन' में। इसके बाद थोड़ा विश्राम। फिर श्वासन। अनिद्रा जनित 'डिप्रेशन' का रोगी ऐसे में सोना चाहता है। उसे भरपूर नींद ले लेने दें।

ये प्रक्रियागत परिणाम तुरंत प्राप्त होते हैं। इनके दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए प्रयत्न में निरंतरता रखी जानी अनिवार्य है। सदैव अनुभवसिद्ध योग विशेषज्ञ ही से संपर्क किया जाना चाहिए।

चायनीज स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

चायनीज खाने के शौकीनों के लिए यह बुरी खबर है। अमेरिका में किए गए परीक्षणों में चाइनीज खाने को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है, क्योंकि इनमें सोडियम की मात्रा ज्यादा और कैलोरी की मात्रा कम होती है। इससे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुँचने का अंदेशा बताया गया है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा किए गए परीक्षणों की रिपोर्ट में चाइनीज सॉस चिकन का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि एक औसत युवा व्यक्ति को दिनभर में जितनी कैलोरी की जरूरत होती है, उससे केवल आधी कैलोरी इसमें होती है। इसमें सोडियम की मात्रा भी 40 प्रतिशत ज्यादा होती है, जो चिंताजनक बात है।

इसके अलावा सब्जी और बटरयुक्त फ्राइड चिकन में 1300 कैलोरी, 3200 मिलीग्राम सोडियम और 11 ग्राम सैचुरेटेड फेट होता है। सेंटर फॉर साइंस इन पब्लिक इंटरस्ट के डायरेक्टर बोनी लिबमैन कहते हैं कि हमारी रिपोर्ट सारा दोष चाइनीज भोजन को नहीं देती है, लेकिन जो हकीकत है वह हम बता रहे हैं।

हृदय रोग और टमाटर

टमाटर खाइए और स्वस्थ रहिए

लाल-लाल टमाटर किसे नहीं भाता? खट्टे-मीठे स्वाद वाले टमाटर के बारे में यह विवाद रहा है कि यह फल है या सब्जी? पर चाहे जो भी हो सारे विश्व में लोग इसके दीवाने रहे हैं। और दीवाने क्यों न हों? इसमें रुप और स्वाद के साथ-साथ अनेक गुण भी तो मौजूद हैं।

योरप में 1,379 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि जो लोग भोजन में अधिक लाइकोपीन (जो टमाटर में पाया जाता है) लेते हैं, उनमें हृदयाघात के खतरे कम होते हैं। अध्ययन में शामिल अधिकांश लोग प्रौढ़ावस्था के थे और उनमें से 662 को दिल का दौरा पड़ चुका था। अध्ययन के अंतर्गत शरीर में लाइकोपीन की उपस्थिति की मात्रा का आकलन किया गया था।

योरप में 1,379 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि जो लोग भोजन में अधिक लाइकोपीन (जो टमाटर में पाया जाता है) लेते हैं, उनमें हृदयाघात के खतरे कम होते हैं।

बीटा केरोटीन की तरह लाइकोपीन भी वसा में घुलने वाला पदार्थ है, जो आँतों में सोखा जाता है। लाइकोपीन की सुरक्षा क्रिया इसके प्रभावशाली ऑक्सीकरण रोधक के रूप में है, जिससे फ्री रेडिकल्स के द्वारा कोशिकाओं, अणुओं और जीन्स की क्षति रुकती है। फ्री रेडिकल्स अत्यधिक प्रतिक्रियात्मक अणु हैं, जो रक्त प्रवाह में अन्य पदार्थों से मिलकर हानि पहुँचाते हैं।

उदाहरण के लिए इनमें कोलेस्टरोलिमोआ धमनियों में जम जाता है और आघात का कारण बन सकता है। यह जेनेटिक परिवर्तन करके कैंसर उत्पन्न कर सकता है। फ्री रेडिकल क्षति से सूर्य प्रकाश के कारण होने वाला कैंसर अथवा ओजोन जैसे प्रदूषण में साँस लेने से फेफड़ों की बीमारियाँ हो सकती हैं। अब प्रदूषण भरे वातावरण से बचना हो या हृदय रोग को दूर रखना हो या कोलेस्ट्रल से बचना हो तो खूब टमाटर खाइए और स्वस्थ रहिए।

घरेलू नुस्खे : अवश्य आजमाएँ

- दाढ़ में दर्द हो तो लौंग का तेल लगाने से दर्द समाप्त होगा।
- तेज सिरदर्द होने पर पीपरमेंट गर्म करके सिर पर लगाने से आराम मिलता है।
- हिचकी आने पर तुलसी व शकर खाकर पानी पीने से लाभ होगा।
- मुँह में छाले होने पर नारियल खाने से छाले शीघ्र ठीक हो जाते हैं।
- भूख नहीं लगती है तो सौंफ के चूर्ण में शहद मिलाकर दिन में दो बार एक-एक चम्मच खाएँ।
- मसूड़े फूल जाने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर अहिस्ता-आहिस्ता मसूड़ों पर मसाज करने से तकलीफ खत्म हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा के लिए कैसी हो डाइट

उचित आहार चमकती त्वचा का राज

इसमें कोई दो राय नहीं है कि एक संतुलित डाइट न केवल आपके सेहत के लिए लाभप्रद है बल्कि यह आपके स्किन के लिए फायदेमंद है। एक तनावपूर्ण जिंदगी और एक उचित डाइट की कमी के कारण आपकी त्वचा रूखी हो जाती है और कई त्वचा की परेशानियाँ उत्पन्न होने लगती हैं जैसे रैशेज, रुखापन, आँखों के नीचे काले घेरे और मुँहासे आदि।

वैसे अन्य कई कारण भी हैं जो हमारी त्वचा को नुकसान पहुँचाते हैं। हार्मोनल परिवर्तन, जेनेटिक समस्या और गर्भावस्था के समय भी हमारे स्किन को प्रभावित करते हैं।

लेकिन एक 70 प्रतिशत से अधिक परिस्थितियों में अस्वस्थ त्वचा के लिए अनुचित डाइट ही उत्तरदायी होता है। वैसे तो विभिन्न प्रकार की त्वचा के लिए विभिन्न डाइट्स की जरूरत होती है। लेकिन एक स्वस्थ त्वचा के लिए आवश्यक चीजों की सूची निम्नलिखित है:

- आपको अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। क्योंकि पानी ही स्किन के लिए एक सर्वश्रेष्ठ औषधि है। यह न केवल आपको रिफ्रेश करता है बल्कि आपकी त्वचा को एक अद्भुत चमक प्रदान करता है।
- जिस तरह हमारे शरीर को ऑक्सीजन की जरूरत है ठीक उसी तरह हमारे स्किन के लिए विटामिन की आवश्यकता है। कुछ विटामिन के नाम निम्नलिखित है जो आपकी त्वचा की चमक को बरकरार रखने में मदद करता है...

1. **विटामिन सी :** यह सभी रसदार फलों में पाया जाता है जैसे संतरा, नींबू, मौसंबी
2. **विटामिन ए :** इसके प्रमुख स्त्रोत हैं- पपीता, संतरा, एग्यॉर्क
3. **विटामिन बी :** यह फलों सहित सभी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाता है।
4. **विटामिन ई :** यह मूँगफली, और अन्य आइल सीड्स में पाया जाता है।

एक स्वस्थ स्किन को बनाए रखना इतना मुश्किल नहीं है। बस जरूरत है तो स्किन का ध्यान रखने की, और अपने खाने में सभी जरूरी तत्वों को शामिल करने की। आप एक डाइट स्पेशलिस्ट के पास जा सकते हैं और अपने लिए एक संतुलित डाइट चार्ट भी बनवा सकते हैं।

लू से बचने के घरेलू उपाय

असरकारी घरेलू नुस्खे

गरमी के दिनों में गरम हवाएँ चलती हैं, इसे लू कहते हैं। इन्हें कुछ लोग तो सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग सहन नहीं कर पाते और लू का शिकार हो जाते हैं।

लू की घरेलू चिकित्सा यहाँ प्रस्तुत है-

- धनिए को पानी में भिगोकर रखें, फिर उसे अच्छी तरह मसलकर तथा छानकर उसमें थोड़ी सी शकर मिलाकर पीने से गरमियों में लू से राहत मिलती है।
- मेथी की सूखी पत्तियों को ठंडे पानी में कुछ समय भिगोकर रखें, बाद में उसे हाथ से मसलकर छान लें, इस पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर दो-दो घंटे पर रोगी को पिलाएँ, इससे लू से तुरंत छुटकारा मिलता है।
- इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान लें। इस पानी में शकर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।
- भुना हुआ आम और प्याज पीसकर लेप करना लाभदायक होता है।

घर में बनाएँ दर्दनाशक तेल

तुरंत आराम के लिए घरेलू दर्दनाशक तेल

शरीर के किसी भी हिस्से में कई बार दर्द का अहसास होता है। अधिकतर लोग पेन किलर लेकर दर्द को भगाने की कोशिश करते हैं।

पेन किलर हानिकारक भी हो सकती हैं, इनका सेवन न ही करें तो अच्छा है। वैसे दर्द दूर करने के लिए आप घर पर ही दर्दनिवारक तेल बना सकते हैं, तेल बनाने की विधि इस प्रकार है-

एक साफ काँच की शीशी में 50 ग्राम तारपीन का तेल और 20 ग्राम कपूर डालकर ढक्कन बंद कर दें और धूप में रख दें। दो-तीन बार बोतल को हिला दें, ताकि कपूर पिघल जाए।

एक बर्तन में सरसों का तेल 50 ग्राम, कुटा हुआ लहसुन पेस्ट एक बड़ा चम्मच तथा छोटा आधा चम्मच सेंधा नमक डालकर धीमी आँच पर इतनी देर तक गरम करें कि लहसुन काला पड़ जाए। इसे ठंडा कर छान लें व शीशी में रख लें।

एक अन्य तीसरी शीशी में अजवायन का सत, कपूर और पोदीने का सत तीनों एक-एक छोटा चम्मच डालकर रखें। जब तीनों पिघल जाएँ तो इसमें एक छोटा चम्मच नीलगिरि का तेल डालकर हिलाएँ।

इस तरह तीनों तेल अलग-अलग तैयार करें व मिला लें तथा एक बड़ी शीशी में भर लें। तेल तैयार है, शरीर में कहीं भी दर्द हो तो इस तेल की मालिश से वह दूर हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यवसायिकता का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रखें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद होगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरुनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 4046

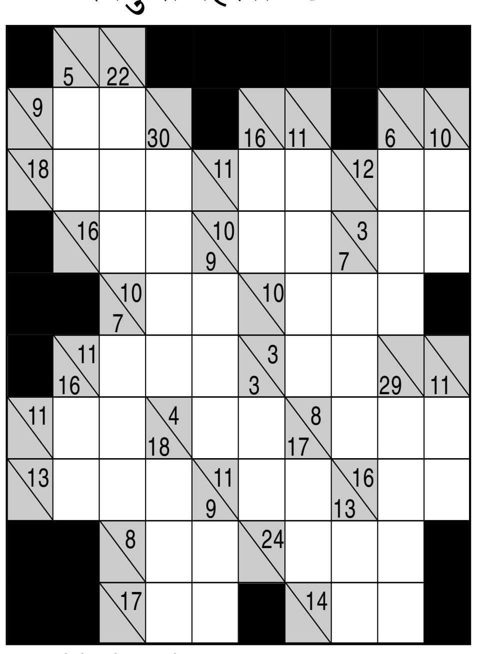

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो -4045 का हल

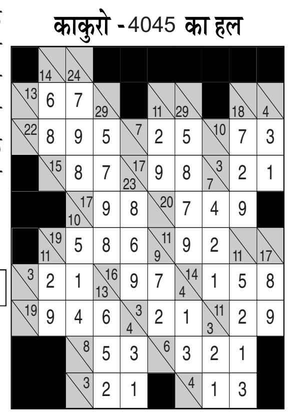

लॉफिंग जोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफी करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

फिल्म वर्ग पहेली- 4046

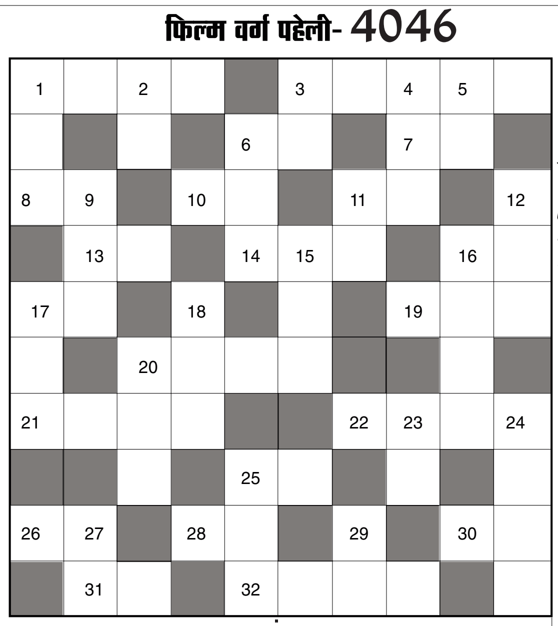

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली फिल्म-२
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'चाहत' के निर्देशक कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रस्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरुख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉटगन्स, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4045

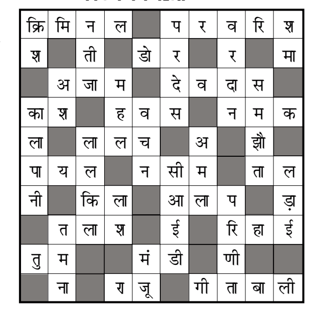

सूडोकू 4046

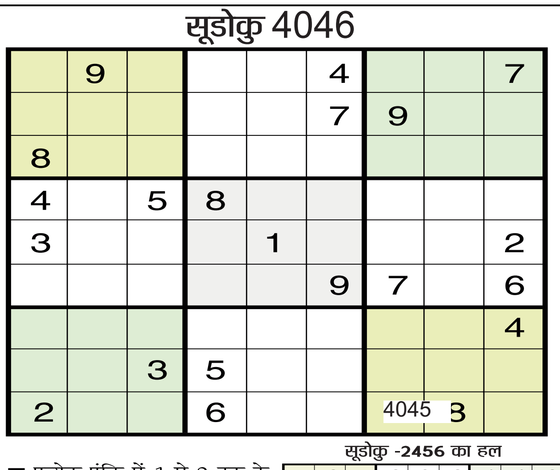

सूडोकू -2456 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
6	5	8	7	2	4	6	3	1
9	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली -4046

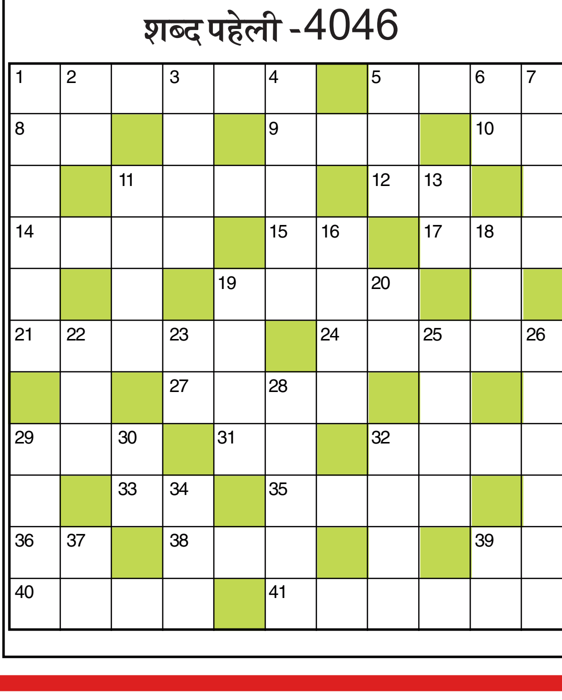

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.तख्ता, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पक्ष प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.रानी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 4045 का हल

उत्तराखंड को कृषि विकास का तोहफाः वैज्ञानिकों की 2000 टीमें होंगी तैनात

एजेंसी

देहरादून। केन्द्रीय कृषि, कृषक कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ मुख्यमंत्री आवास पर कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग की केन्द्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस दौरान कई अहम मुद्दों और योजनाओं पर चर्चा हुई।केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों तक वैज्ञानिकों की पहुंच सुनिश्चित कराए जाने के लिए वैज्ञानिकों की 2 हजार टीमें बनाई जा रही हैं। वैज्ञानिकों की टीमें देश के प्रत्येक जनपद में जाकर वहां की भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से उत्पादन में वृद्धि, किसानों को आधुनिक खेती और तकनीकी से जोड़ने, कृषि और बागवानी से जुड़े विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी देंगी। उन्होंने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उत्तराखंड में अच्छा कार्य हो रहा है। राज्य में कृषि का क्षेत्रफल घटा है, लेकिन उत्पादन बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि के क्षेत्र में लंबी अवधि की कार्ययोजना पर कार्य किया जाए, इसके साथ ही राज्य में तात्कालिक रूप से कृषि के क्षेत्र में जो कार्य होने हैं, उनके लिए भारत सरकार से जो अपेक्षा है, उसका प्रस्ताव भेजा जाए।

श्रीनगर पुलिस ने जिले में कई आवासों की ली तलाशी

श्रीनगर। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के सहयोगियों के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों की जांच को आगे बढ़ाते हुए श्रीनगर पुलिस ने जिले में कई आवासों की तलाशी ली है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बशीर अहमद भट निवासी सोजीथजो, तौहीद अहमद निवासी गोरीपोरा सोजीथ, आशिक बशीर नजर नवासी सोइतेंग, सालिक मेहराज निवासी सोइतेंग, उमर आदिल डार निवासी सोइतेंग, बिलाल अहमद मीर उर्फ फफू निवासी परिमपोरा, बुरहान नजीर खुशू निवासी बेरूनी काठीदरवाजा रैनावाड़ी, आशिक मलिक निवासी पंजीनारा, इश्फाक अहमद वानी निवासी हमदानिया कॉलोन सेक्टर 4/ए, मुदासिर अहमद मीर निवासी मलिकपोरा बरथाना, इरफान अहमद लोन निवासी बिलाल कॉलोनी कमरवारी, नसीर अहमद मीर निवासी सदरबल हजरतबल के आवासों पर तलाशी ली गई। इन सभी के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में अलग-अलग धाराओं व एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। प्रवक्ता के अनुसार तलाशी जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों की देखरेख में कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में उचित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार की गई।

राजाजी टाइगर रिजर्व में कॉर्बेट से लाया गया पांचवां बाघ छोड़ा गया, पहला चरण पूरा

हरिद्वार। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से लाया गया पांचवां बाघ राजाजी टाइगर रिजर्व के मोतीचूर रेंज में रिलीज कर दिया गया। यह बाघ 1 मई को बिजरानी रेंज से ट्रेंकुलाइज कर लाया गया था। परीक्षणों के बाद इसे राज्य के वन मंत्री सुबोध उनियाल की उपस्थिति में जंगल में छोड़ा गया।राजाजी पार्क के पश्चिमी क्षेत्र की सात रेंजों में बाघों की संख्या शून्य थी। इस स्थिति को सुधारने के लिए बाघों के ट्रांसलोकेशन की योजना बनाई गई थी, जिसका पहला चरण वर्ष 2020 में शुरू हुआ था। यह चरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया।अब तक तीन मादा और दो नर बाघों को राजाजी पार्क में छोड़ा जा चुका है। आज रिलीज किए गए पांच वर्षीय नर बाघ से उम्मीद है कि इस क्षेत्र में जल्द ही बाघों की संख्या बढ़ेगी।इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा आज का दिन राजा जी के लिए ऐतिहासिक रहा। टाइगर ट्रांसलोकेशन का पहला चरण आज पूरा हुआ है। अब राजा जी में बाघों का कुनबा भी बढ़ेगा और यहां आने वाले सैलानियों की संख्या में भी इजाफा होगा। इस कार्य को करने के लिए सभी अधिकारियों ने बखूबी मेहनत की है। वे सभी बधाई के पात्र हैं।इस मौके पर चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन रंजन कुमार मिश्रा, निदेशक कोर्बेट पार्क साकेत बडोला, निदेशक राजाजी पार्क कोको रोसे,वार्डन अजय लिंगवाल, वार्डन चित्रांजलि नेगी आरओ मोतीचूर महेश सेमवाल, आरओ रामगढ अजय ध्यानी, दिनेश डुंगरियाल, आशीष गौर, मनोज चौहान, दिव्यांसा, ज्योति, नीरज सहित कई वन कर्मी मौजूद रहे।

हरियाणा को अतिरिक्त पानी नहीं देगा पंजाब, विधान सभा में प्रस्ताव पारित

चंडीगढ़। हरियाणा के साथ छिड़े जल विवाद को लेकर पंजाब विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र के दौरान पंजाब के सभी राजनीतिक दलों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए फैसला लिया कि हरियाणा को अतिरिक्त पानी नहीं दिया जाएगा और भाखड़ा डैम को लेकर बनाए गए सेफ्टी एक्ट को पंजाब स्वीकार नहीं करेगा। विधानसभा में उस समय माहौल गरमा गया जब आम आदमी पार्टी के विधायक अमृतपाल सिंह सुखानंद ने बीबीएमबी द्वारा हरियाणा को पानी दिए जाने के संबंध में जारी किए गए आदेशों की प्रति फाड़कर सदन में लहराई। दिन भर चली विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सभी दलों ने कहा कि भाखड़ा डैम पंजाब की सीमा में बना हुआ है, इसलिए डैम की सुरक्षा को लेकर किसी तरह के भी नियम का पालन करना या नियम बनाना पंजाब सरकार के अधीन होना चाहिए। पंजाब का हरियाणा के साथ पिछले कई दिनों से भाखड़ा डैम जल विवाद चल रहा है।

किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर तय होगा चीनी मिलों का कमांड एरियाः मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चीनी मिलों को गन्ना खरीद के लिए आवंटित कमांड एरिया का निर्धारण उनके द्वारा किसानों को किये जा रहे गन्ना मूल्य भुगतान के रिकॉर्ड के आधार पर किया जाए। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसानों को समयबद्ध भुगतान मिले। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जो मिलें भुगतान में देरी या हीलाहवाली करें, उनके विरुद्ध सख्ती होगी। यह निर्देश मुख्यमंत्री ने चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में विभागीय प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गन्ना मूल्य भुगतान, उत्पादकता, आधारभूत संरचना, रोजगार और भावी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर गन्ना पैदावार के लिए किसानों को उन्नत किस्म के बीज समय पर उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), चीनी मिलों और गन्ना समितियों को मिलकर कार्य करना होगा। मिल प्रतिनिधियों, समिति पदाधिकारियों और केवीके के अधिकारियों को खेतों का दौरा कर फसल का अवलोकन करना चाहिए

और किसानों से सतत संवाद बनाए रखना चाहिए। साथ ही, किसान गोष्ठियों में मंत्रीगण की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने गन्ना समितियों को और सशक्त करने की आवश्यकता भी जताई। मुख्यमंत्री ने वर्तमान 142 कार्यदिवसों को बढ़ाकर 155 दिन करने की जरूरत बताई, साथ ही, कोऑपरेटिव व फेडरेशन की चीनी मिलों की गहन समीक्षा के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इन मिलों की उत्पादन क्षमता के साथ-साथ वहां कार्यरत कार्मिकों की योग्यता का भी आकलन किया जाएगा।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मिलवार अद्यतन गन्ना मूल्य भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। जानकारी दी गई कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक ?2,85,994 करोड़ का भुगतान हुआ है, जो 1995-2017 के ?2,13,520 करोड़ की तुलना में ?72,474 करोड़ अधिक है। वर्ष 2024-25 में निर्धारित ?34,466.22 करोड़ में से 83.8त्र यानी ?28,873.55 करोड़ का भुगतान 2 मई तक संपन्न हो चुका है। मुख्यमंत्री ने भुगतान चक्र को और सुचारु बनाने के निर्देश दिए ताकि सभी किसानों को शीघ्र और पूर्ण भुगतान मिल सके।गन्ने के क्षेत्रीय विस्तार की जानकारी देते हुए बताया गया कि 2016-17 में गन्ना क्षेत्रफल 20.54 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर हो गया है। इसी अवधि में उत्पादकता भी 72.38 टन/हेक्टेयर से बढ़कर 84.10 टन/हेक्टेयर तक पहुंची है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उत्पादन और उत्पादकता में दो गुना वृद्धि की पूरी संभावना है, यदि सुनियोजित प्रयास किए जाएं। उन्होंने गन्ना किसानों के हित में पारदर्शिता, समयबद्धता और तकनीक आधारित नवाचार को सरकार की प्राथमिकता बताया और सभी संबंधित पक्षों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए।

सुहास शेट्टी हत्याकांड में विदेशी संलिप्तता का खुलासा जांच के बादः जी. परमेश्वर

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या में विदेशी संलिप्तता होने के बारे में फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में जांच पूरी होने के बाद ही कुछ भी बोलना उचित होगा। बेंगलुरु में विदेशी संलिप्तता के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, ये सब जांच से पता चलेगा। हर कोई बयान दे रहा है। जांच पूरी होने के बाद पूरी जानकारी मिल पाएगी।

सुपारी किसने दी और कितनी दी, ये सब जांच के बाद पता चलेगा। हम अटकलें नहीं लगा सकते और सबूत के बगैर बात नहीं कर सकते। सुहास शेट्टी को राउडीशीटर कहे जाने पर भाजपा की आपत्ति पर उन्होंने कहा, वह राउडीशीटर श्रेणी में पंजीकृत है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उसे और क्या कहा जा सकता है? कुछ हिंदू नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर धमकी

भरे पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि इस बारे में एडीजीपी को निर्देश दे दिए गए हैं। जिसने भी धमकी दी है, उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौतीः उपराष्ट्रपति

एजेंसी

सिरसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक संकट करार देते हुए कहा कि स्वस्थ वन स्वस्थ जीवन का आधार हैं। यदि किसी देश के वन अच्छी स्थिति में हैं तो उस देश के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हमें अपने वनों की रक्षा करने में हर संभव योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है। वह कर्नाटक के सिरसी स्थित वानिकी महाविद्यालय में 'राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका' विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन नहीं कर सकते। हमें खुद को सिर्फ़ न्यूनतम ज़रूरतों तक सीमित रखना चाहिए। हम सभी को इसके बारे में जागरूक होने की ज़रूरत है।

कृषि हमारी जीवन रेखा जरूर है, लेकिन हमें वनों की भी आवश्यकता है, क्योंकि वे जलवायु को नियंत्रित करते हैं। साथ ही आपदाओं को कम करते हैं और आजीविका का सहयोग करते हैं । यह वन महाविद्यालय अपनी स्थानीय प्राकृतिक संपदा को संरक्षित कर रहा है और नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दे रहा है। आज की पीढ़ी के लिए ऐसे संस्थानों की बहुत आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिमी घाट की कोमल गोद में फैले सिरसी वन महाविद्यालय ने अपनी अनूठी शिक्षा पद्धति, हरित पर्यावरण और जैव विविधता संरक्षण गतिविधियों के कारण न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया है। यह कोई कक्षा नहीं, बल्कि प्रकृति अध्ययन समूह है। बिना दीवारों वाली ये कक्षाएं विद्यार्थियों में उत्साह, संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति जागरूकता विकसित करती हैं।

पाकिस्तान नहीं आ रहा बाज, जम्मू-कश्मीर में फिर तोड़ा संघर्ष विराम

एजेंसी

श्रीनगर/नई दिल्ली। पहलगाम पर आतंकवादियों से हमला करवा कर 26 पर्यटकों की मौत का जिम्मेदार पाकिस्तान नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हरकत करने से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तान की फौज ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। तनाव की गंभीरता के मद्देनजर केंद्र सरकार ने देश के 244 में जिलों में नागरिक सुरक्षा पूर्वाभ्यास कराने का फैसला लिया है।

भारतीय शीर्ष सैन्य अफसर के अनुसार, पांच और छह मई की रात पाकिस्तान की सेना ने फिर संघर्ष विराम तोड़ा। पहलगाम हमले के बाद लगातार 12वें दिन जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया पाकिस्तान की फौज ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार चौकियों से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी उचित तरीके से जवाब दिया है। इससे पहले, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों को निशाना बनाकर गोलाबारी की। सुरक्षाबलों ने इसका कड़ा जवाब दिया। पिछले 12 दिन से पाकिस्तान की सेना ने कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर सहित अन्य सेक्टरों में करीब 40 बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया है। इससे जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांवों में तनाव है। इस बीच केंद्र सरकार ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ

उपजे ताजा तनाव के बीच नागरिक सुरक्षा तैयारियों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सात मई को 244 वर्गीकृत जिलों में नागरिक सुरक्षा अभ्यास और पूर्वाभ्यास आयोजित करने का फैसला किया है। मुख्य सचिवों को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि अभ्यास का मकसद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नागरिक सुरक्षा तंत्र की तैयारियों का आकलन करना और उसे सुदृढ़ करना है।

नक्सलियों से वार्ता की वकालत करना कांग्रेस की दोहरी नीतिः केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री

एजेंसी

करीमनगर। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार ने कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जिसने कभी नक्सलियों पर प्रतिबंध लगाया था, वही आज उनके साथ वार्ता की वकालत कर रही है। यह कांग्रेस की दोहरी सोच का जीवंत उदाहरण है। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने निर्दोषों को मारने वालों को सामाजिक दृष्टिकोण से देखने की मानसिकता पर दुख जताया। उन्होंने सवाल किया कि बंदूक उठाकर लोगों को मारने वालों से बातचीत करने का औचित्य क्या है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री कुमार कागज़नगर से करीमनगर जाते समय रामगुंडम के पास पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले केन्द्रीय राज्यमंत्री ने स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिले और विचार विमर्श किया। केन्द्रीय राज्यमंत्री बंडी संजय कुमार ने पत्रकारों को बताया कि 'पिछले दस वर्ष में नरेन्द्र मोदी सरकार ने तेलंगाना के विकास के लिए 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए ही 1,25,485 करोड़ खर्च किए गए। इसके अलावा रेलवे विकास के लिए 32,000 करोड़ और धान की खरीद के लिए 1.6 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी कांग्रेस यह झूठ फैला रही है कि केन्द्र सरकार ने एक पैसा भी नहीं दिया। हमारे पास हर खर्च का हिसाब है। जिसे हम सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने को तैयार हैं। हमने बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन वे सामने नहीं आए। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपनी छह गारंटियों पर पूरी तरह विफल रही है। अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए केन्द्र सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार कर रही है और जातिगत जनगणना के नाम पर एक नया नाटक कर रही है। उन्होंने कहा कि वास्तव में राज्य सरकार ने कोई जाति जनगणना नहीं करवाई। केवल एक अधूरी सर्वेक्षण प्रक्रिया की जिसमें मात्र 50 प्रतिशत घरों तक ही पहुँचा गया। न तो यह जनगणना थी, न ही यह किसी तरह का व्यापक पारिवारिक सर्वे था। बंडी ने कहा कि इस तथाकथित जाति सर्वे के जरिए पिछड़े वर्गों के साथ गंभीर अन्याय किया गया। बीसी आबादी 52 फीसद होते हुए भी इसे 46फीसद बता दिया गया। 42 फीसद आरक्षण में से 10 फीसद मुस्लिमों को देकर खुला धोखा किया गया। उन्होंने कहा कि इन्हीं कारणों को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार अब घर-घर जाकर, जनगणना की तर्ज पर जातिगत जनगणना करा रही है ताकि बीसी समाज के साथ हुआ अन्याय सुधारा जा सके और उनकी सही जनसंख्या का आकलन हो सके। नक्सल कार्रवाई को रोककर उनके साथ शांति वार्ता करने को नाटक बताते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि क्या यह सच नहीं कि नक्सलियों पर सबसे पहले प्रतिबंध कांग्रेस सरकार ने ही लगाया था।

नैनीताल में बारातियों की गाड़ी खाई में गिरी, चार की मौत

एजेंसी

नैनीताल। जनपद के दूरस्थ ओखलाकांडा क्षेत्र में एक बोलेरो वाहन बारात ले जाते समय खाई में गिर गया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार हल्द्वानी स्थित डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में चल रहा है। घटना दोपहर करीब 1:30 बजे कौंता-पटरानी मोटर मार्ग पर हुई। ओखलाकांडा के तोक आम चौगुनिया से पटरानी जा रही आठ बारातियों से भरी बोलेरो अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। दुर्घटना में एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि घायलों को 108 एंबुलेंस सेवा से हल्द्वानी भेजा गया, जहां इलाज के दौरान एक और व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। बाद में चौथे व्यक्ति की भी मौत की पुष्टि हुई। अस्पताल में चार गंभीर घायलों का उपचार चल रहा है।दुर्घटना में 65 वर्षीय डुंगर राम, पुत्र बिशन राम, निवासी मेवाड़ गाजा ककोड़, पटरानी निवासी 60 वर्षीय पनुली देवी पत्नी बाली राम व गलनी गाजा निवासी 48 वर्षीय दीवान राम पुत्र राम लाल समेत अन्य एक की मौत हुई है। स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की सहायता की मांग की है। उप जिलाधिकारी केएन गोस्वामी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

केदारनाथ यात्राः घोड़े-खच्चरों पर 24 घंटे की रोक, पशुओं में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस की शिकायत

एजेंसी

देहरादून/रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा में संचालित हो रहे घोड़े-खच्चरों पर 24 घंटे की रोक लगा दी गई है। पशु पालन विभाग ने पशुओं में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस की शिकायत आने पर यह निर्णय लिया है। विगत दिनों 14 घोड़े-खच्चरों की मृत्यु के चलते जिला प्रशासन तुरंत अलर्ट मोड में आ गया है। केदारनाथ यात्रा के 3 दिनों के भीतर दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एक लाख को पार कर गई है।पशुपालन विभाग के सचिव डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम शाम देहरादून से जनपद रुद्रप्रयाग पहुंचे और जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि यात्रा में हो रही घोड़े-खच्चरों की

मृत्यु के कारणों को जानने एवं अग्रिम उपायों के लिए केन्द्र सरकार से चिकित्सकों का दल जनपद रुद्रप्रयाग पहुंच रहा है। डॉ पुरुषोत्तम ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में पशुपालन विभाग पिछले एक महीने से लगातार आवश्यक कदम उठा रहा है और 04 अप्रैल से 30 अप्रैल के मध्य विभाग ने लगभग 16,000 घोड़े-खच्चरों की स्क्रीनिंग की और स्क्रीनिंग में नेगेटिव आने के पश्चात ही घोड़े खच्चरों को यात्रा में शामिल होने की अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया को 04 मई को 08 और 05 मई को 06 घोड़े खतरों के मृत्यु हुई है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि पशुओं की मृत्यु को रोकने और इसकी जांच के लेकर भारत सरकार से वैज्ञानिकों का एक दल कल रुद्रप्रयाग पहुंच जाएगा। ऐसे में निर्णय लिया गया है कि आगामी 24 घंटे में पशुओं के संचालन पर पूर्णतया रोक रहेगी। जिस दौरान अस्वस्थ पशुओं को पृथक कर क्वारंटाइन किया जाएगा और राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान हिसार को प्रेषित की गई जांच रिपोर्ट आने तक रोक जारी रहेगी। रोक हटाने संबंधी निर्णय जांच रिपोर्ट आने के बाद ही लिया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अस्वस्थ पशु को अलग रखने एवं अस्वस्थ पशु से कार्य ना कराने का उत्तर दायित्व पूर्णतः पशु मालिक का होगा। यदि ऐसा किया जाता है तो संबंधित पशु मालिक के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

राजस्थान के 85 रेलवे स्टेशनों को 'अमृत भारत योजना' में किया जा रहा विकसितः अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संक्षिप्त जोधपुर दौरे के दौरान जोधपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन के पुनर्निर्माण से जुड़ी परियोजनाओं, यात्री सुविधाओं और संरचनात्मक बदलावों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान के 85 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत योजना में विकसित किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे एक नया इतिहास रच रही है। मोदी सरकार आने वाले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए रेलवे के ढांचे का व्यापक पुनर्निर्माण कर रही है। बीते दस वर्षों में राजस्थान में 3,784 किलोमीटर नई रेलवे पटरियां बिछाई गई हैं जो डेनमार्क जैसे समृद्ध देश

की कुल रेल नेटवर्क के बराबर है। प्रदेश में रेलवे का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है और 85 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक रूप दिया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी से स्टेशन डिज़ाइन में जोधपुर की सांस्कृतिक धरोहर को शामिल करने के बारे में जानकारी ली। डीआरएम ने बताया कि पुरानी इमारत के क्लॉक टावर को नई बिल्डिंग में समाहित किया गया है और उसका मूल स्वरूप बरकरार रखा जाएगा। स्टेशन पर फ्लाईओवर जैसी एंट्री सुविधा, बेहतर पार्किंग, यात्री प्रतीक्षा स्थल और आधुनिक स्टॉल्स विकसित किए जा रहे हैं। पहले के दौर में स्टेशनों के सुधार को केवल रंगरोगन तक सीमित रखा जाता था। अब 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत देशभर के स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने मज़ाकिया लहजे में कहा कि अब जोधपुर का मिर्ची बड़ा और गुलाब जामुन भी स्टेशन पर आसानी से मिलेगा। इस दौरान रेल मंत्री ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों से बातचीत कर सुविधाओं की जानकारी ली। जैसलमेर निवासी एक यात्री ने लिफ्ट बंद होने की शिकायत की, जिस पर मंत्री ने तुरंत मंडल रेल प्रबंधक को निर्देश दिए कि समस्या का त्वरित समाधान किया जाए। निरीक्षण से पूर्व रात की बारिश के कारण स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर पानी भर गया था, जिससे प्रशासन को वैकल्पिक रास्ते से मंत्री को स्टेशन तक लाना पड़ा। जल निकासी के लिए मोटरयुक्त ट्रैक्टर की मदद ली गई, हालांकि दौरे के दौरान यह कार्य पूरा नहीं हो सका।

सीबीआई में केस दर्जः रेलवे में छह ठेकेदारों पर 64 लाख के गबन का आरोप

एजेंसी

जोधपुर। शहर में छह ठेकेदारों ने रेलवे कर्मचारियों की मिलीभगत से रेलवे को दो साल में 64.42 लाख रुपए की चपत लगाई। छह ठेकेदारों और अज्ञात रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ केन्द्रीय जांच ब्यरो (सीबीआई) ने केस दर्ज किया है। यह मामला रेलवे के पार्किंग और पे एंड यूज शौचालयों से जुड़ा है। जोधपुर मंडल में आय के मिलान के दौरान यह पाया गया है कि इन छह व्यक्तियों और फर्मों ने रेलवे कर्मचारियों से मिलीभगत कर आठ जगहों पर वित्तीय गबन किया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक विकास खेड़ा द्वारा की गई शिकायत के मुताबिक मई 2022 से मई 2024 के दौरान लोकेश चंद मीणा, मैसर्स संगम आर्ट, मैसर्स कृष्णा एंटरप्राइजेज, बबलू राम मीणा, अशफाक खान और प्रमोद मीणा के साथ टेंडर हुए थे। इन फर्मों द्वारा लाइसेंस शुल्क के रूप में रेलवे में जमा किए गए 39 लाख 43 हजार 725 रुपए के कुल 15 डिमांड ड्राफ्ट रद्द पाए गए। इन पार्टियों ने लाइसेंस शुल्क और अन्य शुल्क भी जमा नहीं किए। इसी के परिणामस्वरूप कुल 64.42 लाख रुपए का राजस्व नुकसान हुआ। रेलवे में गबन का पहला मामला राईका बाग से जुड़ा सामने आया था। राईका बाग पैलेस जंक्शन स्टेशन में पार्किंग स्टैंड का ठेका अहमदाबाद की फर्म मेसर्स श्री आरोही एंटरप्राइजेज को दिया गया। टेंडर सितंबर 2022 में 3 साल के लिए 28.49 लाख रुपए में दिया गया था।

पहलगाम आतंकी घटना पर कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र उजागरः वाजपेयी

एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जहां जहां देश में इंडी गठबंधन की सरकारें हैं, वहां पाकिस्तानियों को चिन्हित कर उन्हें उनके देश भेजने के लिए राज्य सरकार तत्परता नहीं दिखा रही। ऐसा लगता है उन पर तुष्टीकरण का भूत सवार है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने झारखंड के सभी जिलों में उपायुक्त को ज्ञापन सौंप कर राज्य में रह रहे पाकिस्तानियों को चिन्हित कर अविलंब वापस पाकिस्तान भेजने की मांग की है। भारत सरकार ने पहलगाम आतंकवादी घटना के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के 14 प्रकार के वीजा को रद्द करते हुए अटारी बॉर्डर को इसी कार्य के लिए खोल रखा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी घटना पर कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र उजागर हुआ है। इतना ही नहीं कांग्रेस नेताओं के सुर रोज बदल रहे हैं। भारत सरकार की ओर से आयोजित सर्वदलीय बैठक में वे मोदी सरकार के निर्णयों के साथ आतंकवाद और पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई का समर्थन करते हैं, जबकि कई वरिष्ठ नेता केंद्र सरकार और सेना की कारवाई पर

सवाल भी खड़ा करने लगते हैं, जो इनकी पुरानी आदत है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी का बयान इसी से मिलता जुलता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने तो सेना और भारत की सैन्य शक्ति का मजाक उड़ा दिया। राफेल जैसे उच्च कोटि के लड़ाकू विमान को खिलौना बताया, जिसका हाईवे पर विगत दिनों प्रदर्शन कर सेना ने देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने राफेल पर स्वास्तिक बनाकर पूजा करने का भी मजाक उड़ाया। यह कांग्रेस का पुराना सनातन विरोधी चरित्र है। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि पहलगाम में धर्म पूछकर 26 लोगों की हत्या की गई। लेकिन सवाल पूछ कर कांग्रेस इन शहीदों को अपमानित करने में पीछे नहीं रही। पहले भी सर्जिकल स्ट्राइक पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। ये वही कांग्रेस है जिसने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की, 370 लगाकर राष्ट्र की एकता अखंडता पर चोट की, देश का विभाजन स्वीकार किया। बाबा साहब अम्बेडकर को भारत रत्न से वंचित रखा, मंडल कमीशन को ठंडे बस्ते में डाल दिया, आरक्षण खत्म करने की बात की, धर्म आधारित आरक्षण का समर्थन किया। आज वही कांग्रेस संविधान बचाने की बात कर रही है।

सुकून और सुंदरता का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नही है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नही पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नही बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

उत्तर प्रदेश तैयार करेगा ग्रैंड मास्टर

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश में शतरंज गतिविधियों को नई दिशा और गति देने के लिए राज्य की शतरंज की रेगुलेटरी संस्था यूपी चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने एक समग्र दीर्घकालिक और अल्पकालिक योजना तैयार की है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 'फ्यूचर ग्रैंड मास्टर सीरीज' की शुरुआत की जा रही है। श्रृंखला के प्रथम चरण में वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश के 10 जनपदों में अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं से उदीयमान खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें ग्रैंड मास्टर अथवा अंतरराष्ट्रीय मास्टर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि दो लाख रुपये निर्धारित की गई है, जबकि प्रविष्टि शुल्क एक हजार रुपये होगा। उत्तर प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को प्रविष्टि शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यू.पी. स्टेट चैंपियनशिप (सभी आयु वर्ग एवं सीनियर वर्ग) के प्रथम पाँच स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। पहली प्रतियोगिता दिनांक 10 मई से 13 मई डीपीएस सीतापुर में आयोजित की जाएगी। फ्यूचर ग्रैंडमास्टर सीरीज के आगामी आयोजन लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, देवरिया, बरेली, झाँसी, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित अन्य प्रमुख जिलों में भी प्रस्तावित हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की निशानेबाजी स्पर्धा में राजस्थान ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम (यूथ) स्पर्धा में राजस्थान की टीम ने रोमांचक मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता। आज यहां हुई निशानेबाजी स्पर्धा में राजस्थान के मयंक चौधरी और प्राची की जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाई। हालांकि उत्तर प्रदेश की टीम, जिसमें देव प्रताप और उर्वा चौधरी शानदार वापसी करते हुए स्कोर को बराबरी पर ला दिया। राजस्थान की टीम ने अपने खेल में निरंतरता बनाए रखते हुए मुकाबले जीत लिया और उत्तर प्रदेश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।वहीं दिल्ली की टीम के नियमिका राणा और हार्दिक बंसल ने हरियाणा की कनक और प्रतीक श्योकंद को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

मो शमी को मिली जान से मारने की धमकी

अमरोहा। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज़ गेंदबाज मोहम्मद शमी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी के साथ एक करोड़ रुपये देने की मांग की गई है। तहरीर के आधार पर साइबर सेल में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि शमी के भाई हसीब अहमद ने पुलिस को आज एक तहरीर में बताया है कि शमी आईपीएल में व्यस्त है और वह शमी की ईमेल देखते रहते हैं। चार मई को ईमेल आईडी खोलने पर उसमें राजपूत सिंधर नाम की ईमेल आईडी से मोहम्मद शमी को जान से मारने, किसी 'प्रभाकरा' तथा एक करोड़ रुपये का जिक्र किया गया है। तहरीर के आधार पर प्रकरण के संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। जल्दी ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मोहम्मद शमी को धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चोटिल वंश बेदी की जगह उर्विल पटेल सीएसके की टीम में शामिल

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने चोटिल वंश बेदी की जगह गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए अपनी टीम में जगह दी है। सीएसके ने उर्विल को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस में टीम में शामिल किया है। बेदी को सीएसके ने 55 लाख रुपये में खरीदा था, लेकिन उन्हें एक भी मैच में अवसर नहीं मिला और वह अब बाएं टखने में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उर्विल इससे पहले 2023 में गुजरात टाइटंस टीम का भी हिस्सा थे। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद सीएसके ने पिछले महीने ही आयुष म्हात्रे के साथ उर्विल को भी बुलाया था। बाद में म्हात्रे को टीम में जगह मिली। उर्विल ने 2024-25 के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की छह पारियों में 230 के स्ट्राइक रेट और लगभग 79 की औसत से कुल 315 रन बनाए थे, जिसमें 20 छक्के शामिल थे, जो कि इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक था।

इंटर मिलान के खिलाफ बेंच पर रहेंगे लेवांडोव्स्की,कोच हैंसी फ्लिक ने दी जानकारी

एजेंसी

मिलान। चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के निर्णायक मुकाबले से पहले बार्सिलोना को बड़ी राहत मिली है। स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की पूरी तरह फिट हो चुके हैं, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक ने साफ किया है कि वे इंटर मिलान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत बेंच से करेंगे। पहला लेग 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था और अब दोनों टीमों के बीच अंतिम मुकाबला सैन सिरो में खेला जाएगा।

चोट से उबरकर टीम में लौटे लेवांडोव्स्की

पोलैंड के कप्तान लेवांडोव्स्की पिछले महीने सेल्टा विगो के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए थे और पहले लेग में नहीं खेल पाए थे। लेकिन अब वो फिट हैं और बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। कोच

फ्लिक ने पत्रकारों से कहा, वो हमारी उम्मीद से ज्यादा तेजी से ठीक हुए हैं और बेंच पर मौजूद रहेंगे। ज़रूरत पड़ी तो हम उन्हें उतार सकते हैं।

40 गोलों वाले स्ट्राइकर की वापसी बड़ी ताकत

लेवांडोव्स्की इस सीजन में अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 40 गोल कर चुके हैं। ऐसे में उनकी वापसी से बार्सिलोना को जीत की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में इंटर को हराना होगा। फ्लिक के कोच बनने के बाद बार्सिलोना इस सीजन में चार बड़े खिताब जीतने की दौड़ में है।

ओल्मो बोले - 'हम सब कुछ जीतना चाहते हैं'

बार्सिलोना के मिडफील्डर दानी ओल्मो ने कहा, 'मैंने सोचा था कि हम इस मुकाम तक आएंगे। हम हर खिताब जीतना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने वाली टीम भी है।' ओल्मो ने यह भी कहा कि अगर इंटर की टीम लमिन यमाल पर फोकस करेगी, तो बार्सिलोना के अन्य खिलाड़ी मौके का फायदा उठाएंगे।

यमाल फिर मचाएंगे तहलका?

17 वर्षीय यमाल ने पिछले मुकाबले में इंटर की डिफेंस को काफी परेशान किया था। उन्होंने एक शानदार गोल किया और दो बार पोस्ट से भी टकराए। इंटर के कोच सिमोने इनज़ाघी ने माना कि यमाल को स्पेशल अटेंशन दी जाएगी, लेकिन ओल्मो ने कहा कि इससे बार्सिलोना की योजना नहीं बदलेगी।

फाइनल में पहुंचेगी विजेता टीम : यह मुकाबला तय करेगा कि फाइनल में म्यूनिख में कौन पहुंचेगा। वहां विजेता टीम का सामना आर्सेनल या पेरिस सेंट जर्मेन में से किसी एक से होगा।

केंद्रीय विद्यालय संगठन की 54वीं तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ

एजेंसी

बाराबंकी। स्थानीय केडी सिंह बाबू स्टेडियम में केंद्रीय विद्यालय संगठन के 54वें तीन दिवसीय संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिलाधिकारी मुख्य अतिथि शशांक त्रिपाठी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बाराबंकी के छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर नृत्य एवं योग प्रदर्शन किया गया।

जिलाधिकारी ने छात्रों को खेल की भावना से खेलते हुए टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय संगठन के लखनऊ संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों की बैडमिंटन की अंडर 14 अंडर 17 तथा अंडर-19 की 19 टीमें भाग ले रही तथा क्रिकेट के अंडर 14 की 6 टीमें भाग ले रही हैं।

प्लेऑफ से बाहर होने पर बोले एसआरएच कोच विटोरी- हर बार आक्रामकता नहीं, हालात के हिसाब से खेली टीम

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में सनराइजर्स हैदराबाद की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के बाद हेड कोच डेनियल विटोरी ने टीम की बल्लेबाज़ी रणनीति और हैदराबाद की पिच को लेकर अहम बयान दिए।

आक्रामक बल्लेबाज़ी नहीं थी डिफॉल्ट रणनीति: विटोरी

विटोरी ने साफ किया कि टीम की बल्लेबाज़ी हमेशा आक्रामक नहीं रही, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बनाई गई। उन्होंने कहा, मैंने हर मैच के बाद यह नहीं कहा कि हम आक्रामक अप्रोच के पक्ष में हैं। हमने हमेशा परिस्थितियों को आंकने की बात की है। इस साल की पिचें वैसी नहीं रहीं जैसी उम्मीद थी। पिछले साल यहां हाई-स्कोरिंग मैच ज़्यादा हुए थे, लेकिन इस बार हालात अलग रहे।

पिचें रहीं तेज़ गेंदबाज़ों के मुफीद: हैदराबाद में इस सीजन अब तक छह मैच खेले गए हैं, जिनमें 11 पारियों में सिर्फ चार बार ही स्कोर 200 के पार गया। पिछले साल यह आंकड़ा 12 में से सात बार था। विटोरी ने कहा कि पिचें इस बार तेज़ गेंदबाज़ों के लिए ज़्यादा अनुकूल

रहीं।उन्होंने कहा, यहां दो पिचें थीं जहां स्कोर 250 के पार गया, लेकिन चार पिचें तेज़ गेंदबाज़ों के लिए ज़्यादा मुफीद रहीं। नई गेंद थोड़ा रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाज़ी करना आसान नहीं था।

बारिश से टूटी उम्मीदें, विटोरी ने जताई निराशा

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में हैदराबाद ने पहले गेंदबाज़ी करते हुए दिल्ली को 133/7 पर रोक दिया था। लेकिन बारिश ने टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। विटोरी ने कहा, हम टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उतरे थे और शुरुआत भी अच्छी रही। आज की परफॉर्मेंस एक कंप्लीट गेम की शुरुआत थी, लेकिन बारिश ने मौका छीन लिया। निराशा ज़रूर है, लेकिन यही क्रिकेट है।

शमी की जगह कमिंस को नई गेंद से मौका, रहा कारगर फैसला

इस मैच में मोहम्मद शमी को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया और कप्तान पैट कमिंस ने नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पावरप्ले में दिल्ली के टॉप ऑर्डर को झटका दिया और 3 विकेट लेकर 19 रन दिए।

विटोरी ने कहा,शमी के लिए सीजन अब तक कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ी। हमने कंडीशंस को ध्यान में रखते हुए टीम संयोजन चुना। कमिंस ने नई गेंद से जो स्पेल डाला, वह शानदार था। उम्मीद है कि वो इसी लय में अगले तीन मुकाबले भी खेलेंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज ने घोषित की वनडे टीम, आमिर जंगू और ज्वेल एंड्रयू को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में अधिकतर वही खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने दिसंबर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था। हालांकि, आईपीएल में व्यस्त शिमरोन हेटमायर इस दौरे पर नहीं होंगे, जबकि युवा बल्लेबाज़ ज्वेल एंड्रयू की टीम में वापसी हुई है।

शाई होप संभालेंगे कप्तानी, आमिर जंगू पर रहेंगी निगाहें

टीम की कमान एक बार फिर शाई होप के हाथों में होगी। ब्रैंडन किंग और एविन लुईस के ओपनिंग करने की संभावना है, वहीं कीसी कार्टी नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। आमिर जंगू, जिन्होंने सेंट किट्स में अपने डेब्यू मैच में 79 गेंदों में शानदार शतक जड़ा था, इस बार नियमित स्थान पाने की उम्मीद करेंगे।

फिट होकर लौटे शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड

बांग्लादेश सीरीज से बाहर रहने वाले शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में लौट आए हैं। तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में अल्ज़ारी जोसेफ, जेडन सील्स और

रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

2027 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की तैयारी

वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और 2027 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने की कोशिश में जुटी है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 21 मई से डबलिन में शुरू होगी, जिसके बाद इंग्लैंड में 29 मई से तीन वनडे और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद टीम में निरंतरता का विकास दिख रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन हमारी क्रिकेट शैली और सोच वर्ल्ड कप की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

वेस्टइंडीज ने अपने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया है। पूर्व तेज़ गेंदबाज़ रवि रामपॉल को जेम्स फ्रैंकलिन की जगह गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है। इसके अलावा, पूर्व आयरिश ऑलराउंडर केविन ओब्रायन आयरलैंड दौरे पर सपोर्ट स्टाफ से जुड़ेंगे।

वेस्टइंडीज वनडे टीम:

शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रेव्स, आमिर जंगू, अल्ज़ारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुढाकेश मोटी, शेर्फेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

आईपीएल 2025: कगिसो रबाडा अब चयन के लिए उपलब्ध, गुजरात टाइटंस ने की पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक महीने के निलंबन के बाद अब आईपीएल में वापसी के लिए तैयार हैं। गुजरात टाइटंस ने सोमवार शाम बयान जारी कर पुष्टि की कि रबाडा अब चयन के लिए पूरी तरह उपलब्ध हैं।रबाडा ने एसए 20 के दौरान एक प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के चलते दक्षिण अफ्रीकी डोपिंग निरोधक संस्था (एसएआईडीएस) द्वारा लगाए गए एक महीने के अस्थायी निलंबन को स्वीकार किया था। उन्होंने न केवल अपनी गलती मानी, बल्कि एक विशेष कार्यक्रम भी पूरा किया। एसएआईडीएस की जांच पूरी होने के

बाद अब वे आईपीएल के बाकी मुकाबलों के लिए चयन योग्य हैं।

विक्रम सोलंकी ने किया रबाडा का समर्थन

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने रबाडा का पूरा समर्थन करते हुए कहा, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने खिलाड़ियों का साथ दें, चाहे वह फॉर्म हो या व्यक्तिगत मुद्दे। रबाडा ने स्पष्ट रूप से बताया कि वे इस घटना से किसी को विचलित नहीं होने देना चाहते।÷ उन्होंने यह भी कहा कि रबाडा ने अपनी गलती से सबक सीखा है और अब पूरी तरह क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

टीम में वापसी को लेकर उत्साहित हैं रबाडा

रबाडा पहले दो मैच खेलने के बाद साउथ अफ्रीका लौट गए थे। अब वापसी के साथ, वे आईपीएल के व्यस्त अंत की ओर टाइटंस की गेंदबाजी को मजबूती देंगे। साथ ही, वे जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भी चयन के पात्र हो गए हैं।

नियमों का पालन और नया अध्याय

सोलंकी ने कहा कि रबाडा ने नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की और अब यह मामला बंद माना जाना चाहिए। नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं। रबाडा ने अपनी सजा पूरी की है और अब समय है कि वह फिर से खेल के मैदान में उतरें।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर, दिल्ली कैपिटल्स से मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से सनराइजर्स हैदराबाद की उम्मीदेंआधिकारिक रूप से खत्म हो गई। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उसका मुकाबला लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण पूरा नहीं हो सका। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक देकर मुकाबला रद्द घोषित किया गया।11 मैचों में कुल 7 अंक हुए, जिससे वे अब अंक तालिका में टॉप-4 में पहुंचने की गणितीय संभावना खो चुका है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सीजन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है। बारिश से प्रभावित इस मैच में हालांकि पहले दिल्ली कैपिटल्स की पारी पूरी हुई। मैच में हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता मिला और टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 7.1 ओवर में दिल्ली ने अपने 5 विकेट 29 रन पर गंवा दिए। पैट कमिंस ने पहले ही ओवर में करुण नायर को बाहर की ओर जाती गेंद पर ललचाकर आउट किया। फिर अगले ओवर में फाफ डु प्लेसिस को पुल शॉट पर विकेट के पीछे कैच कराया। अभिषेक पोरेल भी कमिंस की गेंद पर फ्लिक शॉट खेलते हुए आउट हुए।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप का भव्य आगाज 27 मई से, खेले जाएंगे 18 मुकाबले

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक और रोमांचक खबर है। जल्दी ही क्रिकेट की दुनिया के बड़े नाम ग्रेटर नोएडा में एक नये लीग इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप (आईएलसी) में खेलते नजर आएंगे। इस लीग की शुरुआत 27 मई से होगी, और फाइनल मुकाबला 05 जून को खेला जाएगा। इस दौरान होने वाले सभी 18 मैच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे।

भारत की ओर से इस टूर्नामेंट में पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार 'भारतीय वॉरियर्स' टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो दुनिया

के छह महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। अन्य टीमों में अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटंस (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का संयोजन), यूरो ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन स्ट्राइकर्स, और एशियन अवेंजर्स शामिल हैं। यह चैम्पियनशिप 27 मई से शुरू होकर 18 मुकाबलों के रोमांचक सिलसिले के बाद 5 जून को फाइनल तक पहुंचेगी। सभी मैच ग्रेटर नोएडा में आयोजित होंगे और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किए जाएंगे।

इस अनूठी चैम्पियनशिप के बारे में आयोजक और एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने कहा, ÷हम इस आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

विश्व क्रिकेट के लीजेंड्स को एक ही मंच पर लाना हमारे लिए गर्व की बात है। हम दर्शकों को एक विश्वस्तरीय क्रिकेटिंग अनुभव देने का वादा करते हैं। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों के अनुभव और प्रतिभा से सजे इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना है।

23वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिपः मप्र के खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

एजेंसी

भोपाल। राजधानी भोपाल में 22 अप्रैल से शुरू हुई 23वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप का समापन हुआ। इस शूटिंग चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाड़ियों ने दो पदक अर्जित किए। इनमें एक स्वर्ण और कांस्य पदक शामिल है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन मप्र खेल अकादमी के शूटिंग खिलाडी चेतन सप्कल ने अपने खेल का शानदार प्रदर्शन कर पहले चरण में 279 और द्वितीय चरण में 270 अंक सहित कुल 549 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी प्रतियोगिता में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाडी साहिल चौधरी ने भी 25मी. सेन्टर फायर पिस्टल सीनियर मेन वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता।

डीएसए अमरोहा ब्लू और डीएसए मुरादाबाद ब्लू की टीमें जीतीं

एजेंसी

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव एव पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि यूपीसीए द्वारा आईएफटीएम यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर आयोजित अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में दो मैच खेले गए। पहले मैच में डीएसए अमरोहा ब्लू ने डीएसए मुरादाबाद रेड को और दूसरे मैच में डीएसए मुरादाबाद ब्लू ने डीएसए अमरोहा रेड को हराया। पहले मैच में डी एस ए अमरोहा ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 45 ओवर में 8 विकेट खोकर 403 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीएसए मुरादाबाद रेड 217 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दूसरे मैच मैं डी एस ए मुरादाबाद ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 284 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए डी सी ए अमरोहा रेड 157 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। पहले मैच में यूपीसीए द्वारा मनोनीत अम्पायर जतिन्द्र सिंह और प्रियंका सिंह व स्कोरर प्रनाव दास रहे। दूसरे मैच में यूपीसीए द्वारा मनोनीत अम्पायर आयुष वत्स ओर पलक शर्मा व स्कोरर प्रगति तिवारी रहे। मैच के दोरान डीएसए सचिव विजय गुप्ता, संयुक्त सचिव नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, खेल निर्देशक डॉ वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ कुशल पाल सिंह, पूर्व रणजी खिलाड़ी सतीश शर्मा, नज़ाकत अली, मौहम्मद हसीन, जेपी सिंह,

मौहम्मद शाहिद व अन्य कोच मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सेलेक्टर पूर्व रणजी खिलाड़ी संजीव जखमौला और सर्वेश भटनागर दोनों मैच में ओवजर्बर के रूप में मौजूद रहे और खिलाड़ियों की बारीकियाँ देखी।

भारत ने वनडे और टी20 में बरकरार रखा शीर्ष स्थान

एजेंसी

दुबई। भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की जारी नवीनतम वार्षिक पुरुष रैंकिंग में सफेद गेंद प्रारूप में अपना दबदबा कायम रखते हुए वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, लेकिन टेस्ट प्रारूप में वह एक स्थान नीचे चौथे नंबर पर खिसक गया जिसमें ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर काबिज है। नवीनतम रैंकिंग में मई 2024 के बाद से खेले गए सभी मैचों की दर 100 प्रतिशत और उससे पहले के दो वर्षों की 50 प्रतिशत है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले भारत को वनडे रैंकिंग में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का फायदा मिला है। इससे उसके रेटिंग अंक 122 से बढ़कर 124 हो गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया अब तीसरे स्थान पर है। श्रीलंका ने हाल के महीनों में घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला जीत भी शामिल है। इससे उसे पांच रेटिंग अंक का फायदा हुआ और वह चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उसने पाकिस्तान (एक अंक के लाभ के साथ पांचवें) और दक्षिण अफ्रीका (चार अंक के नुकसान के साथ छठे) को पीछे छोड़ा। अफगानिस्तान चार अंकों के सुधार के बाद सातवें स्थान पर पहुंच गया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन इंग्लैंड चार अंक खोने के बाद आठवें स्थान पर आ गया। वेस्टइंडीज पांच अंक हासिल करके नौवें स्थान पर पहुंच गया। बांग्लादेश चार अंकों की गिरावट के साथ 10वें स्थान पर खिसक गया है। टी20 में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत शीर्ष पर है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद

ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक हो गई है। पहली बार वार्षिक अपडेट में वैश्विक टी20 रैंकिंग में 100 टीमों को शामिल किया गया है। सूची में वे सभी टीमें शामिल हैं जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इंग्लैंड तीसरे नंबर पर है, जबकि न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं। इनके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिंबॉब्वे का नंबर आता है। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, हालांकि वार्षिक अपडेट के बाद उसकी बढ़त 15 से घटकर 13 अंक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के 126 रेटिंग अंक हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों को पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उसके रेटिंग अंक 113 हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका (111) और भारत (105) एक एक स्थान फिसलकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके बाद न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे हैं। टेस्ट तालिका में अभी केवल 10 टीम शामिल हैं। आयरलैंड को रैंकिंग हासिल करने के लिए अगले 12 महीनों में एक और टेस्ट खेलना होगा, जबकि अफगानिस्तान को सूची में शामिल होने के लिए तीन और मैच खेलने होंगे।

WAVES 2025 में इंस्टाग्राम हेड से मिलीं

श्रद्धा कपूर

कहा- भारत डिजिटल रिवोल्यूशन को लीड कर रहा है

श्रद्धा कपूर फिल्मी दुनिया में काफी कम वक्त में बहुत नाम कमा चुकी हैं. हाल ही में वो मुंबई में हो रहे WAVES 2025 में शामिल हुई थीं. इस दौरान उन्होंने भारत के डिजिटल इकोसिस्टम पर बात की है. उनके साथ इस मंच में इंस्टाग्राम हेड एडम मोसेरी भी मौजूद थे. इस इवेंट के दौरान एक्ट्रेस का ये इंटेलिजेंट साइड लोगों को काफी पसंद आया है. हर साल से ज्यादा इस साल के वेव समिट की बात चारों ओर की जा रही है.श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम हेड से बातचीत में ग्लोबल डिजिटल रिवोल्यूशन में इंडिया की पार्टिसिपेशन को लेकर चर्चा की. एक्ट्रेस ने कहा कि भारत न केवल इस चीज में पार्ट ले रहा है बल्कि इस रिवोल्यूशन को लीड भी कर रहा है. एक्ट्रेस के इस तरह के जवाब ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया है. इसके साथ ही एक्ट्रेस की इस बात पर सभी ने सहमति भी दी है. सोशल मीडिया की बात करें, तो एक्ट्रेस अपने नेटवर्किंग फीड पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं.

91 मिलियन फॉलोअर्स हैं

श्रद्धा कपूर के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर 91 मिलियन फॉलोअर्स हैं. हालांकि, एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट बाकी फिल्मी सितारों से काफी अलग है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया के जरिए असली कनेक्शन भी बनाया है. एडम मोसेरी से बातचीत में उन्होंने बताया कि आने वाला समय अलग-अलग भाषाओं और अलग-अलग संस्कृति से भरा हुआ होने वाला है. आगे उन्होंने इंस्टाग्राम के अहमियत के बारे में कहा कि इसके जरिए जमीनी स्तर से जुड़े लोगों की आवाज का जरिया है.

संस्कृति से कराया रूबरू

काफी सारे लोग एक्ट्रेस के उनके सिंपल व्यवहार के लिए पसंद करते हैं. वेव समिट के मौके पर श्रद्धा ने मोसेरी को महाराष्ट्र दिवस के मौके अपनी संस्कृति से रूबरू कराया. उन्होंने इंस्टाग्राम के हेड को घर की बनी पुरन पोली खिलाई. हालांकि, एक्ट्रेस का ये अंदाज उनकी फैन फॉलोइंग की वजह है. इस समिट के दौरान श्रद्धा का भारत के कम्युनिकेशन और कनेक्शन को आकार देने वाली डिजिटल दुनिया की गहराई समझने वाली एक्ट्रेस के तौर पर भी दुनिया से सामना हुआ है.

मेट गाला में शाहरुख-कियारा-दिलजीत का डेब्यू, भारत में कब और कैसे देख सकते हैं पूरा इवेंट?

फैशन इवेंट को लेकर हमेशा से ही काफी चर्चा होता रहता है और इस बार तो ये और खास होने वाला है. दरअसल, मेट गाला 2025 में हिंदी सिनेमा के तीन हस्ती अपना डेब्यू करने वाले हैं. इनमें शाहरुख खान, कियारा आडवाणी और दिलजीत दोसांझ का नाम शामिल है. इस साल इन तीनों सितारों को रेड कार्पेट पर देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं. पिछले साल मेट गाला में आलिया भट्ट ने भी अपना डेब्यू किया था.शाहरुख खान और कियारा पहली बार मेट गाला में डेब्यू करने जा रहे हैं. हाल ही में पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने भी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है. मेट गाला 5 मई को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में ऑर्गेनाइज किया जाएगा. हालांकि, भारतीयों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा. आइए आप सभी को भारत में मेट गाला को कब और कहां देखते हैं, इसके बारे में जानते हैं.

कब देखा जा सकता है ?

जहां न्यूयॉर्क में ये फैशन इवेंट 5 मई को शाम 6 बजे से शुरू होगा, तो वहीं भारत में लोग इसे 6 मई को देख पाएंगे. समय की बात करें, इसे भारत में सुबह के 3.30 बजे से देख पाएंगे. इस बार भी वोग इस फैशन शो को फ्री में लाइव स्ट्रीम करेगा. इस इवेंट को वोग की वेबसाइट, डिजिटल प्लेटफॉर्म या फिर यूट्यूब पर देखा जा सकता है. मेट गाला 2025 के थीम की बात करें, तो ये सुपरफाइन- टेलरिंग ब्लैक स्टाइल है, जो मोनिका एल. मिलर की बुक स्लेव्स टू फैशन से इंस्पायर है.

डिजाइनर्स की चर्चा

बताया जा रहा है कि शाहरुख खान मेट गाला 2025 में सब्यसाची के कस्टम आउटफिट में कार्पेट पर शानदार शुरुआत करने वाले हैं. वहीं कियारा आडवाणी गौरव गुप्ता के शानदार क्रिएशन में नजर आएंगी. हालांकि, ऑफिशियल तौर पर अपने ड्रेस को लेकर कियारा काफी सीक्रेटिव रह रही हैं, लेकिन उनके आउटफिट का एक टीजर ऑनलाइन सामने आ चुका है. साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि दिलजीत दोसांझ भी गौरव गुप्ता के कपड़ों में दिखेंगे.

इधर 'मुझसे शादी करोगी 2' में Kartik Aaryan की एंट्री की खबर आई, उधर दूध का दूध, पानी का पानी हो गया

कार्तिक आर्यन को लेकर माहौल सेट है. इस वक्त उनकी कई फिल्मों पर काम चल रहा है. फिलहाल वो अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म का शूट कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ श्रीलीला भी दिखेंगी. इसके अलावा 'नागजिला', 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' भी शामिल हैं. कुछ इस साल रिलीज होंगी, तो कुछ अगले साल. बीते दिनों खबर आई थी कि साल 2004 की कॉमेडी फिल्म का सीक्वल बनेगा. इसमें कार्तिक आर्यन और वरुण धवन एक साथ आएंगे. हालांकि, अब दूध का दूध, पानी का पानी हो गया है.

इसी बीच हिंदुस्तान टाइम्स पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि कार्तिक आर्यन फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे. कार्तिक की 'मुझसे शादी करोगी 2' के लिए बातचीत करने की अफवाहें झूठी निकली.

क्या कार्तिक फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे ?

कार्तिक आर्यन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं. वहीं, उनके पास कुछ और प्रोजेक्ट हैं, जिन्हें वो पहले खत्म करना चाहते हैं. ऐसा भी अपडेट मिला है कि कार्तिक आर्यन मई में अनुराग बसु की फिल्म के लिए नॉर्थ ईस्ट में रहेंगे. इस दौरान साथ में श्रीलीला भी होंगी. हालांकि, फिल्म का नाम अबतक नहीं पता लगा है. लेकिन उनकी पिक्चर से कई लुक सामने आ गए हैं, जो काफी पसंद किए जा रहे हैं.

हालांकि, कार्तिक आर्यन इस वक्त सोलो फिल्म में काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं. एक्टर के मुताबिक, उनकी पर्सनल ग्रोथ के लिए यही सबसे बढ़िया फैसला है. हालांकि, मल्टी हीरो प्रोजेक्ट्स को लेकर वो कुछ खास इंटरेस्टेड नहीं दिख रहे हैं. दरअसल उनकी पिछली फिल्म ने जबरदस्त परफॉर्म किया था. भूल भुलैया 3 को काफी प्यार मिला था. इससे पहले कार्तिक की चंदू चैंपियन आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस में ठीक-ठाक कलेक्शन कर लिया था. अब उनकी अगली फिल्म का इंतजार है.

क्या सलमान-अक्षय पार्ट 2 में नहीं होंगे ?

साल 2004 में 'मुझसे शादी करोगी' रिलीज हुई थी. डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म में सलमान खान, अक्षय कुमार की जोड़ी साथ दिखी थी. वहीं, दोनों के साथ प्रियंका चोपड़ा थीं, लेकिन फिर पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिसमें कहा गया कि सलमान खान-अक्षय कुमार का पत्ता कट गया है कार्तिक से बात चल रही है, लेकिन यह खबर भी गलत निकली.

जब शाहरुख और फराह खान ने

काजोल मुखर्जी

के साथ किया था गंदा मजाक, चोरी छिपे कर दिया था ऐसा काम

हिंदी सिनेमा में बड़े पर्दे पर जो जोड़ियां सबसे ज्यादा पसंद की गई है उनमें काजोल और शाहरुख खान की जोड़ी भी शामिल है. दोनों ने साथ में आधा दर्जन फिल्मों में काम किया और हर बार फैंस का दिल जीता. दोनों की सबसे ज्यादा पसंद की गई फिल्म है 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे'.'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' भारत की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक सीन में काजोल के नेचुरल एक्सप्रेशन के लिए फराह खान ने शाहरुख खान के साथ मिलकर काजोल के साथ कुछ ऐसा किया था जिससे एक्ट्रेस हैरान रह गई थीं. दरअसल एक सीन में काजोल को शाहरुख ने गिरा दिया था और ये बात काजोल से छिपाई गई थी.

काजोल को बिना बताए शाहरुख ने गिराया

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं उसे लेकर खुद काजोल ने खुलासा किया था. ये किस्सा फिल्म के गाने 'रूक जा ओ दिल दीवाने' से जुड़ा हुआ है. इस गाने की कोरियोग्राफी करने वाली फराह खान ने गाने के आखिरी में शाहरुख को काजोल को नीचे गिराने के लिए कहा था. लेकिन नीचे गिराने वाली बात शूट के वक्त काजोल से छिपाई गई थी.

काजोल ने कहा था, फराह खान ने शाहरुख को अकेले में कहा था कि तुम काजोल के साथ डांस करते करते हुए उसे बाहों में भर लेना और फिर उसे नीचे गिरा देना, लेकिन उसको बताना नहीं. ऐसे में जब सीन शूट हुआ तो शाहरुख ने अचानक ऐसा ही किया और मैं एकदम हैरान रह गई. ऐसे में इस सीन को काफी पसंद किया गया क्योंकि मेरे एक्सप्रेशन बिल्कुल नेचुरल निकले थे.

काजोल और शाहरुख ने इन फिल्मों में शेयर की स्क्रीन

शाहरुख और काजोल जब-जब बड़े पर्दे पर साथ आए तब-तब दर्शकों को एंटरटेनमेंट का फुल डोज मिला. दोनों दिग्गजों ने बड़े पर्दे पर दिलवाले दुल्हनिया लें जाएंगे के अलावा 'बाजीगर', 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माई नेम इज खान' और 'दिलवाले' जैसी फिल्मों में भी काम किया.